नई दिल्ली RNI NO. DELHIN/2010/37009

वर्षः 11

अंकः 65

सोमवार, 20-26 दिसंबर, 2021

मूल्यः 5 रु प्रति

रु 250 वार्षिक

विस चुनाव पर लग सकती है रोक, हाईकोर्ट ने पीएम और चुनाव आयोग से की अपील 03

सरकार ने विवाह की न्यूनतम उम्र बढ़ाकर लड़कियों को सपने साकार करने का अवसर दिया 08

NCR समाचार

अफगानिस्तान के मसले पर ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कॉरपोरेशन की बैठक फेल 10

मैं मानता हूं कि इंग्लैंड के कोच के लिए सही व्यक्ति हूं: सिल्वरवुड 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

फ्रेंच फिल्म अकादमी हॉलीवुड अभिनेत्री केट ब्लैचेट को करेगी सम्मानित 12

ओमीक्रोन के बढ़ते खतरे के बीच दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला

27 दिसंबर से लगेगा नाइट कर्फ्यू

एजेंसी

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के नए वेरिएंट 'ओमीक्रोन' के बढ़ते खतरे के बीच दिल्ली सरकार ने रविवार को बड़ा फैसला किया। आपको बता दें कि दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में 27 दिसंबर से नाइट कर्फ्यू का ऐलान किया है। ऐसे में रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक नाइट कर्फ्यू रहेगा।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक दिल्ली में रविवार को कोरोना के 290 नए मामले सामने आए, जो 10 जून के बाद से सबसे अधिक हैं। इसके अलावा एक व्यक्ति की मौत भी हुई है और संक्रमण दर बढ़कर 0.55 प्रतिशत हो गई। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि 10 जून को दिल्ली में संक्रमण के 305 मामले सामने आए थे और 44 लोगों ने अपना दम तोड़ा था। दिल्ली में कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए लोगों की कुल संख्या अब 14,43,352 जबकि मृतकों की तादाद 25,105 हो गई है। वहीं एक्टिव मरीजों की संख्या 1,103 है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा और कर्नाटक में भी दोबारा रात्रि कर्फ्यू लागू कर दिया गया है। दिल्ली में रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 290 नए मामले सामने आए, जो 10 जून के बाद से सबसे अधिक है। इसके अलावा एक रोगी की मौत हुई और संक्रमण दर बढ़कर 0.55 प्रतिशत हो गई। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। जीआरएपी के तहत, अगर लगातार दो दिन संक्रमण दर 0.5 प्रतिशत पर बनी रही तो 'येलो' अलर्ट लागू होगा, जिसके तहत कई प्रतिबंध लगाए जाते हैं। सूत्रों ने कहा कि रविवार को आमतौर पर कम संख्या में जांच होती है, जो संक्रमण दर को प्रभावित कर सकती हैं। फिर भी रात्रि कर्फ्यू सोमवार को रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक चलेगा। दस जून को राष्ट्रीय राजधानी में संक्रमण के 305 और मौत के 44 मामले सामने आए थे। दिल्ली में कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए लोगों की कुल संख्या अब 14,43,352 जबकि मृतकों की तादाद 25,105 हो गई है। उपचाराधीन रोगियों की संख्या 1,103 है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा और कर्नाटक में भी दोबारा रात्रि कर्फ्यू लागू कर दिया गया है। येलो अलर्ट के तहत रात का कर्फ्यू, स्कूलों, कॉलेजों और गैरजरूरी सामान की दुकानों को बंद करना तथा मेट्रो ट्रेनों में आधी क्षमता के साथ बैठने की व्यवस्था एवं अन्य पाबंदियां लगाई जाएंगी।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक दिल्ली में रविवार को कोरोना के 290 नए मामले सामने आए, जो 10 जून के बाद से सबसे अधिक हैं। इसके अलावा एक व्यक्ति की मौत भी हुई है और संक्रमण दर बढ़कर 0.55 प्रतिशत हो गई।

मुख्तार अब्बास नकवी ने PM मोदी को बताया संकटमोचक

मुंबई। कोविड-19 महामारी के बीच अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री मुख्तार नकवी ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ''संकटमोचक नेता'' करार दिया और कहा कि उन्होंने इस ''शताब्दी की सबसे बड़ी आपदा'' से दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को बाहर निकालने के लिए आगे बढ़कर कार्य किया है। महाराष्ट्र के धुले में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद नकवी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कोविड-19 संबंधी चुनौतियों के दौरान लोगों के स्वास्थ्य और कुशलक्षेम के लिए पर्याप्त सुविधाएं और संसाधन सुनिश्चित किए। उन्होंने कहा कि लोगों ने स्वयं पाबंदियों का अनुकरण किया जो मोदी के प्रति उनके विश्वास को प्रकट करता है। नकवी ने कहा, ''ईश्वर की कृपा से हमारे पास मोदी जैसे संकटमोचक नेता हैं।

कासगंज में सपा-बसपा पर बरसे अमित शाह

सर्व समाज को साथ लेकर केवल भाजपा ही बढ़ सकती है आगे: शाह

एजेंसी

लखनऊ। केंद्रीय गृह मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष अमित शाह ने रविवार को विपक्षी समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सपा और बसपा जातिवादी और परिवारवादी पार्टियां हैं और ये लोगों का भला नहीं कर सकती हैं। रविवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले के बारह पत्थर मैदान में जनविश्वास यात्रा की जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने यह बात कही। उन्होंने कहा, प्रदेश के सभी छह क्षेत्रों में जन विश्वास यात्रा घूम रही है और राज्य की सभी 403 विधानसभा सीटों पर यह यात्रा जाने वाली है। मेरे पास कार्यकर्ताओं की रिपोर्ट आती है कि जहां पर भी यात्रा गुजरती है, ऐसी ही भीड़ सब जगह होती है। शाह ने प्रश्न किया, उत्तर प्रदेश में ये बुआ (मायावती) और बबुआ (अखिलेश यादव) ने जो सरकारें चलाई, वह सभी का विकास करती थी क्या, सपा के राज में आपका भला होता था क्या, बसपा के राज में आपका भला होता था क्या। उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि वो नहीं कर सकते, ये जातिवादी पार्टियां हैं, ये परिवारवादी पार्टियां हैं, सर्व समाज को साथ लेकर केवल और केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ही आगे बढ़ सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को तीन सौ से अधिक सीटें दिलाने का नारा देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने उत्तर प्रदेश के दिवंगत मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को याद किया। सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए शाह ने कहा पार्टी ने यहां मेरे ढेर सारे फोटो बाबूजी (कल्याण सिंह) के साथ लगाए हैं, बाबूजी अगर मेरा मार्गदर्शन नहीं करते तो 2014 (लोकसभा), 2017 (विधानसभा) और 2019 (लोकसभा) की विजय संभव ही नहीं थी।

अमित शाह ने कहा कि प्रदेश के सभी छह क्षेत्रों में जन विश्वास यात्रा घूम रही है और राज्य की सभी 403 विधानसभा सीटों पर यह यात्रा जाने वाली है। मेरे पास कार्यकर्ताओं की रिपोर्ट आती है कि जहां पर भी यात्रा गुजरती है, ऐसी ही भीड़ सब जगह होती है।

संक्षिप्त समाचार

पंजाब और J&K को लेकर हुई हाई लेवल मीटिंग, अभी कश्मीर से भी नाजुक हैं हालात

नई दिल्ली। पंजाब में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इससे पहले वहां पर और भी आतंकवादी हमले हो सकते हैं। ऐसा हम नहीं बल्कि खुफिया एजेंसियों का कहना है और उन्होंने तो पंजाब पुलिस को भी अलर्ट पर रहने को कहा है। इसके अलावा पुलिस सोशल मीडिया पर भी पैनी नजर बनाकर रखेगी। लुधियाना धमाके में किसका हाथ था ? क्या चुनाव से पहले होंगे और भी आतंकवादी हमले ? ऐसा इसलिए पूछा जा रहा है क्योंकि लुधियाना में गुरुवार की दोपहर धमाका हो गया। जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 5 लोग गंभीर रूप से जख्मी हुए थे। जिसके बाद से खुफिया एजेंसियों ने पंजाब पुलिस को अलर्ट करते हुए सोशल मीडिया पर बारिकी से ध्यान देने की बात कही है। पंजाब में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इससे पहले वहां पर और भी आतंकवादी हमले हो सकते हैं। ऐसा हम नहीं बल्कि खुफिया एजेंसियों का कहना है और उन्होंने तो पंजाब पुलिस को भी अलर्ट पर रहने को कहा है। इसके अलावा पुलिस सोशल मीडिया पर भी पैनी नजर बनाकर रखेगी। क्योंकि सीमावर्ती राज्य होने की वजह से यहां पर आतंकवादी घुसपैठ की कोशिश भी कर सकते हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कई सुरक्षा सलाहकारों ने पंजाब पुलिस को आतंकवादी गतिविधियों को लेकर अलर्ट किया है। फिलहाल पुलिस खुफिया एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है और हर छोटी-बड़ी घटना पर पैनी नजर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अधिकारी ने बताया कि पंजाब की स्थिति कश्मीर से ज्यादा नाजुक है। वहीं दूसरी तरफ गृह मंत्रालय ने भी आंतरिक सुरक्षा को लेकर उच्च स्तरीय बैठक की। जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने की। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक लुधियाना धमाके और जम्मू-कश्मीर के ताजा हालातों पर गृह मंत्रालय में चर्चा हुई। जिसमें आईबी, एनआईए, बीएसएफ, सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

क्या अभी भी भाजपा में ही हैं मुकुल रॉय ? वकील ने किया चौंका देने वाला खुलासा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में लौटने वाले मुकुल रॉय का विधायक पद मान्य है या नहीं ? इस विषय को लेकर विधानसभा में सुनवाई चल रही है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट पश्चिम बंगाल विधानसभा से टीएमसी में शामिल होने वाले मुकुल रॉय की अयोग्यता पर जल्द फैसला लेने को कहा था। जिसके बाद विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने इस मामले की सुनवाई कर रहे हैं। इसी बीच मुकुल रॉय के वकील ने एक चौंका देने वाला खुलासा किया। वकील ने विधानसभा अध्यक्ष को बताया कि मुकुल रॉय ने पार्टी नहीं छोड़ी है। वह अभी भी भाजपा में हैं।

हालांकि भाजपा के वकील इस बात को मानने से इनकार कर रहे हैं क्योंकि मुकुल रॉय ने 11 जून को टीएमसी की सदस्यता ली थी। इतना ही नहीं भाजपा के पास इससे जुड़े हुए कई प्रमाण भी हैं। जिनमें तस्वीरें शामिल हैं। भाजपा के वकील ने मुकुल रॉय के वकील के दावों का विरोध करते हुए कहा कि वह इस मामले का कानूनी रूप से विरोध करेंगे। इस मामले की अगली सुनवाई 3 जनवरी को विधानसभा अध्यक्ष के आवास में होगी। आपको बता दें कि मुकुल रॉय ने कृष्णानगर उत्तर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार के तौर पर चुनाव जीता था। जिसके बाद विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने 17 जून को अध्यक्ष के समक्ष याचिका दायर कर मुकुल रॉय को विधानसभा के सदस्य के रूप में अयोग्य ठहराने का अनुरोध किया था और दावा किया था कि वह टीएमसी में शामिल हो गए हैं।

अटल जयंती, राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने 'सदैव अटल' पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 97वां जयंती है। इस अवसर पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह समेत कई दिग्गजों ने सदैव अटल पहुंचकर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित की। इस अवसर पर कई और केंद्रीय मंत्री उपस्थित रहें और अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि दी। आपको बता दें कि अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म 25 दिसंबर 1924 को हुआ था। वह देश के तीन बार प्रधानमंत्री रहे हैं और भाजपा के सबसे वरिष्ठ कम नेताओं में से एक थे। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर लिखा कि आदरणीय अटल जी को उनकी जयंती पर कोटि-कोटि नमन। अटल जी को उनकी जयंती पर नमन। हम राष्ट्र के लिए उनकी समृद्ध सेवा से प्रेरित हैं। उन्होंने भारत को मजबूत और विकसित बनाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

प्रियंका के 'लड़की हूं लड़ सकती हूं' के आह्वान पर 10 हजार युवतियों ने मैराथन में लिया हिस्सा

एजेंसी

लखनऊ। कांग्रेस पार्टी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर लड़कियों का मैराथन नहीं होने देने का आरोप लगाते हुए रविवार को दावा किया कि बिना सरकारी बसों और सरकारी व्यवस्था के बिना ही दस हजार से अधिक लड़कियां झांसी में मैराथन में दौड़ने उतरीं।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से रविवार को ट्वीट किया गया, योगी जी भीड़ जुटाकर लैपटॉप और मोबाइल बांट सकते हैं लेकिन मैराथन नहीं होने दे रहे हैं। लड़कियों के साथ इतना अन्याय क्यों। कांग्रेस ने अपने सिलसिलेवार ट्वीट में आरोप लगाया, बिना सरकारी बसें और सरकारी तंत्र लगाए, आज झांसी में दस हजार से अधिक लड़कियां लड़की हूं लड़ सकती हूं मैराथन में दौड़ने उतरीं। आज प्रदेश की हर लड़की इस नारे के साथ है। इसी ट्वीट में आगे कहा गया, योगी जी लड़कियों से इतने डरे हैं कि लखनऊ में मैराथन की अनुमति रद्द कर दी। लेकिन लड़कियां लड़ेंगी। गौरतलब है कि राजधानी लखनऊ में मैराथन दौड़ प्रतियोगिता की अनुमति निरस्त किए जाने के बाद शनिवार की शाम को कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने लखनऊ पुलिस आयुक्त के कैंप कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि मैराथन दौड़ प्रतियोगिता की अनुमति इसलिए नहीं मिली क्योंकि प्रदेश की लड़कियों का झुकाव कांग्रेस की तरफ दिख रहा है। कांग्रेस महासचिव एवं उत्तर प्रदेश मामलों की प्रभारी प्रियंका गांधी वाद्रा के निर्देश पर पार्टी को रविवार को राजधानी के गौतमपल्ली थाना इलाके के 1090 चौराहे से लड़कियों की मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन करना था। कांग्रेस नेताओं ने बताया कि अनुमति निरस्त होने के बावजूद बहुत सी लड़कियां रविवार की सुबह 1090 चौराहे पर पहुंची और सरकार के खिलाफ अपनी नाराजगी दर्ज कराई।

जाति और धर्म के आधार पर वोट देने के बाद उत्तर प्रदेश के लोग मुद्दों पर मतदान करेंगे: भूपेश बघेल

एजेंसी

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का कहना है कि उत्तर प्रदेश की जतना ने हर चुनाव में कुछ नया किया है और जाति तथा धर्म पर वोट देने के बाद इस बार वे खुद से जुड़े मुद्दों पर मतदान करेंगे। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के वरिष्ठ चुनाव पर्यवेक्षक बघेल ने पीटीआई-के साथ साक्षात्कार के दौरान कहा कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में सभी सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी, जिनमें से इस बार 40 फीसदी सीट महिलाओं को दी जाएंगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रियंका गांधी वाद्रा के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगी, जिन्होंने प्रदेश में जनता के मुद्दों को निडर और आक्रामक तरीके से उठाया है, चाहे वह किसानों की समस्याएं हों, बेरोजगारी, महंगाई, घटती आय या दलितों, महिलाओं और युवाओं के खिलाफ अत्याचार के मामले हों। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि किसान पिछले एक साल से अधिक समय में भाजपा सरकार के हाथों हुए अपमान को नहीं भूले हैं और उनमें से 700 से अधिक अपनी जान गंवा चुके हैं। बघेल ने दावा किया कि इस बार वे भाजपा को सत्ता से बेदखल कर देंगे और इस बार उत्तर प्रदेश चुनाव में भाजपा के खिलाफ लोगों का रोष जमीनी स्तर पर सामने आएगा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने कहा, उत्तर प्रदेश के लोग हर चुनाव में कुछ नया करते हैं। उत्तर प्रदेश आपको वर्तमान के सवालों के जवाब देता है।

उन्होंने कहा कि एक समय था जब लोगों ने जाति के आधार पर मतदान किया और (बहुजन समाज पार्टी प्रमुख) मायावती और (समाजवादी पार्टी अध्यक्ष) अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बने। बघेल ने कहा कि प्रदेश की जनता ने फिर से धर्म के आधार पर मतदान किया और भाजपा, जो 2012 में चौथे स्थान पर थी, वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में विजेता बनकर उभरी। उन्होंने दावा कि इस बार आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनमा खुद से जुड़े मुद्दों पर मतदान करेगी, चाहे वह महंगाई, घटती आय, बेरोजगारी या महिलाओं, दलितों और युवाओं के मुद्दे हों।

TMC और AAP गैर भाजपाई वोट में लगा रही हैं सेंध

सिर्फ कांग्रेस ही भाजपा को हरा सकती है: चिदंबरम

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने रविवार को कहा कि गोवा में तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी गैर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) वोटों में सेंध लगा रही हैं और भाजपा को केवल कांग्रेस ही हरा सकती है।

गोवा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ चुनाव पर्यवेक्षक चिदंबरम ने यह भी कहा कि पार्टी और मतदाताओं के प्रति निष्ठा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन की पहली कसौटी है। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि निर्वाचित होने के पश्चात ऐसे उम्मीदवार पार्टी और मतदाताओं दोनों के प्रति निष्ठावान रहेंगे। चिदंबरम का यह बयान ऐसे वक्त में आया है जब गोवा प्रदेश कांग्रेस समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष एलेक्सो रेजिनाल्डो लौरेंको ने राज्य विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है।

कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने कहा, '' कांग्रेस के 99 फीसदी कार्यकर्ता कांग्रेस के साथ हैं। मैं इससे अप्रसन्न नहीं हूं कि रेजिनाल्डो लौरेंको तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए। तृणमूल कांग्रेस ने हारने वाले उम्मीदवार को हमारे हाथ से ले लिया है और अगर वह उन्हें चुनाव में खड़ा करती है तो वह हारने वाले उम्मीदवार साबित होंगे।''

गोवा की 40 सदस्यीय विधानसभा में पार्टी के सदस्यों की संख्या दो पर सिमट गई है। लौरेंको तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। इस माह की शुरुआत में पूर्व मुख्यमंत्रियों लुइजिन्हो फलेरियो और रवि नाइक ने भी कांग्रेस की सदस्यता छोड़ दी। फलेरियो तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में शामिल हो गए थे। चिदंबरम ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि केवल कांग्रेस ही ऐसी पार्टी है जिसकी गोवा में सभी 40 विधानसभा क्षेत्रों में गहरी जड़े हैं और जनता जानती है कि केवल कांग्रेस ही वह पार्टी है जिसमें भाजपा के ''धनबल और राज्य सत्ता के दुरुपयोग'' के बावजूद पार्टी को हराने का दम है। कांग्रेस से हाल में हुए इस्तीफों और उनमें से कुछ के तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने तथा ममता बनर्जी की अगुवाई वाली तृणमूल कांग्रेस के राज्य में आक्रामक रणनीति अपनाने के बारे में पूछे जाने पर चिदंबरम ने कहा कि किसी पार्टी की रणनीति या उसकी मंशा पर वह टिप्पणी नहीं करेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस के केवल दो विधायक ही तृणमूल में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा, '' कांग्रेस के 99 फीसदी कार्यकर्ता कांग्रेस के साथ हैं। मैं इससे अप्रसन्न नहीं हूं कि रेजिनाल्डो लौरेंको तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए। तृणमूल कांग्रेस ने हारने वाले उम्मीदवार को हमारे हाथ से ले लिया है और अगर वह उन्हें चुनाव में खड़ा करती है तो वह हारने वाले उम्मीदवार साबित होंगे।''

एनसीआर समाचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय:
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली-62

फोन:
8888883968,
9811111715

एनसीआर समाचार पत्र के
स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

संक्षिप्त समाचार

मथुरा में नहीं मिल रहा गरीबों को राशन, योगी सरकार की जनता परेशान

राजू शर्मा

राज्य सरकार द्वारा गरीबो को मुफ्त राशन वितरण किया जा रहा है लेकिन गोवर्धन तहसील के अन्तर्गत आन्यौर गाँव मे अधिकांश महिलाओं ने आरोप लगाते हुए बताया कि राशन डीलर कभी अँगूठे के निशान न आने, तो कभी मशीन खराब होने की बात कहकर उन्हें राशन नहीं दे रहा है। जिस कारण गरीब परिवारों में मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। मंगलवार को भी उन्हें राशन नही दिया गया। जिससे आक्रोशित हो रही महिलाएं वहाँ उन्होंने धरना-प्रदशन किया उन्होंने योगी सरकार एवं राशन डीलर के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और कहा महिलाओं ने इस समय चुनावो में गुस्साए ग्रामीण महिलाओं ने कहा चुनावो के माहौल में इस समय योगी जी ने क्यो इस तरह के अधिकारियों के खिलाफ शिकन्जा क्यो नही कस रखा अब तो पता चलेगा क्या अधिकारी इस तरह के लोगो पर कोई कार्यवाही कर पाएंगे या नही ये तो आने वाले दिनों में ही पता लगेगा या अधिकारी इस तरह के लोगो को संरक्षण देंगे? समाज सेवी भूरा पुत्र भिक्को निवासी आन्यौर ने इसकी आबाज उठाई तो उनको राशन डीलर द्वारा जान से मारने की धमकी देने की बात एक लेटर पेड़ द्वारा मीडिया को जानकारी दी गई अब देखना ये होगा राशन डीलर पर कार्यवाही होंगी या समाज सेवी भूरा को न्याय मिलेगा या नही ये तो अब समय ही बताएगा या भ्रष्टाचार के कदमो नीचे इसी तरह आबाज दबा दी जाएंगी?

समाजवादी पार्टी की बाल्मीकि चेतना यात्रा संपन्न

अज़ीम खान

उत्तर प्रदेश/बदायूं। शहर के मोहल्ला लोटनपुरा में समाजवादी पार्टी की बाल्मीकि चेतना यात्रा कार्यक्रम के मौके पर जुगल किशोर वाल्मीकि प्रदेश सचिव समाजवादी पार्टी व प्रेमपाल सिंह यादव जिलाध्यक्ष एवम साथ मे जिला महासचिव यासीन गद्दी ,सोमेन्द्र यादव जिला सचिव ,युवा जोश भाई जॉन्टी वाल्मीकि ,आकाश नगर अध्यक्ष ,युवा साथी लखन रोहिले ,नरेन्द्र चौधरी , शेखर वाल्मीकि व सैकड़ो की भीड़ मौजूद रहे। इधर खेड़ा नवादा पर उक्त लोगों का सूरजपाल अमित बाल्मीकि विजय आकाश सुनील पूरा बाल्मीकि रजत सहित सैकड़ों लोगों ने स्वागत किया।

साली से अवैध संबंध के चलते की हत्या

राजेंद्र योगी

विगत दिनों आगर मालवा कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत बैजनाथ निपानिया निवासी एक व्यक्ति की अज्ञत व्यक्ति द्वारा धारदार हथियार से जघन्य हत्या कर दी थी। पुलिस ने अंधे कत्ल का सनसनीखेज खुलासा करते हुए बताया कि, 1 दिसंबर 2021 को नूर मोहम्मद पिता उस्मान खान 44 वर्ष की अज्ञत व्यक्ति द्वारा जगन हत्या कर दी गई थी जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस महानिरीक्षक उज्जैन जोन संतोष कुमार सिंह एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक उज्जैन रेंज द्वारा शीघ्र खुलासा करने के निर्देश दिए गए थे ,इस पर पुलिस अधीक्षक आगर राकेश कुमार सागर के निर्देशन में अज्ञत आरोपी की तलाश के लिए टीम गठित की गई थी मृतक के संबंध में जानकारी एकत्रित की गई तो पता चला कि उसने 3 शादियां की थी।

कांग्रेस ने नागालैंड में हुई गोलीबारी को लेकर गृह मंत्री का इस्तीफा मांगा

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने नगालैंड में हुई गोलीबारी की घटना को लेकर रविवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग की। साथ ही पार्टी ने पीड़ितों को मुआवजा देने और गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश के नेतृत्व में स्वतंत्र जांच कराने की भी मांग की। कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल इस महीने की शुरुआत में हुई घटना में घायल हुए लोगों के संबंधियों से मिलने डिब्रूगढ़ मेडिकल कॉलेज गयाथा, जिसने अपनी रिपोर्ट पार्टी प्रमुख सोनिया गांधी को सौंपी है। रिपोर्ट सौंपे जाने के एक दिन बाद कांग्रेस ने यह मांग की है। इस प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस महासचिव जितेंद्र सिंह, पार्टी के नगालैंड प्रभारी अजॉय कुमार और सांसद गौरव गोगोई शामिल थे। कुमार ने यहां संवाददाता

रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है, इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने एक बार फिर बड़े पैमाने पर खुफिया विफलता को प्रदर्शित किया है,लिहाजा यह गृह मंत्रालय की विफलता है। इसके अलावा, गृह मंत्री नगालैंड की स्थिति पर ध्यान देने के बजाय राजस्थान में राजनीतिक सभाओं को संबोधित कर रहे थे। यह पूर्वोत्तर के प्रतिकेंद्र के सौतेले व्यवहार को दर्शाता है।

सम्मेलन आयोजित कर गांधी को सौंपी गई रिपोर्ट के निष्कर्षों और विषयवस्तु के बारे में जानकारी साझा की। नगालैंड के मोन जिले में 4-5 दिसंबर को सुरक्षा बलों ने गलती से आम नागरिकों पर गोलियां चला दी थीं, जिसमें 14 लोगों की मौत हो गई थी और 11 लोग घायल हो गए थे। इसके बाद हुए दंगे में एक सैनिक की मौत हुई थी। गृह मंत्री अमित शाह ने नगालैंड गोलीबारी घटना पर दुख जताते हुए संसद में कहा था कि विशेष जांच दलएक महीने में मामले की जांच पूरी करेगा और सभी एजेंसियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उग्रवादियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए इस प्रकार की कोताही नहीं होनी चाहिये। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने अपनी रिपोर्ट में शाह का इस्तीफा मांगते हुए आरोप लगाया कि पूर्वोत्तर मेंभाजपा की नाकाम नीतियों के चलते नगालैंड की घटना हुई। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है, इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने एक बार फिर बड़े पैमाने पर खुफिया विफलता को प्रदर्शित किया है,लिहाजा यह गृह मंत्रालय की विफलता है। इसके अलावा, गृह मंत्री नगालैंड की स्थिति पर ध्यान देने के बजाय राजस्थान में राजनीतिक सभाओं को संबोधित कर रहे थे। कुमार ने शाह पर झूठे बयान देने और लोकसभा में झूठ बोलने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि शाह के बयान जमीन पर मौजूद जानकारी के विपरीत और पूरी तरह से झूठे थे। कुमार ने कहा कि लोगों पर बिना चेतावनी गोली चलाई गई। उन्होंने यह भी मांग की कि हिंसा के पीड़ितों को केंद्र सरकार द्वारा मृतकों के परिवारों को एक एक करोड़ रुपये का मुआवजा और सरकारी नौकरी दी जाए। उन्होंने कहा कि घायलों को कम से कम 10 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाना चाहिये। पार्टी ने अपनी रिपोर्ट में गुवाहाटी उच्च न्यायालय के एक मौजूदा न्यायाधीश द्वारा मामले की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की।

मप्र की बेटी मुस्कान साइकिल पर सवार होकर निकली परिक्रमा करने नर्मदा परिक्रमा पर

अंसार खान

साईकिल से निकलीं मुस्कान का कल रात बरेली पहुंचने पर हुआ जगह जगह हुआ जोरदार स्वागत। सवाल पूछे जाने पर की आप यात्रा क्यों कर करहिं हैं तो मुस्कान ने बताया की में एक सैकिलस्ट हूँ, एक बार राष्ट्रीय बाल सैकिलस्ट प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीत चुकी हूँ। मैं देश और समाज के लिए बहुत कुछ करना चाहती हूं, महिला शक्तिकरण जल जंगल जमीन के लिए कार्य करना चाहती हूं इसलिए मेने आस्था के प्रतीक माँ नर्मदा नदी की परिक्रमा करने का करने का मेरा उद्देश्य धार्मिक के साँथ जन जन एवं शासन प्रशासन को जागरूक करना है। मां नर्मदा पर 6-7 बांध बनने से भरूच जन्हा सागर में नर्मदा मिलती हैं बहाब कम होने से सागर का खारा जल नर्मदा में 70-80 की मी अन्दर तक आगया है आस पास की जमीन से भूजल खारा हो गया है। अभी में जबलपुर से मण्डला की ओर जा रही हूँ मै लोगो से अलील करती हूं कि वे माँ नर्मदा को साफ स्वच्छ रखें प्रदूषण कम करें नर्मदा तट पर पेड़ लगाने होंगे जिससे प्राकृतिक भूमि जल संरक्षण हों साथ भारत मे बेटियों की संख्या कम होती जा रही लिंग अनुपात में बहुत बड़ा फर्क होता जा रहा है इससे समाज के ताने बाने पर विपरीत असर हो रहा है । इस लिए हमे प्रकृति और संस्क्रति की रक्षा करनी होगी।

दिव्यांग बेटी कविता ने तीन रजत पदक प्राप्त कर खेलों में लहराया परचम: विजय गुडियानी

दयावान

कोसलीः हरियाणा प्रदेश के खिलाडियों ने राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहराया तथा अहीरवाल की बेटी बैरमपुर निवासी कविता ने शॉट पुट डिस्कस एवं जैवलिन थ्रो में तीन रजत पदक प्राप्त करके प्रदेश का नाम रोशन किया। उक्त कथन वार्ड न.3 से समाजसेवी विजय गुडियानी ने व्यक्त किए। वे रविवार को गाँव गुडियानी में पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2021 में तीन रजत पदक जीतने वाली दिव्यांग बेटी कविता को सम्मानित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज दिव्यांग हर क्षेत्र में आगे निकलकर अपनी प्रतिभा का विश्व में परचम लहरा रहे हैं। युवा नेता विजय ने कहा कि गाँवो में प्रतिभाएं छुपी हुई होती हैं, उनको निखारने के लिए ग्राम स्तर पर खेल-कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन करना जरुरी है, तभी चमकते हुए खिलाडी उभर कर सामने आ सकते हैं। समाज सेवी ने कहा कि बेटी कविता ने दिव्यांगता को मात देकर खेलों में परचम लहराया तथा यह सिद्ध कर दिया है कि बेटियां बेटों से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं है। इसलिए बेटियों को शिक्षित करना जरुरी है तथा खेलों में भी बेटियों को बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए। आज बेटियां हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर रही है तथा विश्व में भारत का डंका बजा रही हैं। युवा समाजसेवी विजय गुड़ियानी ने कहा कि बहन कविता ने दिव्यांग होते हुए भी खेलों में संघर्ष जारी रखा तथा अपनी मेहनत के बल पर तीन बार रजत पदक प्राप्त किया, इसलिए यह बेटी सभी दिव्यांगो के लिए प्रेरणा स्रोत बनी। उधर दूसरी तरफ गाँव गुडियानी में दिव्यांग बेटी का फूलमालाएँ पहनाकर जोरदार स्वागत किया।

गुपकार गठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ सकती है नेशनल कॉन्फ्रेंस,अब्दुल्ला ने दिया संकेत

गुपकर घोषणापत्र गठबंधन में नेशनल कॉन्फ्रेंस के अलावा पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी), माकपा, अवामी नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीपुल्स मूवमेंट शामिल हैं। पीएजीडी पूर्ववर्ती राज्य जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा बहाल करने की मांग करता है, जिसे अगस्त 2019 में समाप्त कर दिया गया था।

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने संकेत दिया है कि उनकी पार्टी सांप्रदायिक शक्तियों को हराने के लिये जम्मू-कश्मीर का अगला विधानसभा चुनाव गुपकर घोषणापत्र गठबंधन (पीएजीडी) में शामिल दलों के साथ मिलकर लड़ सकती है। अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के पांच प्रमुख राजनीतिक दलों के गठबंधन पीएजीडी के अध्यक्ष हैं। इस गठबंधन में नेशनल कॉन्फ्रेंस के अलावा पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी), माकपा, अवामी नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीपुल्स मूवमेंट शामिल हैं। पीएजीडी पूर्ववर्ती राज्य जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा बहाल करने की मांग करता है, जिसे अगस्त 2019 में समाप्त कर दिया गया था। अब्दुल्ला ने कश्मीर में हालात पर बात करते हुए दावा किया कि स्थिति 90 के

दशक से भी अधिक बदतर है, जब जम्मू कश्मीर में आतंकवाद ने सिर उठाना शुरू किया था। अब्दुल्ला ने इसका कारण बताते हुए कहा कि युवाओं को लगता है कि आधुनिक भारत में उनके लिये कोई स्थान नहीं है और वे दिल्ली में बैठी सरकार पर विश्वास खो चुके हैं। हाल में यहां पीटीआई- को दिये साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा, ...मुझे यकीन है कि जब चुनाव आएंगे, तो हम विभाजनकारी तथा सांप्रदायिक शक्तियों को पराजित करने के लिये एक बार फिर साथ आएंगे। उन्होंने कहा कि आज हर मुसलमान, चाहे वह कश्मीर का हो या शेष भारत का, उसे बार-बार साबित करना पड़ता है कि वह एक राष्ट्रवादी है, जबकि उसके समुदाय के लोगों ने देश के लिये अपना खून दिया है। अब्दुल्ला ने कहा, मुझे लगता है कि यह त्रासदी है कि हर मुसलमान को, चाहे वह कश्मीर का हो या शेष भारत का, उसे बार-बार यह साबित करना पड़ता है कि वह एक राष्ट्रवादी है,वह एक भारतीय है। क्यों?दूसरों के साथ ऐसा क्यों नहीं है? वे हिंदुओं से क्यों नहीं पूछते, क्या आप भारतीय हैं? केवल मुसलमान ही क्यों, जिन्होंने इस देश के लिए खून दिया है और लगातार इस देश के लिए खून दे रहे हैं, हर जगह इस देश की रक्षा कर रहे हैं।

नस्ली समानता के लिए संघर्ष करने वाले डेसमंड टूटू का निधन

एजेंसी

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका में नस्ली न्याय और एलजीबीटी अधिकारों के संघर्ष के लिए नोबेल शांति पुरस्कार जीतने वाले सक्रिय कार्यकर्ता एवं केप टाउन के सेवानिवृत्त एंग्लिकन आर्चबिशप डेसमंड टूटू का निधन हो गया है। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने रविवार को यह जानकारी दी। टूटू 90 वर्ष के थे। रंगभेद के कट्टर विरोधी, काले लोगों के दमन वाले दक्षिण अफ्रीका के क्रूर शासन के खात्मे के लिए टूटू ने अहिंसक रूप से अथक प्रयास किए। उत्साही और मुखर पादरी ने जोहानिसबर्ग के पहले काले बिशप और बाद में केप टाउन के आर्चबिशप के रूप में अपने उपदेश-मंच का इस्तेमाल किया और साथ ही घर तथा विश्व स्तर पर नस्ली असमानता के खिलाफ जनता की राय को मजबूत करने के लिए लगातार सार्वजनिक प्रदर्शन किया।

कुंडलपुर के पंचकल्याणक गजरथ महोत्सव के लिए सुनिश्चित होंगी आवश्यक व्यवस्थाएं

एनसीआर समाचार

आचार्य जी की भावनाओं का पूरा सम्मान करते हुए राज्य सरकार जरूरी प्रबंध करेगी। आयोजन समिति के साथ ही सभी संबंधित विभाग महोत्सव के लिए सुरक्षा, विद्युत, पेयजल, यातायात और अन्य सुविधाएँ विकसित करने में सहयोग करेंगे।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आचार्य विद्यासागर जी की प्रेरणा और पहल से हो रहे पंचकल्याणक गजरथ महोत्सव के लिए आवश्यक अधो-संरचनात्मक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित किया जाएगा। आचार्य जी की भावनाओं का पूरा सम्मान करते हुए राज्य सरकार जरूरी प्रबंध करेगी। आयोजन समिति के साथ ही सभी संबंधित विभाग महोत्सव के लिए सुरक्षा, विद्युत, पेयजल, यातायात और अन्य सुविधाएँ विकसित करने में सहयोग करेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान गुरुवार को मंत्रालय में गजरथ महोत्सव और महामस्तकाभिषेक 2022 के संबंध में चर्चा करने आए कुंडलपुर सिद्ध क्षेत्र समिति के प्रतिनिधि-मंडल को संबोधित कर रहे थे। केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री प्रहलाद पटेल भी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से चर्चा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि महोत्सव में देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बेहतर रेल परिवहन व्यवस्था के लिए केन्द्र सरकार से भी अनुरोध किया जाएगा। महा महोत्सव आगामी फरवरी और मार्च माह में 40 दिवस आयोजित करने की रूपरेखा बनाई गई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आयोजन से संबंधित आवश्यक कार्यों के लिए विभिन्न विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय श्री एम. सेलवेन्द्रन और उप सचिव डॉ. मनीष कुमार को आवश्यक समन्वय के लिए अधिकृत भी किया। कुंडलपुर में श्री बड़े बाबा के मंदिर में लगभग 5वीं-6वीं सदी की बड़े बाबा की करीब 15 फीट ऊँची पद्मासन प्रतिमा है। यहाँ विश्व के सबसे ऊँचे जैन मंदिर के निर्माण के लिए कार्य प्रगति पर है। मुख्यमंत्री श्री चौहान को कुंडलपुर क्षेत्र के विकास से संबंधित विभिन्न सुझाव भी केन्द्रीय मंत्री श्री पटेल एवं प्रतिनिधि-मंडल के सदस्यों ने दिए। अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री मलय श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव लोक निर्माण श्री नीरज मंडलोई, प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री मनीष सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री एम. सेलवेन्द्रन और उप सचिव डॉ. मनीष कुमार उपस्थित थे। कुंडलपुर बुंदेलखंड अंचल, सागर संभाग या सिर्फ मध्यप्रदेश का ही प्रमुख प्राकृतिक सुंदरता से परिपूर्ण मनोरम स्थल नहीं, बल्कि देश-विदेश के प्रमुख जैन तीर्थों में शामिल है। दमोह जिला मुख्यालय से इसकी दूरी लगभग 35 किलोमीटर है। करीब 189 फीट ऊँचे शिखर वाले मंदिर परिसर के लिए विभिन्न स्थानों के पत्थर उपयोग में लाए गए हैं। इनमें राजस्थान और गुजरात के लाल एवं पीले पत्थर का इस्तेमाल किया जा रहा है।

युवा उत्सव की तैयारियां प्रारम्भ: अलग अलग कालेज 22 विधाओं में देंगे प्रस्तुति

एनसीआर समाचार

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या महाविद्यालय में युवा उत्सव 2020-21 की तैयारियों के सम्बंध में बैठक सम्पन्न हुई बैठक में युवा उत्सव में होने वाली 22 विधाओं को जिले के विभिन्न कालेज के वितरण के लिए इस जिला स्तरीय बैठक में निर्णय लिया गया।

गुरुवार को सम्पन्न हुई बैठक की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य श्री मुकेश दीक्षित ने की। बैठक में छात्र कल्याण अधिष्ठाता बरकतउल्ला विश्वविद्यालय श्री पवन मिश्रा, सरोजनी नायडू महाविद्यालय नवीन महाविद्यालय बेनजीर महाविद्यालय हमीदिया महाविद्यालय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय एमएलबी महाविद्यालय जैसे शासकीय महाविद्यालयों के साथ लगभग 30 प्राइवेट महाविद्यालय ने सैम टूबा एलएनसीटी मित्तल ओरिएंटल ने बैठक में भाग लिया।

मास्टर प्लान के विरोध में कोटपुतली व्यापारियों द्वारा बाजार पूर्ण रूप से बंद सफल रहा

मास्टर प्लान लागू करने की कवायद

व्यापारियों को नगर पालिका प्रशासन ने दीया 24 घंटे का अल्टीमेटम
अल्टीमेटम को देखते हुए कुछ व्यापारियों द्वारा अतिक्रमण हटाने का काम शुरू किया।

प्रमोद कुमार बंसल

एक तरफ व्यापारियों का गुस्सा फूटा रेड क्रॉस अंकित करने पर व्यापारी लामबंद, धरना शुरू, दूसरी तरफ कब्जे हटाने के लिए पालिका प्रशासन ने मांगा जाब्ता शहर में मास्टर प्लान लागू करने के चलते पालिका प्रशासन ने बुधवार मुख्य चौराहे से पालिका तिराहे तक व गुरुवार को भी मुख्य सरदार से सनी मंदिर तक मार्गों पर, टीम घोषित कर अतिक्रमण बताते हुए किए 60 फुट रोड पर लाल चिन्हित किए।

पालिका प्रशासन ने 50 महिला सिपाहियों का मांगा जाप्ता

पालिका प्रशासन ने एसडीएम व एसपी को अलग-अलग पत्र देकर कानून व्यवस्था बनाने को लेकर 50 महिला कांस्टेबलों सहित डेढ़ सौ पुलिसकर्मियों का जाब्ता मांगा पालिका प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की कवायद को लेकर अलग-अलग टीमें बनाई है उधर एसडीएम डॉ टी शुभमंगला में तहसीलदार सूर्यकांत शर्मा को मौका मजिस्ट्रेट नियुक्त कर दिया पुलिस एवं पालिका प्रशासन से समन्वय स्थापित कर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए निर्देश किया है इधर पालिका ईओ फतेह सिंह मीणा ने बताया यह मास्टर प्लान में हाई कोर्ट में दिए गए निर्देशों की पालना में मुख्य चौराहे से 80 फीट वह सरदार स्कूल से शनि मंदिर तक 60 फुट चौड़ी की जानी है इसको लेकर गुरुवार को शहर में अनाउंस करवा दिया गया है, साथ ही इस एरिया से संबंधित को स्थाई व अस्थाई निर्माण तुरंत हटाने को कहा है ऐसा नहीं होने पर पालिका स्थाई व अस्थाई निर्माण को ध्वस्त करने की कार्रवाई करेगी विभिन्न पार्षदों ने पालिका चेयरमैन को पत्र देकर शहर में मची अफरा-तफरी के माहौल को लेकर आपातकालीन बैठक बुलाने की मांग की एक तरफ शहर के व्यापारी धरने पर है।

वहीं दूसरी साइड पालिका के समर्थन में आए ठेला व्यवसायि कस्बे के मुख्य चौराहे पर गुरुवार शाम को बड़ी संख्या में (स्थानीय नागरिक व व्यापारियों के खिलाफ) थेड़ी व रेडी ठेला चालकों ने पालिका की कार्रवाई को लेकर हर्ष व्यक्त करते हुए अपना समर्थन दिया साथ ही आतिशबाजी करते हुए क्षेत्र के विधायक व गृह राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह यादव पालिका अध्यक्ष पुष्पा सैनी व पालिका ईओ फतेह सिंह मीणा के समर्थन में जमकर नारेबाजी की और बोला तुम प्रयास करते रहो हम तुम्हारे साथ हैं।

संक्षिप्त समाचार

स्वास्थ्य विभाग और नगर परिषद की टीमों ने नगर के प्रत्येक क्षेत्र में फोन लगा कर नागरिकों को टीकाकरण कैंप की जानकारी दी

नूर मोहम्मद शेख

एसडीएम शोभाराम सोलंकी और तहसीलदार राधा महंत के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग और नगर परिषद के कर्मचारी अधिकारीयो ने नगर वासियों से लिस्ट के माध्यम से सतत फोन पर संपर्क कर जागरूकता अभियान चलाया तथा लोगों को जागरुक कर टीके लगाए यह कार्यक्रम वार्ड क्रमांक 8 में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पर संपन्न हुआ। नगर बागली के रहवासियों ने भी चल रहे टीकाकरण अभियान में सहयोग कर टिका लगवाया, स्वास्थ्य विभाग और नगर परिषद की टीम के साथ नगर परिषद के मुरली राठौर विपीन ऊर्फ सोनू शर्मा, गोविंद राठौड़, आंगनवाड़ी आशा कार्यकर्ताओं ने नगर में छुटे हुए हितग्राहियों से फोन पर संपर्क कर टीका लगवाने के लिए प्रेरित किया, वीरेंद्र गुर्जर, राजा अजमेरा लायक अली, आंगनवाड़ी ,आशा कार्यकर्ता रेखा कारपेंटर सहित आदि कर्मचारियों के सहयोग से टीकाकरण कार्यक्रम सुचारु रुप से चलाया गया। नये कोरोना वेरिएंट ओमिक्रोन की दस्तक हमें सतर्क होने की चेतावनी दे रही हे ! हम सबको लापरवाही छोड़ सैनिटाइजर और मास्क उपयोग के प्रति सजग हो जाना चाहिए।

सुशासन दिवस: संभागायुक्त कार्यालय में अधिकारियों कर्मचारियों ने ली शपथ

सुशासन दिवस 24 दिसम्बर को संभागायुक्त कार्यालय भोपाल के सभाकक्ष में मनाया गया।सुशासन दिवस पर संभागायुक्त कार्यालय परिसर स्थित सभी कार्यालयों के अधिकारी-कर्मचारी ने सुशासन की शपथ ली। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा स्थापित सुशासन के उच्चतम मानदंडों के महत्व को प्रतिपादित करते हुए उनके जन्म दिवस 25 दिसम्बर के एक दिन पूर्व 24 दिसम्बर को सुशासन दिवस के रूप में मनाए जाने का निर्णय लिया गया है।

नाईट कर्फ्यू लगाने को लेकर योगी सरकार ने दिए आदेश

लखनऊ। कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए उत्तर प्रदेश में भी नाईट कर्फ्यू लगाने का निर्देश दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को इसको लेकर निर्देश जारी किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 25 दिसम्बर की रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक नाइट कर्फ्यू रहेगा। बता दें कि देश में इन दिनों ओमिक्रॉन वैरिएंट के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसके चलते कई राज्यों ने पाबंदियां बढ़ानी शुरू कर दी हैं। इसी क्रम में यूपी में नाईट कर्फ्यू लगाने का ऐलान किया गया है। सीएम योगी ने निर्देश दिया है कि किसी भा आयोजन में 200 से अधिक लोग शामिल नहीं हो सकेंगे।

कोटपूतली नगर पालिका की कार्रवाई के विरोध में जन याचिका पर सुनवाई

हाई कोर्ट जस्टिस उमाशंकर व्यास की एकल पीठ ने दिया आदेश जिससे कोटपूतली व्यापारियों ने थोड़ी राहत महसूस की वह जस्टिस उमाशंकर व्यास व वकील साहब को धन्यवाद दिया धरने पर बैठे रामस्वरूप जी कसाना, मुकेश जी गोयल, सुरेश जी मो मोठुका, रमेश जी जिंदल ,कैलाश जी सैनी, पूर्व चेयरमैन महेंद्र जी सैनी, प्रमोद गुरु जी, गौशाला अध्यक्ष प्रहलाद चंद्र बंसल और भी बहुत से व्यापारी वर्ग मौजूद थे और सभी व्यापारी वर्ग ने उन लोगों को धन्यवाद दिया जो संकट के समय में उनके साथ खड़े रहे जैसे पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना, बीजेपी प्रभारी मुकेश जी गोयल,पूर्व चेयरमैन महेंद्र जी सैनी, प्रकाश जी सैनी जो कि यह भी चेयरमैन पद पर रह चुके हैं और लगभग 22 -23 पार्षद ने पूरा सहयोग किया।

पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र सिंह भंडारी ने कार्यकर्ताओ की बैठक ली

कुंवर सिंह भंडारी

जिला पंचायत सभागार गोपेश्वर में ब्लाक दशोली/नगर गोपेश्वर व पीपलकोटी के बूथ के कार्यकर्त्ताओं की बैठक ली। बैठक में सभी कार्यकर्ताओं को अपने अपने बूथों पर पूरी टीम भावना से कार्य करने के लिए निर्देश दिए गए तथा चुनावी जीतने के लिए टिप्स दिए गए। इस अवसर पर ब्लाक अध्यक्ष आनंद सिंह पंवार,नगर अध्यक्ष गोपेश्वर, नगर अध्यक्ष पीपलकोटी, पीसीसी सदस्य अरविंद नेगी जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री भरत सिंह रावत जी एवं पूर्व प्रमुख एडवोकेट श्रीमती रैजा चौधरी जी ने भी बूथ अध्यक्षों एवं कार्यकर्ताओं से विचार विमर्श तथा संबोधित किया।

विस चुनाव पर लग सकती है रोक, हाईकोर्ट ने पीएम और चुनाव आयोग से की अपील

अजीम खान

इलाहाबाद। ओमिक्रॉन वैरिएंट के बढ़ते खतरे को देखते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी चिंता जताई है। हाईकोर्ट ने आगामी यूपी विधानसभा चुनावों को लेकर भी एक बड़ी अपील की है। हाईकोर्ट ने प्रधानमंत्री और चुनाव आयुक्त से चुनावों को टालने पर विचार करने को कहा है। हाईकोर्ट ने कहा कि प्रधानमंत्री इस पर विचार करें क्योंकि जान है तो जहान है। साथ ही कोर्ट ने तीसरी लहर से जनता को बचाने के लिए राजनीति पार्टियों द्वारा भीड़ एकत्रित कर चुनावी रैलियों पर रोक लगाने की भी अपील की। कोर्ट ने कहा है कि राजनीतिक पार्टियां चुनाव प्रचार टीवी व समाचार पत्रों के माध्यम से करें। यह बात जस्टिस शेखर कुमार यादव ने उत्तर गिरोहबंद कानून के तहत जेल में बंद आरोपी संजय यादव की जमानत मंजूर करते हुए कही। संजय यादव के खिलाफ प्रयागराज के कैंट थाने में मुकदमा दर्ज है। हाईकोर्ट ने जमानत अर्जी मंजूर करते हुए कहा कि आज इस न्यायालय के समक्ष लगभग चार सौ मुकदमें सूचीबद्ध हैं। इसी प्रकार से नित्य मुकदमें इस न्यायालय के समक्ष सूचीबद्ध होते हैं, जिसके कारण अधिक संख्या में अधिवक्तागण उपस्थित होते हैं तथा उनके बीच किसी भी प्रकार की सोशल डिस्टेंस नहीं होती है। अधिवक्ता आपस में सटकर खडे.होते हैं जबकि कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के मरीज बढ़ते जा रहे हैं और तीसरी लहर आने की सम्भावना है। हाईकोर्ट ने कहा कि दैनिक समाचार पत्र के अनुसार 24 घंटे में छह हजार नए मामले मिले हैं एवं 318 लोगों की मौतें हुई है। यह समस्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। इस भयावह महामारी को देखते हुए चीन, नीदरलैण्ड, आयरलैण्ड, जर्मनी, स्कॉटलैंड जैसे देशों ने पूर्ण या आंशिक लॉकडाउन लगा दिया है। ऐसी दशा में महानिबन्धक, उच्च न्यायालय इलाहाबाद से आग्रह है कि वह इस विकट स्थिति से निपटने के लिए नियम बनाएं। साथ ही दैनिक समाचार पत्रों एवं टीवी चैनलों में ऐसी भयावह स्थिति दिखाई जा रही है। पिछली लहर में हमने देखा है कि लाखों की संख्या में लोग कोरोना संक्रमित हुए है और लोगों की मृत्यु हुई है। ग्राम पंचायत के चुनाव एवं बंगाल विधानसभा के चुनाव ने लोगों को काफी संक्रमित किया जिससे लोग मौत के मुंह में गए।

चुनावी रैलियों को रोकें

प्रदेश में विधानसभा चुनाव निकट है, जिसके लिए सभी पार्टियां रैली, सभाएं आदि करके लाखों की भीड़ जुटा रही हैं।

सीएम ने प्रदेश में बढ़ते कोरोना के मामलों पर चिंता जताई

सैयद फ़राज़ अली

शिवराज ने आज शाम प्रदेशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले दो दौर को हम लोग भूले नहीं हैं । मौजूदा हालातों को देखते हुए राज्य में रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक फिर से कर्फ्यू लगाया जा रहा है सीएम ने कहा कि हमें तीसरी लहर को रोकना है तो गाइड लाइन का पालन करना होगा । महाराष्ट्र , गुजरात और दिल्ली में कोरोना के केस बढ़े हैं । कोरोना का नया स्वरूप ओमिक्रॉन के रूप में हमारे सामने आया है । हमें मास्क , शारीरिक दूरी और वैक्सीनेशन के माध्यम से ही इसका सामना करना होगा और खुद को सुरक्षा कवच देना होगा । उन्होंने कहा कि लोग मौजूदा हालातों को समझें और खुद का बचाव करें । उन्होंने कहा कि काफी समय बाद मप्र में कोविड के 30 नए प्रकरण मिले हैं । इससे पहले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि वैक्सीन का द्वितीय डोज लगाने में गति लाई जाये । कोई भी पात्र व्यक्ति कोरोना वैक्सीन के द्वितीय डोज से नहीं छूटे । मुख्यमंत्री ने आज मंत्रालय में कोरोना संक्रमण नियंत्रण एवं टीकाकरण की समीक्षा बैठक को संबोधित भी किया ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन जिलों में कोरोना का वैक्सीनेशन कम हुआ है , वहां के प्रभारी अधिकारी इस पर विशेष ध्यान देकर कार्य करना सुनिश्चित करें । टीकाकरण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता का कार्य है । एक - एक व्यक्ति को ढूँढकर टीका लगायें । अभियान लगातार चलता रहे । इस कार्य में कोई कोताही नहीं बरतें । मुख्यमंत्री ने कहा है कि पहले चरण में रोकने टोकने का अभियान शुरू करें । मास्क नहीं लगाने वालों को मास्क लगाने के लिए प्रेरित करें ।

स्वामी विवेकानंद शिला स्मारक भारत की भावनात्मक एकता का प्रकाश स्तम्भ : राज्यपाल मंगुभाई पटेल

एनसीआर समाचार

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि कन्याकुमारी विवेकानंद शिला स्मारक भारतीयों की स्वामी विवेकानंद जी के प्रति श्रद्धा और परम्परागत भावनात्मक एकता का प्रकाश स्तम्भ है। उन्होंने युवाओं से कहा है कि हमारी समावेशी संस्कृति की अनेकता में एकता की राष्ट्रीय संस्कृति को मजबूती प्रदान करें। देश, समाज और भविष्य के बारे में सकारात्मक चिंतन और रचनात्मक वैश्विक नज़रिए को सुदृढ़ करने में सहयोग करें। राज्यपाल श्री पटेल गुरुवार को रवींद्र भवन में विवेकानंद केंद्र द्वारा आयोजित एक भारत विजयी भारत समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी का व्यक्तित्व देशभक्ति और भारतीय मूल्यों का प्रतीक है। वह वेदांत के विख्यात और आध्यात्मिक गुरु थे। उनका एक-एक शब्द हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का आभास कराता है। राज्यपाल श्री पटेल ने युवाओं का आव्हान किया कि स्वामी विवेकानंद से प्रेरणा लेते हुए, हमारे देश की समृद्ध विरासत, संस्कृति, रीति-रिवाजों और परंपराओं में रची-बसी विविधता में एकता के बारे में लोगों को बताएँ। समन्वयकारी भारतीय संस्कृति की महत्ता, अतीत के गौरव से जन-मानस को परिचित कराकर राष्ट्र बोध की भावना और अधिक मजबूत और जागृत बनाएँ। समरस समाज निर्माण का वातावरण बनाएँ। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा है कि मान. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को युवाओं से बहुत आशाएँ और अपेक्षाएँ हैं। उन्होंने युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में आगे ले जाने के लिए न्यू इंडिया के निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी के नए अवसर खोले हैं। उन्होंने केंद्र की गतिविधियों से उनके जुड़ाव का भी जिक्र किया। पर्यटन, संस्कृति अध्यात्म मंत्री सुश्री उषा सिंह ठाकुर ने पालकों से देश के वीर-वीरांगनाओं के त्याग और बलिदान से भावी पीढ़ी को प्रेरित कराने की अपील करते हुए उनके चित्र घरों में लगाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि विवेकानंद शिलालेख स्मारक की स्थापना के 50 वर्ष भारतीय संस्कृति की विशिष्टताओं से भावी पीढ़ी को परिचित कराने का अवसर है। राज्यपाल श्री पटेल ने भारत भूमि को अर्पण, तर्पण, सर्वस्व की भूमि बताया और कहा कि भारत भूमि जैसी दुनिया में दूसरा स्थान नहीं है। विवेकानंद शिला स्मारक स्थापना के प्रसंग और राम कृष्ण मिशन की शाला में अपनी स्कूली शिक्षा का उल्लेख करते हुए आजादी के लिए कुर्बानियाँ देने वालों का स्मरण किया।

कोविड -19 की रोकथाम के लिए जिला मजिस्ट्रेट द्वारा भोपाल जिले के लिए नवीन दिशा निर्देश जारी

एनसीआर समाचार

सीमावर्ती राज्यों में कोविड -19 के ओमिक्रान वेरिएंट के पॉजिटिव केसेज तथा एक्टिव केसेज की संख्या में बढ़ोत्तरी तथा तीसरी लहर की आशंका के दृष्टिगत मध्यप्रदेश शासन, गृह विभाग, मंत्रालय, भोपाल के निर्देशानुसार जिला दंडाधिकारी श्री अविनाश लवानिया ने दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए संपूर्ण भोपाल जिले की राजस्व सीमाओं में आगामी आदेश तक नए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। जारी आदेशानुसार जिले में रात्रि 11.00 बजे से प्रातः 5.00 बजे तक नाईट कर्फ्यू रहेगा।

समस्त उद्योगों एवं औद्योगिक मजदूरो, उद्योग हेतु कच्चा, तैयार माल, उद्योग के अधिकारियो, कर्मचारियों को प्रतिबंध से छूट रहेगी। समस्त केमिस्ट, अस्पताल, नर्सिंग होम, मेडिकल इन्श्योरेंस कम्पनीज, अन्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवाएं एवं अत्यावश्यक सेवाओं के लिए आवागमन में प्रतिबंध से छूट रहेगी। समस्त सिनेमाहॉल, मल्टीप्लेक्स , थियेटर, जिम, कोचिंग क्लासेस, स्वीमिंग पूल, क्लब , स्टेडियम में 18 वर्ष से कम आयु के दर्शकों को एंट्री के लिए दो डोज टीकाकरण का बंधन नहीं हैं परन्तु 18 वर्ष से अधिक आयु के केवल उन लोगों को ही प्रवेश की अनुमति रहेगी जिन्होने कोविड -19 के दोनो टीके लगवाएं है। समस्त सिनेमाहॉल, मल्टीप्लेक्स, थियेटर, जिम, कोचिंग क्लासेस, स्वीमिंग पूल स्टाफ को दोनो टीके लगवाना आवश्यक होगा। जिला दंडाधिकारी द्वारा जारी आदेशानुसार जिले के समस्त शासकीय सेवको से अपेक्षा है कि वह कोविड -19 की दोनो डोज लें। समस्त विभागाध्यक्ष, कार्यालय प्रमुख ऐसे शासकीय सेवकों के नाम सूचीबद्ध करेंगे जिसके द्वारा दोनों टीके नहीं लगाये हैं तथा उन्हें दोनो टीके लगवाना सुनिश्चित करेंगे। समस्त स्कूलों, कॉलेजों, होस्टलों में कार्यरत प्राचार्य शिक्षक संचालक, स्टाफ तथा अध्ययनरत 18 वर्ष से अधिक आयु के छात्र - छात्राओं से अपेक्षा है कि वे कोविड –19 के टीके की दोनो डोज लें ऐसे स्टाफ, कर्मियों, छात्र - छात्राओं जिनके द्वारा दोनो टीके नहीं लगाए गए हैं उन्हें दोनो टीके लगवाना प्राचार्य या संचालक सुनिश्चित करें। समस्त मार्केट प्लेस एवं मॉल के दुकानदारों तथा मेलों में दुकान लगाने वाले दुकानदारों से अपेक्षा की गई है कि वे कोविड -19 टीके की दोनो डोज लें। जिन दुकानदारों द्वारा दोनों टीके नहीं लगाए गये हैं उन्हें दोनो टीके लगवाना मार्केट एसोसियेशन, मॉल प्रबंधन, मेला आयोजक सुनिश्चित करें। समस्त कार्यपालक दण्डाधिकारी मार्केट में भ्रमण कर सुनिश्चित करेंगे कि समस्त दुकानदार, दुकानों पर कार्य करने वाले कर्मचारियों द्वारा टीके के दोनो डोज लिये गये हों। जिन दुकानदारों, दुकानों पर कार्य करने वाले कर्मचारियों एवं दुकानों पर आने वाले ग्राहकों द्वारा दोनो डोज टीके नहीं लगवाये गये हैं।

पिछड़ा वर्ग मोर्चा द्वारा कांग्रेस पार्टी द्वारा पिछड़ा वर्ग के आरक्षण की मांग

सैयद फ़राज़ अली

प्रक्रियाओं में उलझा कर रोक लगाने की राजनीति करने के बिरोध में कांग्रेस नेता एवं पूर्व मंत्री कमलनाथ, दिग्विजय सिंह एवं विवेक तंखा के पुतले जलाए गए. उक्त कार्यक्रम में किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री दर्शन सिंह चौधरी पूर्व विधायक उदयपुरा श्री राम किशन पटेल पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला रायसेन के अध्यक्ष विनोद कुमार साहू, भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री रेवा सिंह, श्री अभिषेक राजपूत, श्री शंकर सिंह माता बाले, श्री जोधाराम श्री घनश्याम सिंह रघुवंशी, श्री बिट्टल भूतड़ा, श्री मकरंद सिंह जनपद अध्यक्ष, श्री योगेन्द्र पटेल, श्री राहुल पटेल, व्योम चौधरी , श्री भगवत दयाल शर्मा , श्री नौरत सिंह धाकड़, अभिषेक रघुवंशी, पिछड़ा वर्ग मोर्चा के मंडल अध्यक्ष श्री संतोष विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष श्री राजेश साहू किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष ने कार्यक्रम में अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराई।

मालवीय जी के आदर्शों की घोर निंदा करती बिसौली की एसडीएम ज्योति शर्मा

एनसीआर समाचार

बिसौली (बदायूं)। महामना मदन मोहन मालवीय जिनके आदर्शों पर हर पीढ़ी अग्रसर है। जिनके नेक इरादों और उनके व्यवहार कि आज भी चर्चाएं विख्यात है। पत्रकारिता जगत और समाज सुधार का काम करने वाले मालवीय जी के नेक इरादों पर चलना लोगों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। और लोग इनके नेक इरादों पर चलकर समाज सुधार का काम कर भी रहे हैं लेकिन वहीं एक चर्चित नागरिक द्वारा जब बिसौली की एसडीएम महोदया ज्योतिष शर्मा को मालवीय जी के 160 वें जन्मोत्सव समारोह का निमंत्रण दिया गया तो उन्होंने नियंत्रण लेने से इनकार कर दिया। या यह कह सकते हैं कि ब्राह्मण समाज से तालुकात रखने वाली बिसौली की एसडीएम महोदया ज्योति शर्मा मालवीय जी का नाम सुनते ही ज्वाला हो उठी 'ज्योति बनी ज्वाला'। ज्ञात हो मालवीय जी विश्वविद्यालय के प्रणेता तो थे ही इस युग के आदर्श पुरुष भी थे। वे भारत के पहले और अन्तिम व्यक्ति थे जिन्हें महामना की सम्मानजनक उपाधि से विभूषित किया गया। पत्रकारिता, वकालत, समाज सुधार, मातृ भाषा तथा भारतमाता की सेवा में अपना जीवन अर्पण करने वाले इस महामानव ने जिस विश्वविद्यालय की स्थापना की उसमें उनकी परिकल्पना ऐसे विद्यार्थियों को शिक्षित करके देश सेवा के लिये तैयार करने की थी जो देश का मस्तक गौरव से ऊँचा कर सकें। महामना की उपाधि से सम्मानित मालवीय जी देश को इतना कुछ देकर गए ताकि देश का गौरव हमेशा ऊंचा रहे लेकिन वही इतना कुछ कर देने के बाद भी मालवीय जी को वह सम्मान ना मिल सके तो यह सभी के लिए एक शर्म का विषय है जो कि एसडीएम महोदया को भी सोचना चाहिए। देश के हर एक नागरिक को सही दिशा में ले कर जाने वाले ऐसे महान व्यक्ति की अधिकारियों द्वारा निंदा एक शर्म का विषय है।

स्लग-प्रतिबंधित सुखान मछली की कालाबाजारी

अंसार खान

रायसेन। किसी भी तालाब या डेम से सुखान (छोटी) मछली निकालना पूरी तरह प्रतिबंधित है।इसके बावजूद भी रायसेन जिले के सबसे बड़े बारना डेम से इसकी कालाबाजारी नहीं रुक रही है।बारना डेम में मत्स्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की मिलीभगत से सुखान (छोटी) मछली सेंतुरी क्षेत्र से निकाली जा रही है और मत्स्य विभाग आंख बंद करके चल रही इस कालाबाजारी को देख रहा है। यूं तो बरना डैम रायसेन जिले का सबसे बड़ा डैम कहा जाता है और लगभग 4000 हेक्टेयर में फैले इस डैम का मछली निकालने का ठेका कई करोड़ रुपये में जाता है और इस बार भी इस डेम को मुम्बई की हुल्लड़ मुरादावादी फर्म ने लिया है और इस फर्म ने पेटी ठेके पर बारना डेम को बाड़ी तहसील के भाजपा के मंडल अध्यक्ष पंकज श्रीवास्तव उर्फ डब्बू को दे दिया है।इस रसूखदार ठेकेदार द्वारा सुखान (छोटी) मछली सेंचरी क्षेत्र से निकाली जा रही है।आपको बता दे कि सुखान (छोटी) मछली निकालना सरकार ने सख्ती के साथ पूरी तरह प्रतिबंधित किया है इसके बाद भी मत्स्य विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से रायसेन जिले के बारना डैम सेंचरी क्षेत्र में सुखान(छोटी) मछली बेरोक टोक निकाली जा रही है,और इस मछली को निकालने पर पूरी तरह प्रतिबंध है और इसमें डैम का ठेका भी निरस्त हो जाता है। इतनी पाबंदी होने के बावजूद भी जिम्मेदार अधिकारी इस मछली को अपनी आंखों के सामने निकलवा रहे हैं जबकि इसको प्रतिबंध करने का कारण यह है कि अगर इस मछली को निकाला जाएगा तो मछली की प्रजाति ही खत्म हो जाएगी इस कारण इसको पूरे भारत मे प्रतिबंधित किया गया है। लेकिन पंकज श्रीवास्तव उर्फ डब्बू अपने रसूख के दम पर खुलेआम मत्स्य विभाग की आंखों के सामने इस सुखान (छोटी) मछली को निकालकर इसकी कालाबाजारी कर रहा है और लाखों करोड़ों रुपए का मुनाफा कमा रहा है और सरकार के नियमो की धज्जियां उड़ा रहा है। बारना डैम में खुलेआम निकाली जा रही है सुखान (छोटी) मछली पंकज श्रीवास्तव अपने एक अन्य साथी अकील मेवाती के साथ मिलकर इस मछली की कालाबाजारी कर रहा है जब ग्रामीणों ने इसकी शिकायत मीडिया से की तो मीडिया की टीम बारना डेम के आखरी कोने घने जंगल में पहुंची तो देखा कई कुंटल सुखान (छोटी) मछली पड़ी है जिसकी सूचना मीडिया द्वारा मत्स्य विभाग के नीचे से लेकर ऊपर के बड़े अधिकारियों तक को दी गयी बावजूद इसके अधिकारियों ने कोई कार्यबाही करना मुनासिब नही समझा।बहीं दिन दहाड़े इस मछली की कालाबाजारी जारी है बताया जा रहा है कि इसका बाजार मूल्य बहुत अधिक होता है और यह दवाई बनाने के काम में आती है इस कारण ठेकेदारों द्वारा सुखान (छोटी) मछली को निकालने के लिए बिहार या बंगाल से पार्टियां बुलाई जाती है।

पति की गैरमौजूदगी में देवर बना रहा अबैध संबंध बनाने का दबाव

एनसीआर समाचार

बदायूं के थाना कादर चौक के ग्राम बादुल्लागंज की रहने बाली महिला ने अपने देवर पर संगीन आरोप लगाते हुए जेबर छीनने मारपीट और घर से निकाल देने की तहरीर थाने में देकर कार्यवाही की मांग की है।जिसके बाद थाना पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए दबिश दी परंतु आरोपी हत्थे नही चढ़ सका और फरार हो गया । तहरीर के मुताबिक बेहटा डंमर की रहने बाली महिला मैजबीन पत्नी रियाज की शादी सात बर्ष पूर्व बादुल्लागंज के रहने बाले के साथ हुई थी।पीड़िता के दो बेटियां और एक छोटा बेटा है।पीड़िता का पति तीन महीने से दूसरे राज्य में मजदूरी करता है। बताया जाता है कि पति की गैरमौजूदगी में पीड़िता का देवर मेराज़ पुत्र जब्बार उसपे गंदी नजर रखता है साथ ही उसे अबैध संबंध बनाने के लिए मजबूर व दबाब बनाता है।

गलत काम मे साथ न देने पर पीड़िता का देवर उससे मारपीट करता है। बकौल पीड़िता उसके देवर ने उसके जेबर पैसे और मोबाइल छीन लिया तथा अपनी मां दंन्नो पत्नी जब्बार के साथ मिलकर उसे अभद्र गालियां दी साथ मारपीट की और मासूम बच्चों सहित घर से निकाल दिया।आरोपियों ने उसे बापस लौटने पर जान से मारने की धमकी भी दी है।

नेशनल इंटरनेट एक्सचेंज ऑफ इंडिया ने उप्र में लॉन्च किए 7 नए इंटरनेट एक्सचेंज

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। देश के माननीय राज्य मंत्री, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी, कौशल विकास और उद्यमिता, भारत सरकार श्री राजीव चंद्रशेखर के साथ एसपी सिंह बघेल माननीय राज्य मंत्री (कानून और न्याय) और अनिल कुमार जैन सीईओ,NIXI ने उत्तर प्रदेश के कई शहरों में 7 नए इंटरनेट एक्सचेंज नोड्स का उद्घाटन किया। मुख्य कार्यक्रम आगरा में गुरुवार 23 दिसंबर 2021 को सुबह 11 बजे आयोजित किया गया। भारत में NIXI के इन नए इंटरनेट एक्सचेंजों के उद्घाटन से उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में इंटरनेट और ब्रॉडबैंड सेवाओं की गुणवत्ता को बढ़ाने और सुधारने में मदद मिलेगी, साथ ही उनके द्वारा प्रदान किया गया इंटरनेट लोगों के जीवन में बदलाव लाएगा। इंटरनेट एक्सचेंज को प्रयागराज, गोरखपुर, लखनऊ, वाराणसी, मेरठ, कानपुर और आगरा में एक साथ लॉन्च किया गया। इससे पूरे उत्तर प्रदेश में अब 8 इंटरनेट एक्सचेंज हो जाएंगेउत्तर प्रदेश के ₹डिजिटल आत्मनिर्भर₹ होने से लोगों को हाई स्पीड इंटरनेट सेवाएं कम दामों पर मिलेग। साथ ही राज्य में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। निक्सी' निकट भविष्य में टियर-2 और टियर-3 शहरों में भी इस तरह के कई इंटरनेट एक्सचेंज लॉन्च करने की योजना पर काम कर रहा है। लॉन्चिंग कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजीव चंद्रशेखर, ₹माननीय राज्य मंत्री, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी, कौशल विकास और उद्यमिता, भारत सरकार₹ ने कहा,₹ये सिर्फ डबल इंजन की सरकार नहीं, बल्कि डबल डिजिटल इंजन की सरकार भी है, जो देश और प्रदेश के विकास को एक ऐतिहासिक और तेज गति दे रही है।अब दुनिया उत्तर प्रदेश को एक बड़े

वैश्विक हब और निवेश के पसंदीदा स्थल के रूप में देख रही है। उन्होंने कहा कि अब उत्तर प्रदेश पूरे देश में सबसे तेज गति से डिजिटल हब बनने की ओर भी अग्रसर हो रहा है।ये डिजिटल इंडिया की ताकत ही थी कि आज देश 135 करोड़ भारतीयों को वैक्सीनकी डोज देने का आकड़ा पार कर चुका है, जिससे कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ाई में देश को जीत मिली है। निक्सी के सहयोग से आज प्रयागराज, गोरखपुर, लखनऊ, वाराणसी, मेरठ, कानपुर और आगरा में एक साथ 7 इंटरनेट एक्सचेंज लॉन्च हो रहे हैं। श्री सत्य पाल सिंह बघेल, माननीय राज्य मंत्री, कानून और न्याय, भारत सरकार ने मुख्य अतिथि से आग्रह करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश देश में सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य है। ऐसे में उत्तर प्रदेश जितना मजबूत होगा, देश उतना ही मजबूत होता चला जाएगा। उन्होंने कहा कि ये इंटरनेट क्रांति की ही ताकत है कि कोरोना काल में जब एक पल को लगा कि सब कुछ थम जाएगा, तब इंटरनेट ने आम लोगों के जीवन को रफ्तार दी और सभी काम बिना रुके चलने लगे।उन्होंने कहा कि आगरावासियों का सपना है कि हमारा आगरा शहर आईटी हब बेंगलुरु और हैदराबाद की तरह एक नया आईटी हब बने। प्रदेश की युवा शक्ति में टैलेंट की भरमार है। हमारे पास वो सब चीज है, जो देश को वैश्विक और आईटी हब बना सकती है। आगरा में आईटी पार्क होना चाहिए। क्यूंकि, जब आप उत्तर प्रदेश में ऐसे अभिनव प्रयोग करेंगे, तो राज्य के युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर मिलेंगे और डिजिटल इकोनॉमी को भी बूस्ट मिलेगा। इसका जवाब देते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री श्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि ₹आज हम 2021 में हैं। और अगर हम रिपोर्ट कार्ड बनाएं, तो टेक्नोलॉजी के द्वारा लोगों के जीवन में बदलाव लाने का जो हमारा लक्ष्य हैं।उसमें हम बहुत आगे बढ़े हैं। पिछले एक साल में भारत में रिकॉर्ड एफडीआई आया है। अब हर महीने हम 2 यूनिकॉर्न खड़ा कर रहे हैं। भारत को दुनिया में सबसे तेज़ी से बढ़ता हुआ स्टार्टअप इकोसिस्टम बना रहे हैं। हम यहां छोटा बैंगलोर नहीं, बड़ा आगरा बनाएंगे। डिजिटल उत्तर प्रदेश बनाएंगे। हाइवेज़ बनना ज़रूरी है। लेकिन यह जो आई-वेज़ है, इंटरनेट का जो इंफ्रास्ट्रक्चर हैं, उसके कारण हम यह इंटरनेट एक्सचेंज का शुभारंभ कर रहे हैं उन्होंने कहा कि इससे पूरे उत्तर प्रदेश में सिर्फ 1 इंटरनेट एक्सचेंज था, जो नोएडा में था।आज 7 नए इंटरनेट एक्सचेंज लॉन्च होने के बाद अब उत्तर प्रदेश में कुल 8 इंटरनेट एक्सचेंज हो जाएंगे।इससे डिजिटल इकोनॉमी को बूस्ट मिलेगा।कोरोना काल जब लोगों के सामने घर में ही रहने और बाहर निकलने की बाध्यता रहती है...तो ऐसे में ऑनलाइन शिक्षा प्रदेश के कोने-कोने तक पहुंचाकर देश के भविष्य का निर्माण कार्य आज हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

नवाबी दोर की याद दिलाता कमला पार्क में बहुत धूमधाम से इस का आयोजन किया गया

भोपाल में लोगों को बड़ी बेसब्री से इंतज़ार रहता है। गंगा जमुनी तहज़ीब को क़ायम रखता ये आयोजन अपने आप में, (कैट वॉक को छोड़कर) नवाबी दोर की याद दिलाता कमला पार्क में बहुत धूमधाम से इस का आयोजन किया गया। जिस में कव्वाली, अदबी बातचीत बद्र वास्ती, ख़ुवातीन के मुशाएरे के अलावा। मोहतरमा नफ़ीसा सुल्ताना "आना" की लाजवाब तख़लीक़, अक्से ख़्याल का इजरा विमोचन भी किया गया जिसमें- जनाब रशीद अंजुम सहाब, डॉ. मोहम्मद आज़म सहाब ने नफ़ीसा अना साहिबा के अदबी सफ़र पर प्रकाश डाला। सुरजीत सिंह जी चौहान की मोजुदगी प्रोग्राम की गरीमा थी। परी बाज़ार बैगम आफ भोपाल कन्वीनर,रक़शां जी को हाजी मजीद उल्ला सहाब ने सिपास नामा देकर होसला बढ़ाया। इजरा में, डॉ माहताब आलम नियूज़ 18, डॉ क़मर अली शाह, तसनीम राजा, हमीद उल्ला खान 'मामू' रफ़ी शब्बीर सहाब मोजूद थे। चार दिन चले इस कामयाब प्रोग्राम की सराहना हो रही है।

चॉइस सेंटर संचालक का फर्जीवाड़ा, एक प्रवेश पत्र दो लोगों को किया जारी

नोहार कुमार सिन्हा

रायपुर: छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में चॉइस सेंटर संचालक की वजह से दो लोगों का भविष्य अंधकारमय हो गया है। चॉइस सेंटर संचालक ने फर्जीवाड़ा कर एक परीक्षार्थी को पहले से जारी किसी और के नाम पर जारी प्रवेश पत्र को दोबारा जारी कर दिया, जिसकी वजह से आवेदिका को परीक्षा से वंचित होना पड़ गया। दरअसल, 19 दिसंबर रविवार को व्यापम ने डाटा एंट्री ऑपरेटर के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा आयोजित की थी। इस परीक्षा में शामिल होने के लिए हजारों की तादाद में उम्मीदवारों ने आवेदन दाखिल किया था। रविवार को मीना साहू नाम की अभ्यर्थी जब परीक्षा देने के लिए परीक्षा केंद्र पहुंची, तब पता लगा कि उसे नाम बदलकर प्रवेश पत्र जारी किया गया है, जबकि संबंधित रोल नंबर चंद्रकांत के नाम पर शासन ने पहले से जारी कर दिया है। चॉइस सेंटर संचालक के इस फर्जीवाड़े का खुलासा होने के बाद जे आर नायडू शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की परीक्षा केंद्र अधिकारी साक्षी खरे की शिकायत पर आरोपी चॉइस सेंटर संचालक नीलेश देवांगन पिता बलराम देवांगन को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले को लेकर तेलीबांधा पुलिस ने भी सक्रियता दिखाई और तत्काल कार्रवाई को अंजाम दिया।

बदायूं में चुनाव तैयारियों के सम्बंध में की गई बैठक

आज़म खान

उत्तर प्रदेश/बदायूँ: विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 को दृष्टिगत रखते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी दीपा रंजन ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 ओ0पी0 सिंह, समस्त सेक्टर अधिकारी/जोनल मजिस्ट्रेट के साथ बैठक की। डीईओ ने कहा कि निर्वाचन से पूर्व क्या तैयारी करनी है उसको लेकर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं जोनल मजिस्ट्रेट की भूमिका निर्वाचन की अधिसूचना जारी हो जाने के बाद और महत्वपूर्ण हो जाती है। सेक्टर मजिस्ट्रेट को हर बूथ को देखकर उसकी मूलभूत सुविधाएं बाउंड्री वॉल, बिजली, पानी, शौचालय आदि एवं रूट प्लान, अति संवेदनशील क्षेत्र को देख ले। चुनाव के समय किसी प्रकार की असुविधा न हो पुलिस अधीक्षक द्वारा संबोधित करते हुए कहा कि सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट पुलिस अधिकारी को आपस में समन्वय बनाकर रहें। हर बूथ का निरीक्षण कर वहां की आधारभूत आवश्यक सुविधाओं की रिपोर्ट आर0ओ0 को भेजना सुनिश्चित करें। सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट को निर्देशित करते हुए कहा कि पूरी जिम्मेदारी से निर्वाचन का कार्य करें। सेक्टर मजिस्ट्रेट बूथ का भ्रमण कर रिपोर्ट प्रेषित करें। बूथ एवं मार्ग का नजरी नक्शा बनाएं कौन सा बूथ क्रिटिकल व बलनरेबुल है, उसका निरीक्षण अवश्य कर लें। जिम्मेदार लोगों से समन्वय बनाएं। सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट पुलिस संयुक्त भ्रमण कर ले। हर पोलिंग स्टेशन पर महिला शौचालय है या नहीं उसको भी अवश्य चेक कर लें। उन्होंने कहा कि हर बूथ का बारीकी से निरीक्षण करें। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी संतोष कुमार वैश्य, एसपीआरए सिद्धार्थ वर्मा, एसपी सिटी प्रवीण सिंह चैहान एवं समस्त उपजिलाधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

परिवहन विभाग एवं ट्राफिक पुलिस द्वारा वाहनों की चेकिंग

ब्रज कुमार राठौर

उच्च न्यायालय जबलपुर में प्रचलित रीट पिटीशन में दिये गये आदेश के पालन में प्रदेशभर में बिना परमिट नियम विरूद्ध चलने वाले आटो रिक्शा पर तत्काल वैधानिक एवं नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। परिवहन अधिकारी श्री एपी श्रीवास्तव ने बताया कि परिवहन विभाग एवं ट्राफिक पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से चैकिंग की गई। चैकिंग के दौरान कुल 41 ऑटो रिक्शा को जप्त किया गया, जिनमें से 28 ऑटो रिक्शा को कोर्ट द्वारा रिलीज कर 4 लाख 70 हजार रूपये का राजस्व वसूल किया गया। 13 ऑटो रिक्शा अभी पुलिस थाना की अभिरक्षा में जप्त है। जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि 23 नवंबर 2021 से 24 दिसंबर तक ऑटो रिक्शा के कुल 238 परमिट व 206 फिटनेस जारी किये गये। कार्यवाही आगामी दिनों में निरंतर जारी रहेगी।

लुधियाना जिला अदालत परिसर के अंदर विस्फोट में दो की मौत, 5 घायल

एनसीआर समाचार

लुधियाना। जिला अदालत परिसर में विस्फोट के बाद पुलिस अब कोर्ट परिसर को खाली करा रही है। उन्होंने बताया कि विस्फोट के तुरंत बाद मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी लुधियाना जा रहे है। पुलिस आयुक्त कार्यालय के पास स्थित लुधियाना के एक जिला अदालत परिसर में हुए विस्फोट में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच घायल हो गए। विस्फोट दोपहर करीब 12.22 बजे दूसरी मंजिल के वॉशरूम में हुआ। इमारत की दूसरी मंजिल में आठ कोर्ट रूम हैं, लेकिन गुरुवार को हड़ताल के कारण ज्यादा लोग मौजूद नहीं थे। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और कोर्ट परिसर को खाली कराया जा रहा है. घायलों में एक की पहचान अधिवक्ता आरएस मंड के रूप में हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वकील हड़ताल पर थे और इसलिए गुरुवार को परिसर में मौजूद वकीलों की संख्या किसी अन्य दिन की तुलना में कम रही. अभी यह पता नहीं चल पाया है कि धमाका किसी सिलेंडर से हुआ था क्योंकि दूसरी मंजिल पर कोर्ट की कैंटीन भी है।

लेकिन चूंकि धमाका वॉशरूम के अंदर हुआ, इसलिए सिलिंडर ब्लास्ट की बात नहीं हो सकती थी। "मैं लुधियाना जा रहा हूं। विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही कुछ राष्ट्रविरोधी तत्व ऐसी हरकत कर रहे हैं। सरकार अलर्ट पर है। दोषी पाए जाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा, "मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा। जिला अदालत में हुए विस्फोट के बाद अब सुरक्षा में सुधार के तहत सभी सरकारी कार्यालयों की गहन जांच की जाएगी। पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि पंजाब पुलिस को मामले की तह तक जाना चाहिए। "लुधियाना कोर्ट परिसर में एक विस्फोट की परेशान करने वाली खबर। दो व्यक्तियों के निधन के बारे में जानकर दुख हुआ। घायलों के ठीक होने की प्रार्थना कर रहे हैं। पंजाब पुलिस को इसकी तह तक जाना चाहिए, "अमरिंदर सिंह ने ट्वीट किया।

लुधियाना कोर्ट परिसर में विस्फोट की विचलित करने वाली खबर। 2 लोगों की मौत की खबर सुनकर दुख हुआ, घायलों के ठीक होने की प्रार्थना करता हूं। @PunjabPoliceInd को इसकी तह तक जाना चाहिए।

-कैप्टन अमरिंदर सिंह

कान्ह नदी में प्रदूषित व गंदा पानी मिलाने पर कारखानों पर कार्यवाही के निर्देश

एनसीआर समाचार

उक्त कार्यवाही के तहत मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जिला प्रशासन व निगम प्रशासन द्वारा संयुक्त कार्यवाही की जा रही है। कान्ह नदी में गंदा पानी मिलाया जाने पर कान्ह नदी प्रदूषित होती है तथा गंदा पानी आगे भी जाकर क्षिप्रा को भी प्रदुषित कर रहा है।

जिला व निगम प्रशासन तथा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा सांवेर रोड क्षेत्र में फैक्ट्रीयों का गंदा व प्रदूषित पानी कान्ह नदी में मिलाने पर मेसर्स जीएनएस इंण्डस्टीज संचालक कपीलेश रमनानी प्लॉट नंबर 9 सी/1 सेक्टर ई औद्योगिक क्षेत्र सांवेर रोड के विरूद्ध कडी कार्यवाही करते हुए, फैक्ट्री सील करने की कार्यवाही की गई। इसके साथ ही मेसर्स जयश्री सालासर इण्डस्टीज संचालक गणेश विजवर्गीय प्लॉट नंबर 21 अपोजिट अंवतिका गैस पॉइन्ट सांवेर रोड, मेसर्स जीआरवी बिस्किटस प्रायवेट लिमिटेड संचालक मनवे सिंह ग्रेवाल सर्वे नंबर 39/1/1 एंण्ड 39/1/2 सेक्टर ई ओद्योगिक क्षेत्र सांवेर रोड, मेसर्स कुंदन इण्टरप्राइजेस संचालक रवि जादम प्लॉट नंबर 41 एस सेक्टर एफ सांवेर रोड इंदौर, मेसर्स एस एण्ड श्रीफल कन्फेक्शनर प्रायवेट लिमिटेड संचालक नीरज वाधवानी प्लॉट नंबर 24 बी सेक्टर ई औद्योगिक क्षेत्र सांवेर रोड इंदौर के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए, फैक्ट्री में कार्यरत सभी मजदूरो को फैक्ट्री से बाहर किया गया तथा प्रोडक्शन रूकवा दिया गया है साथ ही चारो फैक्ट्री के विद्युत कनेक्शन भी काट दिये गये है। उपयुक्त व्यवस्था करे।

जिला प्रशासन की बड़ी सफलता चार बच्चों सहित सकुशल घर को लौटे बंधक बनाए गए 18 मजदूर

एनसीआर समाचार

ग्राम दसघाट तहसील खकनार निवासी सुखलाल पिता राजाराम के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री प्रवीण सिंह तथा पुलिस अधीक्षक श्री राहुल कुमार लोढा ने संवेदनशील मामले को गंभीरता पूर्वक त्वरित संज्ञान में लेकर संयुक्त टीम को कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया। मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए संयुक्त टीम द्वारा प्राप्त निर्देशों के परिपालन में नायाब तहसीलदार श्री रामलाल पगारे के नेतृत्व में महाराष्ट्र राज्य के सोलापुर जिले में बंधक बनाए गए जिले के मजदूरों को छुड़वाकर पूर्ण सुरक्षा के साथ वापस बुरहानपुर लाया गया।

लगभग 2 माह पूर्व बनाया गया था बंधक बुरहानपुर वापस लौटे बंधुवा मजदूरों में महिला, पुरूष एवं छोटे-छोटे बच्चें भी शामिल रहे। जो लगभग प्रातः 10.30 बजे बुरहानपुर पहुँचे। बुरहानपुर पहुँचते ही कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री प्रवीण सिंह ने लौटें मजदूरों से कुशलक्षेम पूछा तथा उनके स्वास्थ्य को लेकर भी चर्चा की तथा उन्हें अपने घर की ओर रवाना किया। यह मजदूर लगभग पिछले दो माह से सोलापुर महाराष्ट्र में बंधुवा मजदूर के तौर पर कार्य कर रहे थे।इस संबंध में कलेक्टर श्री सिंह से तीन दिवस पूर्व दसघाट निवासी 55 वर्षीय दंपत्ति ने अपनी शिकायत प्रस्तुत की थी। मामले की गंभीरता को त्वरित संज्ञान में लेते हुए संयुक्त टीम भेजकर बंधक बनाए गए मजदूरों को सकुशल बुरहानपुर लाया गया और उन्हें आज अपने परिवारों से मिलाया गया। संबंधित के विरूद्ध प्रकरण दर्ज मामलें को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर श्री सिंह के निर्देशानुसार भारतीय दण्ड विधान की धारा 374 के तहत, थाना खकनार अंतर्गत अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया है। आगे की कार्यवाही पुलिस विभाग द्वारा की जा रही है। मामला यह है कि मध्य प्रदेश राज्य के दक्षिण के द्वार बुरहानपुर जिला महाराष्ट्र राज्य से सीमा बनाता है जहां जिले के कई मजदूर काम की तलाश में जाते हैं, जैसा कि आवेदक सुखलाल पिता राजाराम ने बताया कि तहसील खकनार ग्राम दसघाट के 18 मजदूरों को गन्ना कटाई के लिए महाराष्ट्र के टेंभुरणी तहसील मधा, जिला सोलापुर ले जाया गया। यह गतिविधि ग्राम मांजरोद जिला बुरहानपुर निवासी अंकुश तथा अनिल दत्तात्रेय के माध्यम से हुई। ग्राम दसघाट के 18 मजदूरों, शिवा पिता शंकर, कृष्णा पिता रमेश, सीता पिता रमेश, श्रीराम पिता दयासिंग, कंचना पिता श्रीराम, चितू पिता रतन, सुभीबाई पति रतन, मगन पिता भिल्या, रानी पिता तारासिंग, शिवलाल पिता सानू, राजपाल पिता विष्णु, रीना पति राजपाल, तारासिंग पिता हीरासिंग, रामरति पति हीरासिंग, हरीराम पिता बृजलाल, कविता पति हरीराम, नानेश्वर पिता शिवलाल, निशा पति नानेश्वर इत्यादि को पूर्व में ही नगद राशि देकर मजदूरी हेतु ले जाया गया। परंतु वहां उनसे रात-दिन काम लिया जाने लगा और मजदूरी करने गए 18 मजदूरों को बंधक बना लिया गया।

1857 की क्रांति और नीमच पुस्तक का विमोचन

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में गुरुवार को "अट्ठारह सौ सत्तावन की क्रांति और नीमच" पुस्तक का विमोचन किया। मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे के अनुसार डॉ. सुरेंद्र शक्तावत द्वारा लिखित पुस्तक क्षेत्रीय इतिहास का महत्वपूर्ण दस्तावेज है। वर्ष 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में नीमच के क्रांतिकारियों की विशिष्ट भूमिका रही। मध्यप्रदेश में सर्वप्रथम क्रांति का सूत्रपात नीमच की लाल माटी से 3 जून 1857 को मोहम्मद अली बेग ने किया था। क्रांतिवीर अलीबेग नीमच से विजय पताका लेकर चित्तौड़ बनेड़ा नसीराबाद देवली होते हुए आगरा पहुँचे, जहाँ अंग्रेजों पर विजय प्राप्त की। प्रस्तुत ग्रंथ में अंग्रेजों की क्रूरता का प्रतीक भूमिया खेड़ी का अग्निकांड, निंबाहेड़ा के निर्दोष पटेल ताराचंद की हत्या और तात्या की फाँसी पर अंग्रेजी न्याय की स्व-प्रमाणित पोल खोलने का प्रयत्न कर लेखक ने सिद्ध किया है कि नीमच की क्रांति केवल सैन्य विद्रोह न होकर जनक्रांति थी, जिसमें स्थानीय जन-समुदाय की भी भागीदारी रही। पुस्तक के लेखक डॉ. सुरेंद्र शक्तावत इतिहास संकलन समिति नीमच के संयोजक तथा नीमच जिला पुरातत्व संघ के सदस्य हैं। श्री शक्तावत बालकवि बैरागी महाविद्यालय कनावटी के प्राचार्य हैं। डॉ. शक्तावत ने ग्राम गाथा पिपलिया रावजी, इतिहास की नजर में नीमच जिले के स्वतंत्रता सेनानी, मालवा का लोकनाट्य माच और अन्य विधाएँ, मालवा की चित्रकला आदि पुस्तकें लिखी हैं।

नहीं सुनते खंड विकास अधिकारी एवं सचिव लेखपाल, हालात बद से बदतर

रोज गिरते हैं जलभराव एवं गड्ढा युक्त सड़कों पर बाइक सवार एवं राहगीर।

प्राथमिक एवं जूनियर हाई स्कूल में जाने वाले अध्यापक एवं छात्र-छात्राएं भी इसमें गिरकर हो जाते हैं चोटिल, कैसे स्कूल जाएं नौनिहाल।

एनसीआर समाचार

बदायूं/सहसवान। क्षेत्र के ग्राम गडोलिया पट्टी तासोल एवं जरीफ पुर गढ़िया मार्ग को जोड़ने वाले डाबर रोड का हाल बद से बदतर हो चुका है। यहां पर गड्ढा युक्त सड़कें हैं। साथ ही गांव के पानी का निकास इन सड़कों पर कर दिया गया है जिस कारण सड़कें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। यहां से निकलने वाले वाहनों को भी काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। अक्सर बाइक सवार एवं पैदल चलने वाले राहगीर इसमें गिरकर चोटिल हो जाते हैं। कई बार ग्राम वासियों ने इसकी शिकायत खंड विकास अधिकारी सहसवान से की है लेकिन उन्होंने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया।यहां पर तैनात ग्राम सचिव एवं ग्राम प्रधानों की लापरवाही के चलते इन सड़कों को लावारिस छोड़ दिया गया है। जबकि मनरेगा से इन ग्रामों में तालाब बनवाना चाहिए जिससे गांव के पानी का निकास उन तालाबों में कर जाए लेकिन ग्राम सचिव इस ओर बिल्कुल भी ध्यान देने के लिए तैयार नहीं है। जबकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश है कि प्रदेश में सभी सड़कें गड्ढा मुक्त एवं कीचड़ मुक्त होनी चाहिए। जिसके लिए मुख्यमंत्री ने समस्त जनपदों के जिलाधिकारियों को निर्देश दे रखे हैं कि इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। इसके बावजूद भी खंड विकास अधिकारी सहसवान की लापरवाही उजागर होती नजर आ रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि जिम्मेदार अधिकारियों ने शासन के निर्देशों को पलीता लगाने की कसम खा रखी है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर शिकायत की है कि हमारे क्षेत्र में बिना बरसात के मौसम में भी सड़कें तालाब का रूप ले लेती है और उसमें बड़े-बड़े गड्ढे हो जाते है। जिसमें राहगीरों के गिरने का सिलसिला जारी है।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व कैबिनेट मंत्री भंडारी के समर्थन में उमड़ा जनसैलाब

कुंवर सिंह भंडारी

पोखरी चंद्र शिला खदेड़ में पूर्व कावीना मंत्री राजेन्द्र भंडारी की रैली जनसभा में क्षेत्र की जनता ने -चढ़ कर हिस्सा लिया। जनसभा में एवं विधायक एवं भाजपा के वर्तमान विधायक के प्रति विशेष कर महिलाओं द्वारा आक्रोश भी व्यक्त किया। इस बार बैरोजगारी महंगाई एवं कोई भी नया विकास कार्य सार्वजनिक नहीं किया गया अपने संबोधन में जनता से पूर्व कैबिनेट मंत्री ने कहा जो कार्य मेरे द्वारा विकास के किये गये हैं वर्तमान भाजपा विधायक से तुलना करें। वैठक में बीच-बीच में जन समूह से आवाज आ रही नारे लगाते हुए भंडारी जी के समर्थन में हम संकल्प लेते हैं गोपेश्वर जिला चमोली उत्तराखंड।

पाँचवी श्रीगौड़ ट्रॉफी पर टीम भोपाल इलेवन का कब्जा

एनसीआर समाचार

जे 9 रही उपविजेता, महिलाओ ने भी दिखाए जौहर मनीष जोशी की हैक्ट्रिक ने रचा इतिहास! इंदौर श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण युवा परिषद द्वारा क्रिश्चियन कॉलेज मैदान में आयोजित परंपरागत पाँचवी श्रीगौड़ ट्रॉफी में टीम भोपाल इलेवन ने पिछली दो बार की विजेता रही टीम J 9 को 9 विकेट से पराजित कर ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया, युवा परिषद के प्रदेश अध्यक्ष पं.आदित्य उपाध्याय, पं.अमित व्यास और पं.मनीष जोशी ने बताया कि सामाजिक एकता के उद्देश्य से आयोजित श्रीगौड़ ट्रॉफी में आठ टीमों ने शिरकत कर सामजिक एकता का संदेश दिया! आयोजन में टीम जे9 के संरक्षक मनीष जोशी ने हैक्ट्रिक लेकर श्रीगौड ट्रॉफी में इतिहास रच दिया! महिला संयोजक रंजना पाठक , भारती जमीदार और प्रेमा पंडित ने बताया कि श्रीगौड़ ट्रॉफी महिला मैच में टीम दुर्गा ने टीम भवानी को परास्त कर विजय प्राप्त की! आयोजन के मुख्य अतिथि विधायक रवि जोशी थे! अध्यक्षता योगेंद्र महंत ने की, विशेष रूप से अनमोल तिवारी, सतीश दुबे, हेमंत पंडित,अनुप शुक्ला, विजय पाठक,सतीश शर्मा आदि उपस्थित थे! संचालन सागर जोशी और ऋषभ दुबे ने किया, आभार रोहन मंडलोई ने माना।

लोगों के लिए दुविधा बना बुढलाडा सुविधा केंद्र

तेजविंदर सिंह

लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने और विभिन्न कार्यालयों में लोगों की परेशानी को रोकने के लिए सरकार द्वारा स्थापित सेवा केंद्र अब लोगों के लिए दुविधा का सबब बन गए हैं. यह बात ऐसे समय में साबित हुई जब ठंड के बावजूद आज दोपहर तीन बजे से पुरुष और महिलाएं टोकन के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। इस मौके पर मीनाक्षी, गीताजलि, गुरप्रीत कौर, गुरमीत सिंह अंदियावाली, रंजीत सिंह हसनपुर ने बताया कि एसडीएम कार्यालय में स्थापित सेवा केन्द्र का नाम प्रशासन द्वारा दुबिधा केन्द्र में परिवर्तित किया जाय। इस केंद्र में आम लोगों को खुजली का अहसास कराने के लिए संबंधित अधिकारी लोगों को खुजली का अहसास कराने के लिए नए निर्देश दे रहे हैं. इस सर्विस सेंटर में सुबह से ही टोकन लग जाते हैं, लेकिन सुबह इ्यूटी से पहले लाइन में लग जाते हैं तो 35 टोकन ही लग जाते हैं, जो ओवरवर्क के बहाने अगले टोकन का इंतजार करवाते हैं। लोगों के सेवा केंद्र में पूरा दिन बिताने के बाद भी काम पूरा नहीं हो पा रहा है. कई बार लोगों को तकनीकी खराबी या सिस्टम में खामी होने के बहाने आगे-पीछे करना पड़ता है। जहां लोग आम खुजली से पीड़ित हैं, वहीं जनकल्याणकारी योजनाओं से भी उन्हें वंचित किया जा रहा है।

निर्वाचन के लिए प्राप्त नाम निर्देशन पत्रों की समीक्षा का कार्य सम्पन्न

एनसीआर समाचार

उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रतुल सिन्हा ने बताया कि अभी तक प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला पंचायत के 13 सदस्य पदों के लिये प्राप्त 52 नाम निर्देशन में से एक नामांकन निरस्त किया गया। इस तरह जिला पंचायत सदस्य पदों के लिये 51 नाम निर्देशन पत्र विधिमान्य पाये गये। इसी तरह जनपद पंचायत के 76 सदस्य पदों के लिये प्राप्त 290 नाम निर्देशन पत्रों में से दो नाम निर्देशन पत्र निरस्त किये गये। इस तरह जिले की चारों जनपद पंचायतों में कुल 288 नामांकन पत्र विधिमान्य है। जिले में पंच और सरपंच पदों के लिये प्राप्त नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा का कार्य प्रगति पर।

बैंकर्स स्व-रोजगार योजनाओं का लक्ष्य समय सीमा में पूरा करें: शिवराज सिंह

एनसीआर समाचार

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि बैंकर्स स्व-रोजगार योजनाओं का लक्ष्य समय-सीमा में पूरा करें। भारत सरकार की स्व-रोजगार योजनाओं के क्रियान्वयन में जिम्मेदारी से कार्य करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान सोमवार को मंत्रालय में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, प्रमुख सचिव वित्त श्री मनोज गोविल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं बैंकर्स उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अधिकारियों को मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के क्रियान्वयन एवं बेहतर परिणाम लाने के संबंध में निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि रोजगार सबसे बड़ी प्राथमिकता है। विशेष रूप से स्व-रोजगार योजनाओं का प्रथमिकता से क्रियान्वयन करें। आर्थिक गतिविधियाँ तेजी से चलें। स्व-रोजगार के लिए व्यवस्थित ढंग से जन-प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ऋण शिविरों का आयोजन सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आगामी 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर राज्य स्तरीय स्व-रोजगार मेले का आयोजन किया जाए। उन्होंने कहा कि मेले में अधिकाधिक प्रकरणों में ऋण स्वीकृत करें। जिला स्तर पर भी शिविर आयोजित किए जाएँ। उन्होंने कहा कि विगत 9 नवम्बर से 26 नवम्बर तक 117 क्रेडिट कैंप आयोजित कर 51 करोड़ रूपये के मुद्रा ऋण स्वीकृत किए गए। इसी तरह प्रगति बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास जारी रखें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना में लक्ष्य के मुताबिक प्रगति बढ़ायें। योजना में 5 लाख हितग्राहियों को लाभ पहुँचाने का लक्ष्य है। इसके लिए बैंक गंभीरता से कार्य करें। निजी बैंक ठीक से क्रियान्वयन करें। अभी तक लगभग 2 लाख 82 हजार प्रकरणों में ऋण स्वीकृति जारी की गई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रत्येक माह स्व-रोजगार योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करुंगा। सभी बैंकर्स गंभीरता से कार्य करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि निजी बैंकों का परफार्मेंस ठीक नहीं है। भारत सरकार की योजनाओं में लापरवाही न बरतें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में प्रगति अच्छी है। राष्ट्रीयकृत बैंकों ने अच्छा कार्य किया है। इस योजना में हम देश में अव्वल हैं। योजनांतर्गत लक्ष्य की 115 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की गई है। भारत सरकार द्वारा 4.05 लाख का लक्ष्य दिया गया था।मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम में वित्तीय वर्ष 2021-22 में 7022 परियोजनाओं एवं 211 करोड़ मार्जिन मनी स्वीकृति का लक्ष्य है, जिसे समय पर पूरा करें। प्राइवेट बैंक हर सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पीछे हैं।

साँची विश्वविद्यालय नित नये आयाम स्थापित करे: मंत्री श्री ठाकुर

एनसीआर समाचार

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने कहा कि साँची विश्वविद्यालय शोध की दिशा में कार्य करें जो भारतीय संस्कृति का परचम लहराएँ। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या में काफी इजाफा हुआ है।

यह विश्वविद्यालय की ख्याति ही है कि इसमें विद्यार्थियों की संख्या 70 से 450 पहुँची है। सुश्री ठाकुर साँची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की साधारण परिषद् की चतुर्थ बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। बैठक में प्रमुख सचिव श्री शिवशेखर शुक्ला भी उपस्थित थे। मंत्री सुश्री ठाकुर ने कहा कि विश्वविद्यालय नित नयें आयाम स्थापित करें। सरकार की ओर से हर जरूरी आवश्यकता को पूरा किया जाएगा। बैठक में विश्वविद्यालय की कार्य परिषद् के गठन के लिये साधारण परिषद् के सदस्यों के नामांकन पर निर्णय लिया गया। सुश्री ठाकुर ने दुर्लभ 18वीं एवं 19वीं सदीं की पुस्तकों के पुनः मुद्रण के लिये समिति बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि विश्वविद्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी भी किया जाना प्रस्तावित हैं। विश्वविद्यालय में नये शॉर्ट टर्म एवं एक सेमेस्टर अवधि के कोर्सेस सीबीसीएस पद्धति के अंतर्गत प्रारंभ किये जाएंगे। विश्वविद्यालय को आवंटित भूमि का सौन्दर्यीकरण भी करवाया जा रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा कई संस्थानों से एमओयू भी किया गया है, जिससे विद्यार्थियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है।

निष्पक्ष और निर्भीक मतदान ही मजबूत लोकतंत्र की नींव: सचिव बी.एस.जामोद

एनसीआर समाचार

त्रि-स्तरीय पंचायत आम चुनाव - 2021 के प्रथम चरण में भोपाल में मतदान होना है। जिला प्रशासन भोपाल द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान के तहत मंगलवार को हबीबगंज स्थित भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंस (BSSS) में आयोजित कार्यक्रम में राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव श्री बी.एस.जामोद द्वारा मेस्कॉट ₹शेरू₹ को लाँच किया गया। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव श्री जामोद ने कहा कि निष्पक्ष और निर्भीक मतदान ही मजबूत लोकतंत्र की नींव है। उन्होंने कहा कि गांवों के चहुँमुखी विकास के लिये हर ग्राम पंचायत में सशक्त जनप्रतिनिधि का होना आवश्यक है, जिसका चुनाव निर्भीक और निष्पक्ष मतदान से ही संभव है। साथ ही यह भी आवश्यक है कि प्रत्येक नागरिक मतदान करें। मतदाता जागरूकता के लिये कई स्तर पर अभियान चलाया जाता है ताकि अधिकाधिक मतदाता मतदान करें। उन्होंने भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंस के बच्चों के जागरूकता अभियान और प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस संस्था के बच्चों द्वारा चलाये जा रहे मतदाता जागरूकता कार्यक्रम से मतदाता प्रेरित होंगे और मतदान प्रतिशत में वृद्धि होगी। श्री जामोद द्वारा मतदान की शपथ दिलाई गई। इस दौरान चुनाव के मेस्कॉट शेरू का लाँच किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय वन मेला में नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श के साथ रोज सांस्कृतिक कार्यक्रम

एनसीआर समाचार

राजधानी भोपाल स्थित लाल परेड मैदान पर 22 से 26 दिसंबर तक हो रहे अंतर्राष्ट्रीय वन मेले में क्रेता-विक्रेता सम्मेलन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और कार्यशाला भी होगी। मेला स्थल पर 23 से 26 दिसंबर तक निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर भी होंगे। राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ के प्रबंध संचालक श्री पुष्कर सिंह ने बताया कि मेले के पहले दिन उद्घाटन-सत्र में रात्रि 8 बजे से रिलायंस म्यूजिकल आर्केस्ट्रा द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। दूसरे दिन 23 दिसंबर को क्रेता-विक्रेता सम्मेलन, दोपहर में स्कूली छात्र-छात्राओं की चित्रकला प्रतियोगिता, संघमित्रा एवं उनके दल द्वारा नुक्कड़ नाटक, शाम को मंडला और डिंडौरी के दल द्वारा जनजातीय नृत्य की प्रस्तुति, गुंजन म्यूजिकल ग्रुप के आर्केस्ट्रा और रात्रि में 8 बजे पद्मश्री अनुराधा पोडवाल द्वारा संगीत की प्रस्तुति दी जाएगी। तीसरे दिन रात्रि 8 बजे से पद्मश्री अनूप जलोटा का गज़ल गायन होगा। इसके पहले शाम को सम्राट ग्रुप का आर्केस्ट्रा, दोपहर में मानसरोवर ग्रुप का सांस्कृतिक कार्यक्रम और सुबह 11 बजे से स्कूली छात्र-छात्राओं की एकल और

अंतर्राष्ट्रीय वन मेले में क्रेता-विक्रेता सम्मेलन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और कार्यशाला भी होगी। निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर भी होंगे। राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ के प्रबंध संचालक श्री पुष्कर सिंह ने बताया कि मेले के पहले दिन उद्घाटन-सत्र में रात्रि 8 बजे से रिलायंस म्यूजिकल आर्केस्ट्रा द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी

समूह नृत्य प्रतियोगिता होगी। इसी दिन से दो दिन तक """लघु वनोपज से स्वास्थ्य सुरक्षा""" थीम पर कार्यशाला भी होगी। मेले में शनिवार 25 दिसंबर को सुबह 11 बजे फैन्सी ड्रेस और शाम को एकल अभिनय प्रतियोगिता, शाम 6 से रात्रि 7 बजे तक झाबुआ, धार और बड़वानी के दल द्वारा जनजातीय नृत्य और संघमित्रा एवं उनके दल द्वारा नृत्य नाटिका प्रस्तुत की जाएगी। रात्रि में ही श्री जसप्रीत जाजिम शर्मा का सूफी गायन होगा। मेले का समापन 26 दिसंबर को होगा, जिसमें पुरस्कार वितरण के साथ आर्केस्ट्रा की प्रस्तुति दी जाएगी।

भाजपा नेता रजनीश पाठक ने थामा सपा का दामन

एनसीआर समाचार

भाजपा नेताओं की आपसी रार में ही भाजपा को जनता से हो रहा काफी नुकसान कुछ भाजपा पदाधिकारी के नेताओं से सहसवान की जनता नहीं है खुश। सहसवान-भाजपा नेता रजनीश पाठक ने भाजपा का दामन छोड़कर सपा का दामन थाम लिया जिसकी नगर में व्यापक चर्चा रही जनता के बीच जमीनी पकड़ रखने वाले रजनीश पाठक ने लोकसभा चुनाव में भी सांसद संघमित्रा मौर्य के लिए भी जनता से वोट दिलाने में जी जान से मेहनत की जनता में अलग पहचान रखने वाले रजनीश पाठक ने पूर्व में रहे सपा सांसद धर्मेंद्र यादव के साथ अपने सैकड़ों की तादाद में कार्यकर्ताओं के साथ पहुंच कर एक बैठक कर सपा में शामिल हो गए आपको बताते चलें लोकसभा भाजपा को चुनाव लड़ाने में रजनीश पाठक की अहम भूमिका रही जब से वह भाजपा में शामिल हुए जब से चुनाव जिले स्तर का रहा हो चाहे नगर स्तर का हर चुनाव को लड़ाने में उनकी अहम भूमिका रही है! आखिर ऐसी क्या वजह है! चाहे आम जनता हो चाहे भाजपा कार्यकर्ता हो भाजपा को छोड़ सपा में शामिल होता दिखाई दे रहा है! अब से सहसवान क्षेत्र के ग्राम इब्राहिमपुर गांड़ी भाजपा मंडल उपाध्यक्ष दुर्ग पाल सिंह यादव, व क्षेत्र पंचायत सदस्य रोहताश यादव, एवं भाजपा नेता सुनील यादव, ने भी भाजपा का दामन छोड़ सपा का दामन थाम लिया अगर ऐसा ही सब कुछ चलता रहा तो इसका असर आगामी चुनाव में देखने को मिल सकता है। वहीँ सहसवान में अपने आप को भाजपा नेता कहने वाला लगातार भाजपा से जनता को जोड़ने की बजाए तोड़ने का काम करने पर तुला हुआ है! इस भाजपा नेता द्वारा जो लोग जमीनी स्तर से भाजपा से जुड़े हुए हैं! उनको सपा का बताकर बरगलाने का काम किया जा रहा है।

पिता ने बेटे को किडनी देकर दिया जीवन

ब्रज कुमार राठौर

शुजालपुर। कहते है भगवान का दूसरा नाम पिता होता है और आज ग्राम पंचायत मेहरखेड़ी सचिव व झाडला निवासी परमानंद शर्मा ने अपने छोटे बेटे को किडनी दान कर यह सिद्ध कर दिया कि भगवान के बाद पिता ही भगवान है। परमानन्द ने अपनी किडनी देकर बेटे को दूसरा जीवन प्रदान कर पिता का फर्ज बखूबी अदा किया। एक मध्यम परिवार से आने वाले परमानंद ने जब से बेटे की तबीयत बिगड़ी तब से किडनी देने तक हिम्मत नही हारी, वहीँ परिवारजनों को भी ऊर्जा के साथ संभाले रखा वहीँ शर्मा परिवार की पूरे झाडला ग्रामवासियों ने भी परिवार की तरह मदद की, वहीँ सचिव संघ ने भी मदद की पहल कर मदद की वहीँ पूर्व में कालापिपल विधायक रहे। वर्तमान में शुजालपुर विधायक के साथ स्कूल शिक्षा व सामान्य प्रशासन राज्यमंत्री इंदरसिह परमार जिनोन्हे लगातार हर बीमारियों में हर मरीज की मदद की वैसे ही उन्होंने तत्काल मुख्यमंत्री शिवराज सिंह से मिलकर मनीष शर्मा के लिये 2 लाख की राशि मंजूर करवाकर परिवार को सहायता की।

मालवा में हुए अंधेकत्ल का खुलासा

एनसीआर समाचार

आगर मालवा जिले के बड़ौद में सोमवार को हुई व्यापारी के अंधेकत्ल की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा ली है। एसपी राकेश सगर ने खुलासा किया कि लूट की नीयत से आरोपी ने व्यापारी प्रवीण जैन पर चाकू से वार किए थे, शोर और लोगों के आने से आरोपी बिना पैसे लिए भाग गया था। एसपी राकेश सगर ने बताया कि मुखबिर और सायबर सेल की मदद से पुलिस ने आरोपी कालूसिंह राजपूत निवासी मदकोटा को गिरफ्तार किया है। उसने बताया की वह व्यापारी की दुकान पर गेहूं बेचने गया था, जहां भाव को लेकर व्यापारी से बहस हो गई थी। वह 18 रुपए किलो में गेहूं को बेचना चाहता था, जबकि व्यापारी उसे 16 रुपए किलो का दाम दे रहा था। साथ ही इस दौरान व्यापारी के गल्ले में रखे रुपए देखकर भी नियत खराब हो गई थी, जिसके चलते लूटने की नीयत चाकू से वार कर दिया। लेकिन शोर होने से आसपास के लोग इकट्ठा हो गए, जिससे बिना रुपए उठाए वहां से फरार हो गया।

इस दौरान आरोपी की एक चप्पल भी घटना स्थल पर छूट गई थी। मामले में जानकारी छुपाने वाले एक अन्य व्यक्ति को भी आरोपी बनाया गया है। घटना के बाद से ही क्षेत्र में लोगों में भारी आक्रोश था, लोगों ने हत्या को लेकर नगर बंद और थाने के सामने शव रखकर प्रदर्शन भी किया था।

वेंटीलेटर पर जाने से अच्छा है कोरोना की वैक्सीन लगवाना: मुख्यमंत्री

एनसीआर समाचार

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि वेंटीलेटर पर जाने से अच्छा कोरोना की वैक्सीन लगवाना है। मास्क पहनना, सामाजिक दूरी का पालन करना और टीका लगवाना अपनी मर्जी की बात नहीं रही है। अब यह व्यक्ति की सामाजिक जिम्मेदारी है। हमें यह सुनिश्चित करना है कि हम अपने लापरवाह व्यवहार से दूसरे व्यक्तियों का जीवन खतरे में नहीं डाले। कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर से अमेरिका, इंग्लैंड तथा यूरोप के कई देश प्रभावित हो रहे हैं। अमेरिका में कोरोना से मरने वालों की संख्या आठ लाख से अधिक हो गई है। इन परिस्थितियों को देखते हुए कोरोना की तीसरी लहर से बचाव के लिए सावधानी जरूरी है। कोरोना की पहली और दूसरी लहर में हम सबने अपनों को खोया है। तीसरी लहर के संकट को देखते हुए यह जरूरी है कि हम जल्दी सतर्क हो जाएँ। मास्क लगाएँ, सामाजिक दूरी का पालन करें और सबसे अधिक महत्वपूर्ण है कि कोविड का टीका आवश्यक रूप से लगवाएँ। मुख्यमंत्री श्री चौहान टीकाकरण महाअभियान में भोपाल बरखेड़ी स्थित रशीदिया स्कूल में स्थापित टीकाकरण केन्द्र का जायजा ले रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने टीकाकरण केन्द्र की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा टीकाकरण के लिए आए व्यक्तियों से टीकाकरण के संबंध में बातचीत की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने टीकाकरण केन्द्र पर श्री मोहम्मद आलिम कुरैशी को टीकाकरण के उपरांत आई.एम. वैक्सीनेटेड का चिन्ह भी लगाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान की उपस्थिति में शाला परिसर स्थित शासकीय आदर्श आवासीय कन्या संस्कृत विद्यालय (गार्गी) भोपलम् की छात्राओं द्वारा स्वस्तिवाचन किया गया। पूर्व मंत्री श्री रामपाल सिंह भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में अब तक 9 करोड़ 91 लाख वैक्सीन डोज़ लग चुके हैं। यदि प्रदेशवासी थोड़ा और जागरूक एवं सक्रिय रहकर टीकाकरण के लिए आगे आएंगे तो प्रदेश के सभी पात्र भाई-बहनों को सुरक्षा चक्र उपलब्ध कराने में हम सफल होंगे।

संक्षिप्त समाचार

सुरक्षा बलों पर नक्सलियों ने किया आईईडी बम से हमला, एक जवान घायल; मौके से मिले चार जिंदा आईईडी

एनसीआर समाचार

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों की एक बड़ी साजिश नाकाम हो गई। यहां के दंतेवाड़ा में सुरक्षा बलों की टुकड़ी पर नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट किया। राहत की बात यह रही कि इस ब्लास्ट में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। हालांकि, एक जवान मामूली रूप से जरूर घायल हो गया। दंतेवाड़ा एसपी ने बताया कि नक्सलियों का इरादा बड़ा हमला करने की थी, इसके लिए उन्होंने आईईडी का इस्तेमाल किया था। एसपी अभिषेक पल्लव ने बताया कि यह हमला सुबह आठ बजे किया गया। उस समय सभी जवान बोडली कैंप से करियामेट्ट की ओर ऑपरेशन के लिए निकले थे। कैंप से करीब 650 मीटर की ही दूरी पर नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट किया, जिसमें एक जवान घायल हो गया। अन्य सभी सुरक्षित हैं। एसपी अभिषेक पल्लव ने बताया कि तलाशी के दौरान मौके पर से चार जिंदा आईईडी बम बरामद हुए हैं। मामले की और जांच की जा रही है।

बंगाल में बीजेपी की हार: लगभग हर सीटों पर बीजेपी की हार तय, 144 में से 134 सीटों से टीएमसी आगे

एनसीआर समाचार

कोलकाता नगर निगम चुनाव (KMC) में वोटों की मतगड़ना जारी है। TMC 134 सीटों से भी आगे चल रही है। वहीं BJP को 0 सीटों का चहरा देखना पड़ सकता है। कांग्रेस और लेफ्ट दल भी दो- दो सीटों पर आगे है। KMC चुनाव में 144 सीटों पर फैसला होना है। पिछली बार के निगम चुनाव में TMC ने 114 सीटों पर जीत दर्ज की थी। 20 दिसंबर को हुए निगम चुनाव में BJP ने TMC पर वोट लूटने का आरोप लगाया था। बंगाल विधासभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को राज्य के चुनाव आयोग से दोबारा चुनाव कराने की मांग की थी। सुनवाई न होने पर वे भाजपा प्रतिनिधिमंडल के साथ राज्य चुनाव आयुक्त कार्यालय के अंदर धरने पर बैठ गए थे। कोलकाता में कुल 1,776 पोलिंग बूथ पर वोटिंग हुई थी।

हरदोई 155 विधान सभा क्षेत्र शाहाबाद से एबी सिंह राजपूत बसपा प्रत्याशी घोषित

शहवाज हुसैन खान

हरदोई शाहाबाद विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत RN मैरिज लॉन में बसपा का एक विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसमें कार्यकर्ताओ सहित हज़ारों की संख्या में समर्थकों का जन सैलाब उमड़ पड़ा। प्राप्त जानकारी अनुसार बसपा ने इस सम्मेलन के माध्यम से अपना प्रत्याशी AB सिंह राजपूत को घोषित किया प्रत्याशी का नाम सुनते ही समर्थकों में ख़ुशी की लहर दौड़ गई। मुख्य अतिथि डॉ0 सिद्धार्थ ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा उन्होंने बताया इस सरकार में सिर्फ़ महगाई और बेरोजगारी बढ़ी सरकार स्वच्छता के नाम पर करोड़ों रुपए हज़म कर रही है। प्रत्याशी AB सिंह राजपूत ने अपने संबोधन में जनता से कहा की भाजपा सरकार हिन्दू मुस्लिम को आपस में लड़ाने का कार्य करती है AB सिंह राजपूत ने कार्यकर्ताओ से कहा कि इस बार इस निरंकुश सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकना होगा और बहन मायावती को पुनः मुख्य मंत्री बनाना होगा।

नर्मदा में डूबे 3 लोगों के शव बरामद

राजेंद्र योगी

बरेली पिछले दिन शनिवार को दोपहर 3:00 बजे बांसखेड़ा क्षेत्र में नर्मदा नदी में नाव पलट जाने से 3 लोग डूब गए थे, भोपाल से एनडीआरएफ की टीम और होमगार्ड की टीम द्वारा रेस्क्यू जारी था। रविवार को दोपहर तक पिता पुत्र के शव मिल गए लेकिन महिला का शव नहीं मिल पाया था 30 घंटे की मशक्कत के बाद शाम को 6:00 बजे के लगभग महिला का शव मिला रेस्क्यू टीम द्वारा तीनों निकाल लिए गए जिस परिवार के तीन सदस्य डूबे थे वह परिवार के लोग नर्मदा नदी के तट पर ही मौजूद थे उनका रो-रोकर हाल बुरा था ! पुलिस द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर पीएम के बाद परिजनों को सौंपा गया सोमवार को उनका अंतिम संस्कार परिवारों की मौजूदगी में हुआ।

ग्राम पंचायत चुनाव के पहले अवैध फायर आर्म्स के विरुद्ध क्राइम ब्रांच की मुहिम

क्राईम ब्रांच इंदौर ने अवैध हथियारों का जखीरा किया बरामद

देवराम ठाकुर

इंदौर। शहर में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण हेतु श्रीमान पुलिस आयुक्त इंदौर श्री हरिनारायणचारी मिश्र व्दारा इंदौर कमिश्नरेट में आगामी पंचायत चुनाव शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न रुप से संपन्न हो इस को ध्यान में रखते हुए, शहर में अवैध फायर आर्म्स के परिवहन व क्रय विक्रय पर अंकुश लगाये जाने हेतु श्रीमान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री मनीष कपूरिया को निर्देशित किया गया हैं। जिस पर उनके द्वारा पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय व अपराध शाखा) इंदौर श्री अरविन्द तिवारी एवं अतिरिक्त पुलिस उप आयुक्त क्राईम ब्रॉच इंदौर श्री गुरू प्रसाद पाराशर को अवैध फायर आर्म्स की खरीदी बिक्री वह इनकी गतिविधियों में सलिप्त लोगों के संबंध में पतारसी एवं निगरानी हेतु क्राइम ब्रांच की टीमों को आवश्यक

- आरोपियों से कुल 55 अवैध हथियार सहित 11 जिन्दा कारतूस भी जप्त
- खरगौन जिले का एक सिकलीगर व जिला देवास के 02 सप्लायर सहित कुल 03 आरोपी पुलिस की गिरफत में
- सिकलीगर से अवैध फायर आर्म्स बनाने के औजार, साँचे व अन्य वस्तुएं, सिंगनूर गाँव जिला खरगोन के जंगल से बरामद
- सिकलीगर द्वारा उन्नत एवं आधुनिक दर्जे के पिस्टल व देशी कट्टे बनाये जाते

दिशा निर्देश दिए गए थे। उक्त संबंध में प्राप्त निर्देशों के तारतम्य में क्राईम ब्रॉच द्वारा लगातार कार्य किया गया और अवैध फायर आर्म्स क्रय विक्रय करने वाले अपराधियों को चिन्हित किया गया एवं खरीद फरोख्त के संबंध में आसूचना संकलन किया गया। इसी दौरान दिनांक क्राइम ब्रांच इन्दौर को अपने मुखबिर तंत्र के माध्यम से पता चला कि खरगोन जिले के ग्राम सिंगनूर का रहने वाला आरोपी (सिकलीगर) जलसिंह पिता संतोष सिंह छाबड़ा उम्र 55 साल नि . ग्राम सिगनूर थाना गोगावां जिला खरगोन स्वयं हथियार बनाकर इंदौर शहर में सप्लाई करने आता रहता है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए अपराध शाखा की टीम द्वाराआरोपी को हथियारों की सप्लाई के लिए आते हुए देवगुराड़िया बायपास पर पुल के किनारे खड़े हुए पकड़ा ।

जिसके कब्जे से दिनांक 18.11.2021 को प्रारंभ में 10 देशी पिस्टल, 04 नग देशी कट्टे एवं 04 जिन्दा कारतूस बरामद हुये। क्राईम ब्रॉच इंदौर द्वारा कार्यवाही करते हुये उक्त सिकलीगर के विरुद्ध थाने पर अपराध क्रमांक 28/2021 धारा 25 , 27 आर्म्स का पंजीबद्ध किया गया । दौराने विवेचना उक्त आरोपी से पूछताछ करते आरोपी द्वारा जिला देवास के दो लोगो 1. शंकर पिता सीताराम निगम नि ग्राम हीरापुर उदयनगर जिला देवास एवं 2. संतोष पिता शंकर नि . ग्राम हीरापुर उदयनगर जिला देवास को डिलेवरी देना बताया। आरोपी सिकलीगर द्वारा पूर्व में भी उक्त दोनों आरोपियों को डिलेवरी देना बताया और सिगनूर के जंगलों में अवैध रूप से हथियार बनाना बताया, जो आरोपी सिकलीगर की निशादेही पर हथियार बनाने का सामान और बनाये गये देशीकट्टा व पिस्टल सिंगनूर के जंगलों से जप्त की गई। तत्पश्चात देवास जिले के अन्य दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया जाकर पूछताछ की गई और सिकलीगर द्वारा पूर्व में दिये गये देशी कट्टे व पिस्टल बरामद किये गये। इस प्रकार क्राईम ब्रॉच द्वारा अवैध हथियारों का निर्माण करने वाले सिकलीगर के साथ 02 हथियार सप्लायर को गिरफ्तार किया गया हैं तथा उक्त आरोपियों से कुल 55 अवैध हथियार जिनमें 41 देशी पिस्टल (बत्तीस बोर), 14 देशी कट्टे (12 बोर) एवं 11 जिंदा कारतूस बरामद कर, अवैध हथियार बरामद जप्त किये गये। क्राईम ब्रॉंच इंदौर द्वारा पंचायत चुनाव के पूर्व अवैध हथियारों की जप्ती के संबंध में प्रदेश की अब तक की सबसे बड़ी कार्यवाही की गई है ।

उक्त गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ पर, उन्होनें बताया गया कि सिकलीगर द्वारा जंगली जानवरों के अवैध शिकार हेतु भी अन्य गिरफ्तार आरोपियों के गृह जिले देवास के जंगलों में भी भरमार बंदूक बनाकर दी गई है जिस संबंध में सख्ती से पूछताछ कर उक्त जप्ती के अलावा भी भरमार बंदूक व बनाने के औजारों की बरामदगी के प्रयास किये जा रहे है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों के आपराधिक रिकार्ड की जानकारी ली जा रही है।आरोपियों के द्वारा इंदौर, देवास आदि में कहाँ कहाँ अवैध हथियार सप्लाई किये गये की जानकारी आरोपियों का पीआर प्राप्त कर ली जावेगी, जिसके आधार आगे अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

एक्सीडेंट मामले में पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर रिहा

एनसीआर समाचार

उन्नाव रेप केस के आरोपी बीजेपी के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को अब रिहा कर दिया गया है। पूर्व विधायक को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने रिहा कर दिया है। दरअसल, पूर्व विधायक को रेप पीड़िता के एक्सीडेंट मामले में रिहा किया है। बता दे कि, मामला साल 2019 में सामने आया था। जब उन्नाव रेप पीड़िता रायबरेली जा रही थी। पीछे से अचानक वाहन को टक्कर मार दी थी, जिसमें लड़की दो मौसी और वकील के साथ यात्रा कर रही थी।

पूर्व विधायक पर था रेप पीड़िता का एक्सीडेंट कराने का आरोप

बता दे कि हादस में पीड़िता की एक मौसी की मौके पर मौत हो गई थी। रेप पीड़िता और उसका वकील बुरी तरह से घायल हो गया था। फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने कहा कि आरोपी पूर्व विधायक के खिलाफ कोई पुख्ता सुबूत नहीं मिला है।अदालत चार अन्य आरोपियों का फैसला 21 दिसंबर को सुनाएगी।

रेप केस में उम्रकैद काट रहे पूर्व विधायक

उन्नाव रेप केस में पूर्व विधायक को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। कोर्ट ने धारा 376 और पॉक्सो के सेक्शन 6 के तहत दोषी ठहराया था।रेप के साथ-साथ पीड़िता के परिवार के तीन लोगों की हत्या कराने का आरोप भी पूर्व विधायक पर था। बाद में रेप पीड़िता का एक्सीडेंट हुआ था जिसमें पीड़िता के पिता भी शामिल थे, जिसमें सेंगर को आरोपी बनाया गया था।

बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान ने विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर के दर्शन किए

सैयद फराज अली

इस दौरान मंदिर में होने वाली संध्या कालीन आरती में भी वे शामिल हुईं, आरती ख़त्म होने के बाद सारा ने पूजन थाली से आरती ली और उसके बाद भगवान महाकाल के 10 मिनट तक नंदी हाल से दर्शन किए. राजनेता, बॉलीवुड स्टार समेत तमाम वीआईपी महाकाल का आशीर्वाद लेने उज्जैन आते रहते हैं. इसी कड़ी में अपनी फिल्म की शूटिंग के लिए इंदौर पंहुची सेफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी बॉलीवुड स्टार सारा अली खान ने महाकाल मंदिर पंहुचकर दर्शन किये. इस दौरान शाम को होने वाली संध्या कालीन आरती में भी वे शामिल हुईं. सारा इस दौरान पूरे समय आरती में बैठी रहीं. आरती ख़त्म होने के बाद भगवान महाकाल का आशीर्वाद लेकर इंदौर के लिए रवाना हो गईं. सारा अली खान बेहद साधारण वेशभूषा में दर्शन करने पंहुची थीं. उज्जैन मंदिर प्रशासन ने अधिकारी सारा अली खान को पूरी सुविधा देते हुए नंदी हाल से दर्शन कराए. जबकि भीड़ अधिक होने से सभी के लिए बेरिकेट्स से ही दर्शन व्यवस्था तय थी. जिसमें वीआईपी के लिए बेरिकेट्स की पहली पंक्ति से दर्शन कराए जा रहे थे. संध्या आरती के दौरान सारा अली पहुंची तो सारे नियम खत्म हो गए।

विधायक नितिन अग्रवाल व जिलापंचायत सदस्य मीना वर्मा द्वारा दलित एकता समारोह का आयोजन

शहवाज हुसैन खान

हरदोई 156 विधान सभा क्षेत्र से दलित एकता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सदर विधायक नितिन अग्रवाल द्वारा सभी को एकजुट होकर रहने पर ज़ोर दिया। इस समारोह को सफल बनाने के लिए ज़िला पंचायत सदस्य हरियावा श्रीमती मीना वर्मा ने अपने छेत्र से सैंकड़ों दलित समाज को एकत्रित कर अपनी दमदार राजनीतिक कार्य शैली का प्रदर्शन किया। श्रीमती मीना वर्मा द्वारा दलित समाज को आगामी विधानसभा चुनाव में मजबूती से खड़े होकर एक साथ रहने पर ज़ोर दिया, इस दौरान उन्होंने अपने छेत्र से आए हुए सैंकड़ों दलित समाज के लोगों का सम्मान किया श्रीमती मीना वर्मा द्वारा वादा किया गया कि यदि पार्टी उनको किसी विधान सभा चुनाव से जुड़ी बड़ी ज़िम्मेदारी देगी तो वह उसको सफ़लता पूर्वक निभायेंगी।

नए मामले 5,326, कुल 453 लोगों की मौत

एनसीआर समाचार

मिज़ोरम में कोविड-19 के 217 नए मामले सामने आए और कोरोना से किसी की मौत नहीं हुई। COVID19 कुल मामलेः 1,39,705 सक्रिय मामलेः 1,869 कुल डिस्चार्जः 1,37,303 कुल मौतेंः 533

भारत में पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस के 5,326 नए मामले आए, 8,043 रिकवरी हुईं और 453 लोगों की कोरोना से मौत हुई।

ओमिक्रॉन को लेकर दुनियाभर में चिंता की स्थिति है। चिंता भी जायज है। वैज्ञानिकों की मानें तो इस वैरिएंट का ट्रांसमिशन रेट काफी ज्यादा है, लेकिन राहत की बात ये है कि अब तक के स्टडी में ओमिक्रॉन लोगों के ऊपर ज्यादी प्रभावी नही रहा है। इस वैरिएंट से संक्रमित सिर्फ 1.7 % लोगों को अस्पताल जाने की जरुरत पड़ रही है।

प्रमाणपत्र से पीएम की तस्वीर हटाने वाली याचिका खारिज, याचिकाकर्ता पर एक लाख का जुर्माना

अन्नू कुमारी

केरल उच्च न्यायालय ने मंगलवार को उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें कोविड-19 टीकाकरण प्रमाणपत्रों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर हटाने की मांग की गई थी। उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया। कोर्ट ने इसे राजनीति से प्रेरित और प्रचार प्रसार के लिए याचिका दायर करने का दोषी भी माना। न्यायमूर्ति पी वी कुन्हीकृष्णन ने याचिकाकर्ता पीटर मायलीपरम्पिल को छह सप्ताह के भीतर केरल राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण (केएलएसए) को एक लाख रुपये जमा करने का निर्देश भी दिया है। साथ ही अदालत ने अपने आदेश में कहा कि निर्धारित अवधि के भीतर अगर राशि जमा नहीं कराई गई तो केएलएसए याचिकाकर्ता के खिलाफ राजस्व वसूली की कार्रवाई शुरू करेगा। कोर्ट ने सुनवाई करते हुए कहा कि लोगों और समाज को यह बताने के लिए जुर्माना लगाया जा रहा है कि इस तरह की तुच्छ दलीलें जो न्यायिक समय बर्बाद करती हैं, उन पर अदालत विचार नहीं करेगी। अदालत ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता ने प्रधानमंत्री की तस्वीर और टीकाकरण प्रमाण पत्र पर मनोबल बढ़ाने वाले उनके संदेश पर जो आपत्ति जताई है, ऐसा करने की ₹देश के किसी नागरिक से अपेक्षा नहीं'' है।

ग्रामीणों ने कहा कि आबिद रजा जो कहते हैं वह करते जरूर हैं

एनसीआर समाचार

बदायूं। 115 बदायूँ विधानसभा क्षेत्र में लगातार पूर्वमंत्री आबिद रज़ा द्वारा " आबिद रज़ा चले – गांव की चौपाल" नामक कार्यक्रम गांव गांव चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत आज 15 वे दिन पूर्व मंत्री आबिद रज़ा द्वारा ग्राम काजीपुर, नरऊ पसा, बर्खिन, भटौली, युसुफ नगर, वनगड़आदि गांवों में चौपाल लगाकर जनसभा को सम्बोधित किया। ग्रामवासियो ने जगह जगह आबिद रज़ा का बैंड बाजो व फूल मालाओं से स्वागत किया। ग्रामवासियो ने कहा आबिद रजा के काम करने का तरीका देखा है उन्होंने क्षेत्र के विकास के साथ-साथ अपने समर्थकों के मान सम्मान में कोई कमी नहीं आने दी ।सरकारी विभागों में आबिद रजा का दबदबा रहता था इसलिए 2022 के चुनाव में हिन्दू समाज के साथ साथ सभी समाज के लोग आबिद रज़ा को विधायक बनाने का तय कर चुके है। पूर्वमंत्री आबिद रज़ा ने कहा आप लोगों को वचन देता हूं विधायक बनने के बाद आप के सम्मान में कोई कमी नहीं आने दूंगा और आप लोगों के गांव में विकास भी जरूर कराऊंगा मेरे बारे में यह मशहूर है कि आबिद रजा जो कहता है वह करता जरूर है चाहे कितना ही नुकसान हो, फायदा हो मैं नुकसान फायदे की परवाह कभी नहीं करता आप लोगों का बेटा, भाई दोस्त बनकर आपकी सेवा करने का काम करूंगा।

विधानसभा सभागार में हुआ बिछड़े कई बारी- बारी पुस्तक का विमोचन, मीडिया पुन: करे जनता को जागरूक

एनसीआर समाचार

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विधानसभा के मानसरोवर सभागार में ₹बिछड़े कई बारी बारी₹ पुस्तक का विमोचन किया। यह पुस्तक क्रूर कोरोना काल में असमय छीन लिये गये प्रदेश के लगभग सौ पत्रकारों के जीवन और उनके पत्रकारिता में योगदान पर आधारित है। मुख्यमंत्री श्री चौहान के मुख्य आतिथ्य में इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा स्पीकर गिरीश गौतम ने की। आयोजन ग्रामीण पत्रकारिता विकास संस्थान ने किया। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, संसदीय कार्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र, पूर्व केन्द्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया, प्रदेश के पूर्व मंत्री डॉ. गोविन्द सिंह पुस्तक के लेखक देव श्रीमाली और कार्यक्रम रविंद्र जैन उपस्थिति थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अपने भावपूर्ण संबोधन में कहा कि कोरोना काल में दिवंगत पत्रकारों पर केंद्रित यह पुस्तक, फिर न लिखनी पड़े, ऐसे प्रयास हों। तीसरे लहर की आशंका के मद्देनजर मीडिया जागरूकता प्रसार की भूमिका का पुनः निर्वाह करे। प्रत्येक व्यक्ति को मास्क लगाने के लिए प्रेरित करना है। यह बचाव का प्रभावी माध्यम है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना संक्रमण की पहली और दूसरी लहर के समय हम गहरी वेदना के दौर से गुजर चुके हैं। अस्पताल में बेड, ऑक्सीजन और जीवन रक्षक औषधियों की व्यवस्था के लिए सभी ने दिन-रात कार्य किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मृत्यु अवश्यंभावी है लेकिन कोई जाता है तो टीस छोड़कर जाता है। कुछ ऐसे व्यक्तित्व होते हैं, जो सदैव याद आते हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दिवंगत पत्रकारों स्व. शिव अनुराग पटेरिया, राजकुमार केसवानी की सेवाओं का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि श्री केसवानी ने भोपाल गैस त्रासदी के पूर्व सभी को आगह करते हुए लेखन किया। वे अपनी इसरिपोर्ट पर बी.डी. गोयनका अवार्ड मिलने पर प्रसन्न नहीं थे, बल्कि उनका कहना था कि काश यह हादसा न होता, यदि उनके लेख में दी गई चेतावनी को गंभीरता से लिया जाता। इसी तरह श्री पटेरिया मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के इन्सायक्लोपीडिया थे। वे ज्ञान के भंडार थे, एक चलती-फिरती लायब्रेरी थे। ऐसे दिवंगत साथियों के परिवार के साथ हम सभी को हरसंभव सहयोग के लिए तत्पर भी रहना चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ने कहा कि मध्यप्रदेश कोरोना से बचाव के वैक्सीनेशन कार्य में अच्छी सफलता प्राप्त करने वाले प्रदेशों में है।

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा पुलिस का सराहनीय कार्य, लगातार सही राह के नाम से नशा मुक्ति का अभी चलाया जा रहा हैं

मो आमिर अल्वी

एरिया के थाना अध्यक्ष बलराज के नेतृत्व में मदद युवा संगठन रुस्तम रिजवान मनदीप सिंह, रोशन, अंकित, बाबूराम, अमनदीप सिंह ने गांव के अंदर डोर टू डोर किया और लोगों को समझाया या तो नशे का व्यापार बंद कर दो या गांव छोड़कर चले जाओ या फिर पूरी तरह से सुधर जाओ और लोगों ने भी पूरा सहयोग किया और वादा किया इस नशे का व्यापार बंद कराने में हम पूरी तरह से पुलिस प्रशासन के साथ हैं। जहां भी प्रशासन को जनता की जरूरत पड़ेगी जनता प्रशासन के साथ दिन रात उनके साथ हैं और लोगों ने संगठन को बताया कि हमारे बच्चे घर का सामान भी बेच देते हैं नशे के लालच में और हम पूरी तरह से अपने बच्चों से परेशान हैं जो पुलिस प्रशासन द्वारा मुहीम चलाई गई है वो बहुत ही अच्छा कार्य है जिससे हमारे बच्चों का भविष्य बन जाएगा और सबसे अच्छी बात प्रशासन की यह है जो नशा पीड़ित है उनका इलाज और खाना और रहना फ्री में यमुनानगर के एसपी कमलदीप गोयल जी के नेतृत्व में कराया जा रहा है।

पत्रकार कमरुद्दीन के परिजनों को थाना प्रभारी उघैती वीरेंद्र सिंह राणा ने पचास हजार की आर्थिक मदद की

एनसीआर समाचार

बदायूं/उघैती। थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह राणा ने मृतक पत्रकार कमरुद्दीन उर्फ अमन की पत्नी को ₹50000 की आर्थिक मदद प्रदान की मृतक पत्रकार की एक बेटी के निकाह की जिम्मेदारी भी ली। जब तक एस ओ रहेंगे तब तक कहा प्रत्येक माह परिवार को भरण पोषण के लिए 4000 प्रति माह सहायता देते रहेंगे। क्षेत्र में थाना प्रभारी की प्रशंसा की चर्चा हो रही है।

मंत्री श्री सखलेचा ने किया टेन्को सिस्टम की नई यूनिट का शुभारंभ आई टी पार्क इंदौर के कार्यों का भी लिया जायज़ा

एनसीआर समाचार

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने 19 दिसम्बर रविवार को इंदौर के सिंहासा आई.टी. पार्क में इंदौर टेन्को सिस्टम की नई यूनिट का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट भी उपस्थित थे। मंत्री श्री सखलेचा ने सिंहासा आईटी पार्क की विभिन्न गतिविधियों एवं भवन का अवलोकन किया। किये गये कार्य पर श्री सखलेचा ने संतुष्टि व्यक्त की। मंत्री श्री सखलेचा ने पार्क की बाउंड्री वाल का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। आईटी उद्योगपतियों द्वारा बताई गई पेयजल की समस्या के निदान लिए उन्होंने आश्वस्त किया कि वे जल्द ही इस विषय में उच्च अधिकारियों से चर्चा करेंगे। मंत्री जी को सिंहासा आईटी पार्क की गतिविधियों एवं निर्माण गतिविधियों के बारे मे एमपीएसईडीसी के महाप्रबंधक श्री द्वारकेश सर्राफ एवं निर्माणकर्ता एजेंसी मप्र हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों ने अवगत कराया। टेन्को सिस्टम की इस नई यूनिट में 500 एकड़ में फर्नीचर क्लस्टर और 100 एकड़ में टॉइज़ क्लस्टर स्थापित किए जा रहे हैं।

फर्रुखाबाद में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओ ने आवास पर झंडे लगाए

सर्जन कश्यप

समाजवादी पार्टी अभियान कार्यक्रम के पांचमें दिन जनपद फर्रुखाबाद में समाजवादी साथियों ने पार्टी कार्यकर्ताओं, नेताओं के आवास पर झंडे लगाए। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के जिला महासचिव मन्दीप यादव राष्ट्रीय सचिव लोहिया वाहिनी जितेंद्र यादव जिला अध्यक्ष यूथ ब्रिगेड शशांक सक्सेना सपा नेता पूर्व प्रधान राजन यादव सूर्या यादव मोहित यादव गोपाल यादव विशाल यादव निखिल यादव अमन कठेरिया बीडीसी वेदांत दुबे आशीष प्रजापति आलोक यादव कौशल यादव अभय यादव आयुष यादव मीडिया प्रभारी इलियास मंसूरी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बरेली के पास नर्मदा तट पर नाव हादसा, नाव में 9 लोग सवार थे 6 को बचा लिया

राजेंद्र योगी

नर्मदा नदी में ग्रामीण क्षेत्र के लोग नदी के इस पार से उस पार नाव के सहारा लेकर पार होते रहे हैं लेकिन बगैर सुरक्षा व्यवस्था के छोटी नाव में क्षमता से अधिक सवारियों को इस पार से उस पार ले जाए जा रहा था. मध्य प्रदेश बरेली के क्षेत्र में ग्राम बांसखेड़ा में शनिवार को नर्मदा नदी में दोपहर समय एक नाव पलट गई जिसमें 9 लोग सवार थे. नाव हादसे की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई पुलिस और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची तथा ग्रामीण जन व रेस्क्यू टीम के जरिए 6 की जान बचा ली गई। 3 तब भी लापता थे इन्हें ढूंढने के लिए भोपाल से एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। एएसपी अमृत मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि नरसिंहपुर रायसेन जिले की पुलिस एवं होमगार्ड की टीम भी रेस्क्यू कर रही थी।

राष्ट्रीय विचार और भाव की स्थापना के लिए काम कर रही है चित्र भारती: सारंग

देवेन्द्र कुमार जैन

भारतीय चित्र साधना के प्रतिष्ठित 'चित्र भारती राष्ट्रीय लघु फिल्मोत्सव-2022 (सीबीएफएफ-2022)' के एप के लोकार्पण समारोह में मध्यप्रदेश शासन के चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग ने कहा कि चित्र भारती राष्ट्रीय विचार और भाव को लेकर चल रही है। सिनेमा में भारतीय विचार को प्राथमिकता मिले, यह आज की आवश्यकता है। इस दौर में फ़ल्मि जगत की जो स्थिति है, उसमें चित्र भारती जैसे फिल्म फेस्टिवल की आवश्यकता है। भारत भवन में एप लोकार्पण के दौरान फेस्टिवल आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री दिलीप सूर्यवंशी, प्रख्यात अभिनेता श्री पवन मल्होत्रा और जनसंपर्क आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े भी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सिनेमा, समाज को सिर्फ उसकी स्थिति ही नहीं बताता है बल्कि समाज को कैसा होना चाहिए, यह भी बताता है। समाज को दिशा देना ही सिनेमा की सार्थकता है। उन्होंने कहा कि फिल्मों से जुड़े व्यक्ति को यह विचार करना चाहिए कि उसका व्यक्तित्व ऐसा हो जो युवा पीढ़ी को सही मार्ग पर लेकर जाए, क्योंकि युवा फ़ल्मि कलाकारों से प्रेरणा लेते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री दिलीप सूर्यवंशी ने कहा कि मध्यप्रदेश और भोपाल को लेकर भारतीय सिनेमा में एक नया विश्वास पैदा हो रहा है। बड़े फ़ल्मि निर्देशक मध्यप्रदेश में अपनी फिल्मों की शूटिंग के लिए आ रहे हैं। चित्र भारती के इस प्रतिष्ठित फिल्मोत्सव से भोपाल सहित मध्यप्रदेश को देश में एक नई पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि जो अपने अतीत से जुड़ा रहता है, उसका वर्तमान और भविष्य स्वर्णिम रहता है। स्वागत उद्बोधन में जनसंपर्क आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने कहा कि मध्यप्रदेश में फ़ल्मि निर्माण का वातावरण बन रहा है। राष्ट्रीय स्तर का यह आयोजन प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण होने वाला है। विशिष्ट अतिथि एवं फिल्म अभिनेता श्री पवन मल्होत्रा ने कहा कि आप मुंबई आकर देखिये कि छोटे शहरों/कस्बों की लड़कियाँ और लड़के शो चला रहे हैं। सिनेमा जगत के महत्वपूर्ण कार्य इसी तरह के नौजवान कर रहे हैं। अपनी प्रतिभा को पहचाने आगे बढ़ने का अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहा है।

स्कूली बच्चों को सिखाया जा रहा योग

सत्रुधन कुमार

योगा गुरु योगिक लवकुश के माध्यम से ₹एक्सेल योर स्किल बाय योगा₹ कार्यक्रम में स्कूली बच्चों बच्चियों के साथ-साथ अध्यापक एवम अध्यापिका को बैसिक योगा के बारे में बता रहे हैं साथ ही योग के महत्व को भी समझा रहे हैं। योगिक लवकुश पेशे से एक अंतरराष्ट्रीय योग प्रशिक्षक हैं जो केरल के एक सुप्रसिद्ध रिसोर्ट में कार्यरत हैं।

योगिक लवकुश अपने छुट्टियों में अपने गांव पंचायत के साथ साथ अगल बगल के गांव में लोगो के बुलावे पर योग कार्यक्रम आयोजित करते हैं,इसी कर्म में इन दिनों लवकुश जी कई प्राइवेट और सरकारी स्कूलों में जा कर बच्चों को योग के बारे में बता रहे हैं,जिससे नित्जीवन में उपयोगी लाकर अपने शरीर और मानसिक रूप को स्वस्थ्य रखा जा सके। बीते शनिवार योगिक लवकुश देवरी थाना क्षेत्र के सुभाष चन्द्र बोस पब्लिक स्कूल कोदम्बरी गिरिडीह में योगा कार्यक्रम का समापन किया गया। सुभाष चन्द्र बोस पब्लिक स्कूल के प्रधानाध्यापक महोदय श्री पंकज कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहें कि मानो जैसे योग गुरु योगिक लवकुश जी ने हमारे सभी बच्चों एवम शिक्षको को खुशहाल जिंदगी जीने का राज बता दिए हैं।

शिक्षा से ही तैयार होगा बेहतर समाज: हाफिज इरफान

एनसीआर समाचार

बदायूं/सहसवान। मॉडल विलेज ट्रस्ट व हेल्पिंग हैंड्स संस्था द्वारा गरीब असहाय निर्धन परिवारों को इस कड़कड़ाती ठंड से निजात दिलाने के लिए विंटर रिलीफ प्रोग्राम के तहत ग्राम कुर्बानपुर में सहसवान क्षेत्र का तीसरा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इससे पूर्व ग्राम इस्माइलपुर ग्राम बसोलिया में कंबल वितरण किए गए थे। प्रोग्राम में मुख्य अतिथि, समाजसेवी, समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक सभा के निवर्तमान प्रदेश सचिव व पूर्व सदस्य जिला पंचायत हाफिज इरफान ने प्रोग्राम में बोलते हुए कहा कि आज बेहद अफसोस की बात है कि हमारे समाज में शिक्षा का स्तर बहुत कम है समाज को शिक्षा की जरूरत है ,शिक्षा के गिरते स्तर को लेकर श्री इरफान ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा अपने बच्चों को अच्छी से अच्छी तालीम दिलाइए क्यूं की तालीम ही से आप समाज में सुधार, बदलाव, कर सकते हैं, तालीम से ही आप बेरोजगारी को दूर कर सकते हैं, हाफिज इरफान ने ग्राम वासियों से कहा कि एक रोटी कम खाइए मगर बच्चों को जरूर पढ़ाइए। मेरा आप से निवेदन है आप अपने बच्चों को अच्छी और उच्च शिक्षा दिलाने का कार्य करें। उन्होंने ग्रामीणों को समझाते हुए कहा कि शिक्षा हासिल करने में गरीबी कभी भी आड़े नहीं आती। अच्छे लोग अच्छी संस्थाएं हमेशा शिक्षा हासिल करने वालों के लिए आर्थिक रूप से सहायता भी करते हैं। संस्था ने विंटर रिलीफ प्रोग्राम के तहत तहसील सहसवान के ग्राम कुर्बान पुर ,नवाब गंज, खिरकबारी, के गरीब असहाय व्यक्तियों को कंबल बांटने का काम किया। पूर्व कैबिनेट अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय अरसलान कैसर ने कहा कि क़लम की ताक़त से हर जंग जीती जा सकती है। अंत में संस्था के विलेज कोऑर्डिनेटरश्री अजमल हुसैन ने ग्राम वासियों को संस्था के समस्त कार्यो बताया।

रामायण और महाभारत के शाश्वत मूल्य और प्रसंगों पर लिखी गई इसेंस आफ द फिफ्थ वेदा किताब

राजेंद्र योगी

एक समारोह में मुंबई के श्री गौरांग दामानी द्वारा लिखित वेदा पुस्तक का विमोचन करते हुए भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्री जयप्रकाश शर्मा ने कही है। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री टिकेंद्र प्रताप सिंह ने भारतीय सनातन परंपराओं वसुदेव कुटुंबकम और सांस्कृतिक मूल्यों को केंद्रित करते हुए इतिहास और पुराणों के संदर्भ के साथ लिखी इस पुस्तक के लेखक गोरांग भाई की सराहना की है। योगा पुस्तक के विमोचन के अवसर पर मानवअधिकार सहायता संघ जिला महामंत्री श्री राजेंद्र योगी और श्री देवेंद्र दुबे एवं श्री रामचंद्र धूलिये द्वारा सभी को जय श्री राम के उद्घोष के साथ मिठाई खिलाई गई।

बागली में श्री अमित धूलिये के निवास पर आयोजित विमोचन समारोह में विधायक प्रतिनिधि श्री कमल यादव, भाजपा नेत्री श्रीमती अरुणा त्रिपाठी श्रीमती गीता चौधरी भाजपा मंडल कोषाध्यक्ष श्रीमती माया चौधरी, भाजयुमो नगर अध्यक्ष ईशान उपाध्याय, सरपंच पवन राठौर, सार्थक दधीच, मनीष किशोर गुजराती, देवेंद्र दुबे, जहूर शाह, पत्रकार मुकेश गोस्वामी, राजेंद्र योगी, नूर मोहम्मद आदि मौजूद थे। श्री गौरांग भाई वरिष्ठ अभिभाषक प्रवीण चौधरी की भांनजी जय श्री दामानि के पति हैं। मुंबई भाजपा से जुड़े श्री गौरंग भाई का अयोध्या में श्री राम मंदिर आंदोलन में इतिहास संकलन में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। समारोह का संचालन श्री अमित धूलिए द्वारा किया गया और आभार दर्शन श्री पवन राठौड़ ने किया।

वीरेन्द्र जाटव के जनपद में प्रथम आगमन पर जोरदार स्वागत किया

अज़ीम खान

बदायूँ । तीन दिवसीय लखनऊ दौरे के बाद नवनियुक्त समाजवादी पार्टी के संगठन बाबा साहेब वाहिनी के जनपद ही नहीं प्रदेश के पहले जिला अध्यक्ष वीरेंद्र जाटव आज दोपहर जनपद बदायूं पहुंचे पहुंचते ही सर्वप्रथम वीरेन्द्र जाटव ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आशीर्वाद लिया। लोटनपुर स्थिति दयावान वाल्मीकि जी के मन्दिर पर पहुंच कर वाल्मीकि जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और वहां उपस्थित समाज के लोगों से आशीर्वाद लिया बौद्ध बिहार जाकर तथागत गौतम बुद्ध की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद लिया तदोपरांत समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष प्रेमपाल जी ने मिठाई खिलाकर अपने आवास पर स्वागत कर बाबा साहेब वाहिनी के जिलाध्यक्ष पद पर विधिवत कार्यभार ग्रहण कराया, शुभकामनाएं दी इस अवसर पर आशीष कुमार, ताहिर , अश्विनी कुमार, आकाश, भानू, मोहित, मुकेश, उमंग, रोहित,अजय, किशोर कुमार, सुभाष, राजन, जीतू, सूरज, जितेन्द्र आदि उपस्थित रहे।

अब आजीविका मिशन से जुड़कर गतिविधियों को बढ़ाएंगे तेजस्विनी समूह: मुख्यमंत्री श्री चौहान

एनसीआर समाचार

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में तेजस्विनी कार्यक्रम में कार्यरत समूह अब आजीविका मिशन में कार्य करेंगे। महिला सशक्तिकरण कार्यों को नई गति प्रदान की जाएगी।

तेजस्विनी समूह की गतिविधियों को तेज करने में आजीविका मिशन पूरा सहयोग करेगा। इन समूहों को अधिक सशक्त बनाकर सदस्य बहनों की आय वृद्धि, आत्म-निर्भरता और आर्थिक संबल के लाभ भी मिलेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि तेजस्विनी के समूहों की पारंपरिक पहचान को कायम रखा जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान की अध्यक्षता में सोमवार को मंत्रालय में ग्रामीण महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम तेजस्विनी के क्रियान्वयन की गतिविधियों के संबंध में बैठक संपन्न हुई। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री महेंद्र सिंह सिसोदिया, राज्य मंत्री श्री रामखेलावन पटेल, अपर मुख्य सचिव महिला एवं बाल विकास श्री अशोक शाह, प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री उमाकांत उमराव और मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री एल.एम. बेलवाल भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि गत 16 दिसंबर को मंत्रि-परिषद् ने तेजस्विनी कार्यक्रम में गठित स्व-सहायता समूहों के कार्य-क्षेत्र एवं स्वरूप को यथावत रखते हुए उनका राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन में विलय किए जाने का निर्णय लिया है। प्रदेश में इस समय ग्राम स्तर के 16 हजार 749 महिला स्व-सहायता समूह कार्यरत हैं। ग्राम स्तर पर 2 हजार 624 समितियाँ और विकास खण्ड स्तर पर 60 महिला महासंघ कार्य कर रहे हैं। देश में करीब 80 लाख महिला सदस्यों में से सवा दो लाख सदस्य मध्यप्रदेश की हैं। यह प्रतिशत राष्ट्रीय भागीदारी में 2.7 है।

प्रदेश के 6 जिलों में क्रियान्वित तेजस्विनी कार्यक्रम में तीन जिले सागर संभाग और तीन जिले जबलपुर संभाग के शामिल हैं। वर्तमान में तेजस्विनी समूह 51 करोड़ 24 लाख रूपये की बचत कर चुके हैं। छह जिलों मंडला, बालाघाट, डिंडोरी, पन्ना, टीकमगढ़ और छतरपुर में कृषि कार्य के अलावा डेयरी, सब्जी उत्पादन, बकरी पालन, किचन गार्डन, उद्यानिकी, पोल्ट्री, टेलरिंग जैसी गतिविधियों से 2 लाख 15 हजार महिलाएँ संलग्न हैं।

वरिष्ठ सपा नेता लड्डन मियां ने आधा दर्जन ग्रामों में पहुंच कर लोगों से किया जनसंपर्क

एनसीआर समाचार

दहगवा। ब्लॉक क्षेत्र के आधा दर्जन ग्रामों का वरिष्ठ सपा नेता नईम उल हसन उर्फ लड्डन मियां ने अपने समर्थकों के साथ तूफानी दौरा किया जहां सपा नेता को लोगों का प्यार मिला और जगह-जगह फूल मालाओं से उनका स्वागत हुआ। दहगवा ब्लॉक क्षेत्र के गांव बागवाला, नगला, जतकी, नैनो, में जनसंपर्क के दौरान सपा नेता नईम उल हसन उर्फ लड्डन मियां ने कहा कि अखिलेश यादव को 2022 के विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री बनाना है और सहसवान विधानसभा सीट को मजबूत करना है 2022 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो सबको साथ लेकर चलती है और सबका विकास सबका उद्धार चाहती है, सपा सरकार में जितना विकास हुआ उतना आज तक किसी सरकार में नहीं हुआ। प्रदेश की जनता को गुमराह कर सत्ता में आई भाजपा ने कुछ नहीं दिया भाजपा के 5 साल के कार्यकाल में किसानों नौजवानों और छात्रों का शोषण हुआ प्रदेश की जनता समाजवादी पार्टी को आस भरी नजरों से देख रही है।

नल-जल योजना में आँगनबाड़ी केन्द्रों और स्कूलों में शीघ्र बिजली कनेक्शन दिए जाने के दिए निर्देश

एनसीआर समाचार

कलेक्ट्रेट के सभागृह में सोमवार को कलेक्टर श्री अविनाश लवानिया ने टीएल के प्रकरणों को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि टीएल के सभी प्रकरणों पर शीघ्र कार्यवाही की जाये। उन्होंने निर्देश दिये कि संबंधित विभाग के अधिकारी स्वयं पहल कर इन प्रकरणों का निराकरण करें। कलेक्टर श्री लवानिया ने कहा कि हास्टल का रेंडम निरीक्षण किया जाये बाथरूम, रजाई-गद्दे, साफ-सफाई इत्यादि सुविधाओं के संबंध में जानकारी तैयर करने के लिए डिप्टी कलेक्टर के साथ कमेटी का गठन करने और इसकी रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जिन हास्टल में किसी प्रकार की कमी पायी जाती है तो संबंधित अधिकारी पर कार्यवाही की जायेगी। कलेक्टर श्री लवानिया ने नल-जल योजना के अंतर्गत जिले के आँगनबाड़ी केन्द्रों, स्कूलों में जहां पर नल कनेक्शन दिये गये हैं, बिजली कनेक्शन की कार्यवाही शीघ्र करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिजली कनेक्शन पर होने वाला व्यय पीएचई विभाग द्वारा वहन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग और स्कूल शिक्षा विभाग शीघ्र नल जल योजना कनेक्शन का प्रतिवेदन तैयार कर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को प्रस्तुत करे, जिससे आँगनबाड़ी केन्द्रों, स्कूलों में बिजली की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। कलेक्टर श्री लवानिया ने कहा कि पंचायत चुनाव के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास, शिक्षा एवं कृषि विभाग के भवनों को मतदान केन्द्र बनाया गया है।

संपादकीय

पश्चिमी यूपी में टिकैत के बदले रूख से भाजपा को राहत तो सपा गठबंधन को झटका

एक वर्ष से अधिक समय तक नये कृषि कानून के खिलाफ सफल आंदोलन चलाकर पूरी दुनिया में सुर्खियां बटोरने और मोदी सरकार को नया कृषि कानून वापस लेने के लिए मजबूर कर देने वाले भारतीय भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत राजनीति से दूरी बनाकर चलेगें, वह न तो किसी के पक्ष में नजर आएंगे, न ही किसी का विरोध करते दिखेगें। इससे उन दलों के नेताओं के अरमानों पर पानी फेर दिया है, जो टिकैत की उंगली पकड़ कर विधानसभा तक पहुंचना या अपनी पार्टी की सीटें बढ़ाने का सपना पाले हुए थे, टिकैत ने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के चुनाव लड़ने के प्रस्ताव को 'धन्यवाद' के साथ ठुकरा दिया है। टिकैत के फैसले से उन लोगों की शंका पर विराम लग गया है जो टिकैत का अगला कदम क्या होगा, इसको लेकर तमाम अटकलें लगा रहे थे। खासकर टिकैत के राजनीतिक रुख को लेकर लोग कुछ ज्यादा ही परेशान थे। टिकैत की तरफ से राजनीति को लेकर काफी कुछ स्पष्ट किया जा चुका है। उनके हाल तक के बयानों और रवैये से तो यही लग रहा है कि वह राजनीति से पूरी तरह से दूरी बनाकर रखेंगे, इसका कारण भी है। राकेश टिकैत ने किसानों के पक्ष में बड़ा आंदोलन चलाकर जो अपनी छवि बनाई है वह उसे राजनीति के पचड़े में पड़कर खराब होता नहीं देखना चाहते हैं। टिकैत जानते हैं कि राजनीति में कदम रखते हैं उनके ऊपर कई तरह के आरोप लगने लगेंगे। वैसे भी टिकैत संयुक्त किसान मोर्चा जिसके बैनर तले किसान आंदोलन चला था, उसने भी फैसला कर रखा है कि मोर्चा चुनावी राजनीति से दूरी बनाकर चलेगा। बात टिकैत की कि जाए तो वह स्वयं भी राजनीति के मैदान में कभी सफल खिलाड़ी नहीं साबित हुए हैं। टिकैत ने पहली बार 2007 के यूपी विधानसभा चुनाव में किस्मत आजमाई थी। उस समय प्रदेश में बसपा की हुकूमत थी। टिकैत ने मुजफ्फरनगर की खतौली विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था। हालांकि, उन्हें जीत नसीब नहीं हुई थी। इस हार के बाद राकेश टिकैत ने साल 2014 में राष्ट्रीय लोकदल के टिकट पर अमरोहा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था। लेकिन, इस चुनाव में भी टिकैत को हार का सामना करना पड़ा था। इस चुनाव में टिकैत को केवल 9,359 वोट मिले थे। बात 2007 के यूपी विधानसभा चुनाव की कि जाए तो इस चुनाव में भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत ने कांग्रेस का हाथ थामा था. भारतीय किसान यूनियन की राजनीतिक पार्टी बहुजन किसान दल ने कांग्रेस के साथ गठबंधन में जाने का फैसला किया था। उस समय कांग्रेस ने फैसला लिया था कि राकेश टिकैत के खिलाफ पार्टी अपना कोई प्रत्याशी नहीं उतारेगी। वहीं, बहुजन किसान दल ने भी कांग्रेस के पक्ष में पश्चिमी यूपी की कई सीटों पर अपने प्रत्याशी वापस लेने की बात कही थी। फिर भी टिकैत बुरी तरह से चुनाव हार गए थे। इन्हीं राजनीति के कड़वे अनुभवों के वजह से राकेश टिकैत दोबारा से चुनावी राजनीति में कदम नहीं रखना चाहते हैं। बात आगे की कि जाए तो कई मौकों पर यह भी देखने को मिला है कि राकेश टिकैत ने किसी चुनाव में जिस प्रत्याशी का समर्थन किया वह जीत हासिल नहीं कर सका। यहां पर हाल ही में संपन्न हुए पंचायत चुनावों की भी बात करना जरूरी है। यह चुनाव उस समय हुए थे जब किसान आंदोलन उभार पर था और राकेश टिकैत इसकी मुखर आवाज बने हुए थे। ऐसा लग रहा था कि किसानों के बीच प्रदेश में भाजपा विरोधी लहर चल रही है, जिसके चलते यह उम्मीद जताई जा रहे थे कि पंचायत चुनाव में कम से कम पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तो भाजपा को करारी हार का सामना करना ही पड़ेगा, लेकिन नतीजे भाजपा के पक्ष में आए। 2016 में हुए पंचायत चुनाव के मुकाबले बीजेपी ने काफी बेहतर प्रदर्शन किया था।

बहरहाल, हो सकता है किसान आंदोलन खत्म नहीं हुआ होता तो राकेश टिकैत खुद या अपने किसी करीबी को विधानसभा चुनाव लड़ा देते या फिर किसी दल का समर्थन करते, लेकिन आंदोलन खत्म हो गया है। केंद्र सरकार ने किसानों की बातें मान ली हैं, इस लिए किसानों की मोदी सरकार से नाराजगी काफी कम हो चुकी है। इसके अलावा भी मोदी-योगी सरकार द्वारा किसानों के लिए जो कुछ किया जा रहा है वह किसी से छुपा नहीं है। एक बात और ध्यान देने वाली है कि राकेश टिकैत ने आंदोलन के सहारे जो अपनी संघर्ष वाली इमेज बनाई है, वह इमेज उनके किसी दल से चुनाव लड़ने से टूट सकती है। फिर वह आगे कभी कोई आंदोलन भी नहीं चला पाएंगे। वैसे भी आंदोलन के दौरान बार-बार टिकैत पर कांग्रेस और सपा समर्थक तथा भाजपा विरोधी होने का आरोप लग रहा था। अपनी छवि को लेकर टिकैत इतना अलर्ट हैं क़ि उन्हें जब पता चला कि कुछ लोग उनकी फोटो का अपने बैनर पोस्टर में इस्तेमाल कर रहे हैं तो उन्होंने साफ कह दिया उनकी फोटो या उनकी यूनियन अथवा किसान आंदोलन के सहारे कोई अपना 'खेत जोतने' की कोशिश ना करें। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के चुनाव लड़ने के प्रस्ताव को भी राकेश टिकैत ने ठुकरा दिया है। राकेश टिकैत अगर अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव से तटस्थ रहते हैं तो इसका भाजपा को बड़ा फायदा मिल सकता है। वहीं सपा-रालोद के गठबंधन के लिए यह शुभ संकेत नहीं होगा, क्योंकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सपा-राष्ट्रीय लोकदल के गठबंधन का पूरा चुनावी तानाबान भाकियू नेता राकेश टिकैत के इर्दगिर्द ही घुमता नजर आ रहा है। इसके साथ ही आंदोलन चलने के दौरान यह अटकलें भी लगाई जा रही थीं कि टिकैत के विरोध के चलते बीजेपी को यहां बड़ा नुकसान उठाना पड़ेगा, लेकिन आंदोलन खत्म होने और टिकैत के बीजेपी को लेकर नरम रूख के चलते भाजपा ने राहत महसूस की है तो सपा परेशान है।

सरकार ने विवाह की न्यूनतम उम्र बढ़ाकर लड़कियों को सपने साकार करने का अवसर दिया

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नारी विकास का सपना रात के अँधेरे में बंद आँखों से नहीं, दिन के उजाले में खुली आँखों से देखा है। उनके स्वप्न में नारी के चहुंमुखी विकास की कल्पना के साथ स्त्री और पुरुष की समानता की दस्तक है। मोदी ने 2020 के स्वतंत्रता दिवस सम्बोधन में घोषणा की थी कि देश में लड़कियों की शादी की न्यूनतम उम्र को 18 वर्ष से बढ़ाकर 21 किया जाएगा। वे जो कहते हैं, उसे साकार भी करते हैं, यही कारण है कि करीब एक वर्ष बाद ही प्रधानमंत्री ने अपनी घोषणा को क्रियान्वित कर दिखाया है।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में महिलाओं के लिए विवाह की कानूनी आयु 18 से 21 वर्ष तक बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अब इसे संसद में पेश किया जाएगा। निश्चित ही इस नयी व्यवस्था के बनने से नारी जीवन में एक नया उजाला होगा। एक मंजिल, एक दिशा और एक रास्ता, फिर भी स्त्री और पुरुष के जीवन में अनेक असमानताएं रही हैं, समाज की दो शक्तियां आगे-पीछे चल रही थीं। इस तरह की विसंगतियों एवं असमानताओं को दूर करने के लिये सोच के दरवाजे पर कई बार दस्तक हुई, जब-जब दरवाजा खोला गया, दस्तक देने वाला वहां से लौटता दिखाई दिया। लेकिन मोदी ने दस्तक भी दी और इसे साकार भी किया है, जिसका स्वागत होना चाहिए। क्योंकि इससे नारी तेजी से विकास करते हुए अपने जीवन में पसरी अनेक विसंगतियों को दूर होते हुए देख सकेंगी। लेकिन कानून बनाने का फायदा तभी है, जब उसे संपूर्णता में लागू किया जाये। परिवार व समाज को बेटियों के व्यापक हित के लिए ज्यादा ईमानदारी एवं संवेदना से सोचना अपेक्षित है। अब भारत में पुरुष और महिला, दोनों के लिए विवाह की न्यूनतम आयु सीमा 21 हो जाएगी, जो एक आदर्श एवं समतामूलक समाज की संरचना को आकार देगी। लड़कियों के विवाह की उम्र का प्रश्न केवल संतुलित समाज व्यवस्था से ही नहीं जुड़ा है बल्कि यह उनके स्वास्थ्य, सोच, सुरक्षा, विकास से भी जुड़ा है। हर देश, समाज एवं वर्ग विकसित होना चाहता है। विकास की दौड़ में महिलाएं भी पीछे क्यों रहें? यह प्रश्न अर्थहीन नहीं है, पर इसके समाधान में अनेक बिन्दुओं को सामने रखकर मोदी ने चिन्तन किया और एक नवनीत समाज एवं राष्ट्र के सम्मुख प्रस्तुत किया है। प्रधानमंत्री ने तब कहा था, 'सरकार बेटियों और बहनों के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित है। बेटियों को कुपोषण से बचाने के लिए जरूरी है कि उनकी सही उम्र में शादी हो।' इसके लिए एक टास्क फोर्स की स्थापना हुई थी, जिसमें स्वास्थ्य मंत्रालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, कानून मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। टास्क फोर्स ने पुरजोर तरीके से कहा था कि पहली गर्भावस्था के समय किसी महिला की आयु कम-से-कम 21 साल होनी चाहिए। सही समय पर विवाह होने पर परिवारों की वित्तीय, सामाजिक और स्वास्थ्य की स्थिति मजबूत होती है। परिपक्व उम्र में शादी होने का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि लड़कियों को ज्यादा पढ़ने और आजीविका चुनने का मौका मिलता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार मातृत्व मृत्यु दर गर्भावस्था पर उसके संक्रमित कारणों के चलते हर वर्ष एक लाख महिलाओं की मातृत्व के कारण मौत हो जाती है। मातृत्व मृत्यु दर का बड़ा कारण कम उम्र में शादियां होना ही है।

वे एक परिवार के कुशल संचालन में भी दक्ष हो जाती हैं। जगजाहिर है कि बड़ी संख्या में लड़कियों की पढ़ाई, रोजगार, परिवार संचालन की जिम्मेदारी कम उम्र में शादी की वजह से बाधित होती रही है। अपने मौलिक गुणों से सम्पन्न लड़कियां जिस किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ती हैं तो वह कल-कल करती नदी की तरह निर्मल व पवित्र रहती हुई न केवल स्वयं विस्तार पाती हैं बल्कि जहां-जहां से वह गुजरती हैं विविध रूपों में उपयोगी बनती जाती हैं। उपयोगी बनने की एक उम्र सीमा होती है। मोदी सरकार विवाह की उम्र सीमा बढ़ाने के बाद अब बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 में संशोधन पेश करेगी और इसके परिणामस्वरूप विशेष विवाह अधिनियम और हिन्दू विवाह अधिनियम 1955 जैसे व्यक्तिगत कानूनों में संशोधन लाएगी।

दिसम्बर 2020 में जया जेटली की अध्यक्षता वाली केन्द्र की टास्क फोर्स द्वारा नीति आयोग को सिफारिशें सौंपी गयी थीं। इस टास्क फोर्स का गठन मातृत्व की उम्र से संबंधित मामलों, मातृ मृत्यु दर को कम करने की अनिवार्यता, पोषण में सुधार से संबंधित मामलों की जांच के लिए किया गया था। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने इन्हीं सिफारिशों के आधार पर ही लड़कियों की विवाह उम्र बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। लड़कियों के विवाह की न्यूनतम आयु 21 वर्ष होने के अनेक फायदे हैं, सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि लड़कियों का आत्मविश्वास एवं मनोबल बढ़ेगा। वे अपने कैरियर एवं जीवन के लिये प्रभावी निर्णय लेने में सक्षम होंगी। वे बाल विवाह जैसे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने का साहस करेंगी। अत्याचार एवं शोषण का प्रतिकार कर सकेंगी। परिवार व समाज को बेटी के 21 साल की होने का इंतजार करना पड़ेगा। नारी को अपने जीवन स्तर को ऊंचा उठाना है, उन्हें एक ऐसा पेड़ बनना है जो छाया भी दे और फल भी दे। उनकी उपयोगिता बनी रहे।

गुजरते दौर में उन्होंने सुंदर कपड़े पहनना, सुन्दर व आकर्षक दिखना, सुंदर घर सजाना, ज्ञान और विज्ञान की सुंदर बातें करना सीख लिया है। इसकी उपयोगिता को नकारा नहीं जा सकता है, लेकिन अब उन्हें अपने पैरों पर खड़े होकर स्वयं को निर्मित करते हुए समाज एवं राष्ट्र के विकास में भी योगदान देना है। इसके लिये जरूरी है कि वे कच्ची उम्र में विवाह के बंधन एवं परम्परा से मुक्ति पायें। हालांकि कानून के बन जाने पर भी वे इन परम्पराओं एवं बंधनों से मुक्त हो जायेंगी, इसकी कोई गारंटी नहीं है। आज भी देश एवं दुनिया में नारी के सम्मान एवं अधिकार के लिये बने कानूनों की धज्जियां उड़ते हुए देखी जाती हैं।

समझ से परे है चुनाव सुधार बिल के विरोध में विपक्ष का हंगामा

अजय कुमार

देश में चुनाव की प्रक्रिया में सुधार की जरूरत काफी समय से महसूस की जा रही थी, बोगस वोटिंग हो या फिर जो मतदाता किन्हीं कारणों से मताधिकार का प्रयोग नहीं कर पाते हैं, दोनों ही लोकतंत्र के लिए चिंता के विषय हैं। इसके लिए चुनाव आयोग और देश की सबसे बड़ी अदालत (सुप्रीम कोर्ट) तक कई बार भारत सरकार को आगाह कर चुकी है। बुद्धिजीवी और समाज सुधारक भी निष्पक्ष चुनाव के लिए उपयोगी कदम उठाने की बात करते रहते हैं, लेकिन हमारे नेताओं और सरकारो ने इस ओर कभी कोई ध्यान ही नहीं दिया है। अब मोदी सरकार ने कुछ सख्त कदम उठाए हैं तो विपक्ष चुनाव सुधारों के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। यहां तक की चुनाव प्रक्रिया को मतदाता की निजता से जोड़ दिया है, वोटर कार्ड को आधार कार्ड से जोड़े जाने के खिलाफ ऐसा हो हल्ला मचाया जा रहा है जैसे वोटर कार्ड के आधार से लिंक होते ही मतदाता की सारी जानकारी सरकार के पास चली जाएगी, जबकि जो जानकारी सरकार के पास जाने की बात विपक्ष के नेता कर रहे हैं, वह जानकारी पहले से ही सरकार के पास मौजूद है, सरकार के पास लोगों की जानकारी है तो इसमें बुराई भी क्या है। इस पर चिंता तब तक नहीं करना चाहिए जब तक की सरकार अपने पास मौजूद आकड़ों का बेजा इस्तेमाल नहीं करती है। बहरहाल, मोदी सरकार की आलोचना के बजाए उसकी इस बात के लिए तारीफ करना चाहिए कि उसने चुनाव सुधार के लिए बड़ा कदम उठाया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि वह साझा मतदाता सूची बनाने की दिशा में जल्द तेजी देखने को मिलेगी।

यहां यह भी नहीं भूलना चाहिए कि भाजपा ने अपने चुनावी घोषणा-पत्र में साझा मतदाता सूची का वादा किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बार 'वन नेशन-वन इलेक्शन' की बात कह चुके हैं। मोदी सरकार बनने के बाद विधि आयोग ने भी 2015 में अपनी रिपोर्ट में एक देश-एक चुनाव और साझा मतदाता सूची की सिफारिश की थी, वैसे पहले भी भारत निर्वाचन आयोग ने वर्ष 1999 और वर्ष 2004 में इसी तरह की रिपोर्ट तत्कालीन सरकार को दी थी, लेकिन उस समय की सरकारों ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की थी। मोदी सरकार पूरे देश में एक ही मतदाता सूची पर राज्य सरकारों के बीच सहमति बनाने और इसी अनुरूप विधायी बदलाव करने पर विचार कर रही है। इस सिलसिले में दो विकल्प अपनाने पर विचार किया जा सकता है। पहला, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243 (के) और 243 (जेडए) में संशोधन करके देश के सभी चुनावों के लिए एक समान मतदाता सूची को अनिवार्य किया जा सकता है। यह नियम राज्य निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची तैयार करने और स्थानीय निकायों के चुनावों का संचालन करने का अधिकार देता है। दूसरा, निर्वाचन आयोग या भारत सरकार द्वारा राज्य सरकारों को अपने कानूनों में संशोधन करने और नगरपालिका तथा पंचायत चुनावों के लिए राष्ट्रीय निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची को अपनाने के लिए राजी किया जाए। बता दें संविधान का अनुच्छेद 324 (1) चुनाव आयोग को संसद और राज्य विधानसभाओं के चुनावों के लिए निर्वाचक नामावली की निगरानी, निर्देशन और नियंत्रण का अधिकार देता है। गौरतलब हो, इस समय देश में कई मतदाता सूचियां मौजूद हैं। देश के कई राज्यों में पंचायत और नगरपालिका चुनावों के लिए जिस मतदाता सूची का प्रयोग किया जाता है वह संसद और विधानसभा चुनावों के लिए उपयोग की जाने वाली सूची से भिन्न होती है। इस प्रकार के अंतर का मुख्य कारण यह है कि हमारे देश में चुनावों की देखरेख और उसके संचालन की जिम्मेदारी भारत निर्वाचन आयोग और राज्य निर्वाचन आयोग को दी गई है। कुछ राज्य अपने राज्य निर्वाचन आयोग को स्थानीय चुनाव के लिए राष्ट्रीय निर्वाचन आयोग द्वारा तैयार की गई मतदाता सूची का उपयोग करने की स्वतंत्रता देते हैं। जबकि कुछ राज्यों में निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची को केवल आधार के तौर पर प्रयोग किया जाता है। इस समय उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा, असम, मध्य प्रदेश, केरल, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड और जम्मू-कश्मीर को छोड़कर शेष राज्य और केंद्रशासित प्रदेश स्थानीय निकाय के चुनावों के लिए राष्ट्रीय चुनाव आयोग की मतदाता सूची का प्रयोग करते हैं।

लिहाजा संविधान में संशोधन करना आसान होगा। आम-आदमी के मन में इस सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर पूरे देश के लिए एक ही मतदाता सूची बनाए जाने की आवश्यकता क्यों है? तो हमें यह समझना होगा कि इसके माध्यम से ही मोदी सरकार की 'एक देश-एक चुनाव' की अवधारणा को मूर्त रूप दिया जा सकेगा, जिसकी घोषणा बीजेपी ने अपने घोषणापत्र में की थी। इसके अलावा एक मतदाता सूची होने से अलग-अलग मतदाता सूची के बनाने में आने वाले खर्च और श्रम दोनों की बचत होगी। इसके साथ ही एक ही मतदाता सूची बनाने के पीछे यह तर्क भी दिया जाता है कि दो अलग-अलग संस्थाओं द्वारा तैयार की जाने वाली अलग-अलग मतदाता सूचियों के निर्माण में काफी अधिक दोहराव होता है, जिससे मानवीय प्रयास और व्यय भी दोगुने हो जाते हैं। जबकि एक मतदाता सूची के माध्यम से इसे कम किया जा सकता है। इसके अलावा अलग-अलग मतदाता सूची होने से मतदाताओं के बीच भ्रम की स्थिति पैदा होती है, क्योंकि कई बार एक मतदाता सूची में व्यक्ति का नाम मौजूद होता है, जबकि दूसरे में नहीं। लिहाजा देश में साझा मतदाता सूची बनाए जाने की आवश्यकता है। खैर, उक्त नजरिया सत्ता पक्ष का है, जबकि विपक्ष की अपनी शंकाए हैं। विपक्ष कह रहा है कि जिस हड़बड़ी में मोदी सरकार द्वारा चुनाव सुधार विधेयक-2021 पारित कराया गया है। वह अच्छी मिसाल नहीं हैं। विपक्ष का आरोप है कि आधार को वोटर आईडी कार्ड से जोड़ने की बात जब से शुरू हुई है, तभी से इसके संभावित दुरुपयोग की आशंकाएं भी जताई जा रही हैं। इन्हीं आशंकाओं की वजह से इसका विरोध भी हो रहा है। 2015 में चुनाव आयोग की तरफ से आधार डेटा के सहारे मतदाता सूची से फर्जी नाम हटाने और दोहराव मिटाने का एक पायलट प्रॉजेक्ट शुरू किया गया था। मगर सुप्रीम कोर्ट ने इस पहल पर रोक लगा दी थी। यह बात बार-बार स्पष्ट होती रही है कि आधार कार्ड का इस्तेमाल पते के सबूत के रूप तो किया जा सकता है, लेकिन इसे किसी की नागरिकता का प्रमाण नहीं करार दिया जा सकता। हालांकि मौजूदा विधेयक में आधार नंबर को वोटर आईडी कार्ड से जोड़ने की व्यवस्था को ऐच्छिक रखा गया है और इसी आधार पर सरकार इसके विरोध को अनावश्यक बता रही है, लेकिन विपक्ष को लगता है कि भारत सरकार जब चाहेगी,एच्छिक वाले प्रावधान को खत्म करके इसे जरूरी करने में देरी नहीं करेगी।

राजनीति की पिच पर कभी सफल खिलाड़ी नहीं साबित हुए राकेश टिकैत

संजय सक्सेना

भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत का अगला कदम क्या होगा, इसको लेकर तमाम अटकलें चल रही हैं। खासकर टिकैत के राजनीतिक रुख को लेकर लोग कुछ ज्यादा ही परेशान हैं। लेकिन टिकैत की तरफ से अभी तक कुछ स्पष्ट नहीं किया गया है। उनकी बातों से यही लग रहा है कि वह राजनीति से दूरी बनाकर रखेंगे। इसका कारण भी है। राकेश टिकैत ने बड़ा आंदोलन चलाकर जो अपनी छवि बनाई है वह उसे खराब होता देखना शायद ही पसंद करें। राजनीति में कदम रखते हैं तो उनके ऊपर कई तरह के आरोप लगने लगेंगे। वैसे भी टिकैत राजनीति के मैदान में कभी सफल खिलाड़ी नहीं साबित हुए हैं। टिकैत ने पहली बार 2007 के यूपी विधानसभा चुनाव में किस्मत आजमाई थी। उस समय प्रदेश में बसपा की हुकूमत थी। टिकैत ने मुजफ्फरनगर की खतौली विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था। हालांकि, उन्हें जीत नसीब नहीं हुई थी। इस हार के बाद राकेश टिकैत ने साल 2014 में राष्ट्रीय लोक दल के टिकट पर अमरोहा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था। लेकिन, इस चुनाव में भी टिकैत को हार का सामना करना पड़ा था। इस चुनाव में टिकैत को केवल 9,359 वोट मिले थे। बात 2007 के यूपी विधानसभा चुनाव की कि जाए तो उस चुनाव में भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत ने कांग्रेस का हाथ थामा था। भारतीय किसान यूनियन की राजनीतिक पार्टी बहुजन किसान दल ने कांग्रेस के साथ गठबंधन में जाने का फैसला किया था। उस समय कांग्रेस ने फैसला लिया था कि राकेश टिकैत के खिलाफ पार्टी अपना कोई प्रत्याशी नहीं उतारेगी। वहीं, बहुजन किसान दल ने भी कांग्रेस के पक्ष में पश्चिमी यूपी की कई सीटों पर अपने प्रत्याशी वापस लेने की बात कही थी। फिर भी टिकैत बुरी तरह से चुनाव हार गए थे। राजनीति के इन्हीं कड़वे अनुभवों की वजह से राकेश टिकैत दोबारा से चुनावी राजनीति में कदम नहीं रखना चाहते हैं। बात आगे की कि जाए तो कई मौकों पर यह भी देखने को मिला है कि राकेश टिकैत ने किसी चुनाव में जिस प्रत्याशी का समर्थन किया वह जीत हासिल नहीं कर सका। यहां पर हाल ही में संपन्न हुए पंचायत चुनावों की भी बात करना जरूरी है। यह चुनाव उस समय हुए थे जब किसान आंदोलन उभार पर था और राकेश टिकैत इसकी मुखर आवाज बने हुए थे। ऐसा लग रहा था कि किसानों के बीच प्रदेश में भाजपा विरोधी लहर चल रही है, जिसके चलते यह उम्मीद जताई जा रही थी कि पंचायत चुनाव में कम से कम पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तो भाजपा को करारी हार का सामना करना ही पड़ेगा, लेकिन नतीजे भाजपा के पक्ष में आए। 2016 में हुए पंचायत चुनाव के मुकाबले बीजेपी ने काफी बेहतर प्रदर्शन किया था। वहीं समाजवादी पार्टी सहित अन्य दलों के खाते में काफी कम सीटें आई थीं। बहरहाल, हो सकता है कि किसान आंदोलन खत्म नहीं हुआ होता तो राकेश टिकैत खुद या अपने किसी करीबी को विधानसभा चुनाव लड़ा देते या फिर किसी दल का समर्थन करते, लेकिन आंदोलन खत्म हो गया है। केंद्र सरकार ने किसानों की बातें मान ली हैं, इसलिए किसानों की मोदी सरकार से नाराजगी काफी कम हो चुकी है। इसके अलावा भी मोदी-योगी सरकार द्वारा किसानों के लिए जो कुछ किया जा रहा है वह किसी से छुपा नहीं है। एक बात और ध्यान देने वाली है कि राकेश टिकैत ने आंदोलन के सहारे जो अपनी संघर्ष वाली इमेज बनाई है, वह इमेज उनके किसी दल से चुनाव लड़ने से टूट सकती है। फिर वह आगे कभी कोई आंदोलन भी नहीं चला पाएंगे। वैसे भी टिकैत पर कांग्रेस और सपा समर्थक तथा भाजपा विरोधी होने का आरोप लग रहा है।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रात: 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

संक्षिप्त समाचार

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और यू एग्रो के बीच ऋण मुहैया करवाने के लिए समझौता

बेंगलुरु। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को ऋण प्रदान करने वाले वित्तीय एवं प्रौद्योगिकी मंच यू ग्रो कैपिटल ने बुधवार को कहा कि उसने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के साथ ऋण मुहैया कराने के लिए एक समझौता किया है। एक बयान में बताया गया कि उनकी अगले 12 महीने में एमएसएमई क्षेत्र की इकाईयों के बीच 1,000 करोड़ रुपये के ऋण वितरण की योजना है। इसमें बताया गया कि यह ऋण यू एग्रो कैपिटल के प्रथम, संजीवनी, साथी, ग्रो एमएसएमई और मशीनरी फाइनेंसिंग जैसे कार्यक्रमों के तहत एमएसएमई क्षेत्र की विभिन्न इकाईयों को दिया जाएगा। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के कार्यकारी निदेशक राजीव पुरी ने कहा कि इस समझौते से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को किफायती दरों पर ऋण उपलब्ध करवाया जा सकेगा। यू एग्रो कैपिटल के कार्यकारी अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक सचिंद्र नाथ ने कहा कि यह पहली बार है जब इस मंच ने अपने सभी कार्यक्रमों के लिए सह-ऋण प्रदाता समझौता किया है।

फेम दो योजना में बदलाव के बाद इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री बढ़ी : सरकार

नई दिल्ली। भारी उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि इस साल जून में फेम दो योजना में बदलाव के बाद इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री प्रति सप्ताह 700 प्रतिशत बढ़कर 5,000 इकाई हो गई है। इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने और विनिर्माण की योजना (फेम)का दूसरा चरण इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की मांग को बढ़ावा देने के लिए 10,000 करोड़ रुपये के खर्च के साथ शुरू की गई है। इस योजना को विशेष रूप से कोरोना वायरस महामारी के दौरान अनुभव और उद्योग तथा उपयोगकर्ताओं से प्रतिक्रिया के आधार पर जून 2021 में नया रुप दिया गया था। संशोधित योजना का उद्देश्य शुरूआती लागत को कम करके इलेक्ट्रिक वाहनों का तेजी से बढ़ावा देना है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, जून 2021 में फेम दो योजना में बदलाव के बाद बिजली से चलने वाले दो पहिया वाहनों की बिक्री प्रति सप्ताह 700 प्रतिशत बढ़कर पांच हजार वाहन हो गई है।

देश में वित्तीय सेवाएं भौतिक, डिजिटल दोनों स्वरूपों में बनी रहेंगी: एसबीआई चेयरमैन

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने बुधवार को कहा कि विस्तृत भौगोलिक क्षेत्र के कारण भारत में वित्तीय सेवाएं भौतिक और डिजिटल दोनों स्वरूपों में बनी रहेंगी। खारा ने उद्योग मंडल फिक्की और भारतीय बैंक संघ (आईबीए) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, भारत में हम विभिन्न प्रकार के ग्राहकों को सेवा देते हैं। हम उन लोगों की भी सेवा करते हैं जो डिजिटल जानकारी रखते हैं और जो सभी चीज बस एक फोन के बटन दबाने पर चाहते हैं। साथ ही वैसे ग्राहक भी हैं, जिनके लिए वित्तीय और डिजिटल साक्षरता एक बड़ी चुनौती है।'' उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारत जैसे देश में या तो यह या फिर वो की स्थिति नहीं हो सकती। यहां वित्त सेवा के डिजिटल और भौतिक दोनों तरीके सह-अस्तित्व में रहेंगे। यह एक तरह से फिजिटल होगा।

केंद्रीय मंत्री नीतिन गडकरी बोले- NHAI की पथकर आय अगले तीन साल में बढ़कर 1.40 लाख करोड़ होगी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नीतिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की पथकर से होने वाली आय अगले तीन साल में 40,000 करोड़ रुपये सालाना से बढ़कर 1.40 लाख करोड़ रुपये प्रति वर्ष हो जायेगी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के बुनियादी ढांचा क्षेत्र में निवेशकों के लिए एक बड़ा अवसर है क्योंकि हर साल यातायात में वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा, एनएचएआई की वर्तमान में सालाना पथकर आय 40,000 करोड़ रुपये है। अगले तीन साल में यह बढ़कर 1.40 लाख करोड़ रुपये प्रति वर्ष हो जायेगी। बुनियादी ढांचा क्षेत्र में निवेशकों को निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए गडकरी ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ रहा है। साथ ही स्वाभाविक रूप से बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर रिटर्न की दर में भी वृद्धि हो रही है।

महाराष्ट्र सरकार ने होटल उद्योग से इलेक्ट्रिक वाहन नीति का समर्थन करने का आग्रह किया

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने होटल और रेस्तरां उद्योग से राज्य की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति का समर्थन करने का आग्रह किया है। राज्य सरकार ने अपनी इस नीति के तहत 2025 तक महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) के 15 प्रतिशत वाहनों को ईवी में बदलने का लक्ष्य रखा है। राज्य के पर्यटन और पर्यावरण मंत्री आदित्य उद्धव ठाकरे ने शैले होटल्स के साथ बैठक के बाद कहा, इलेक्ट्रिक वाहन के क्षेत्र में महाराष्ट्र को अग्रणीबनाने के मकसद से व्यापक ईवी नीति तैयार की गई है। उन्होंने कहा, मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी), बुनियादी ढांचा और प्रोत्साहन के साथ हम राज्य में ईवी के चौतरफा विकास को उत्सुक हैं। यह नीति निजी क्षेत्र के समर्थन के बिना पूरी तरह सफल नहीं हो सकती है। शैले होटल्स ने कहा कि वह 2025 तक अपने सभी वाहनों को इलेक्ट्रिक गाड़ियों में तब्दील करने को प्रतिबद्ध है।

श्रीलंका में ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी, ऋण सहायता के लिए भारत के साथ बातचीत

कोलंबो। श्रीलंका की सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनी और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की स्थानीय सहायक इकाई ने देश में विदेशी मुद्रा भंडार के गंभीर संकट के बीच पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ा दी हैं। दूसरी ओर सरकार ने कहा है कि भारत और ओमान के साथ ईंधन खरीद के लिए ऋण सहायता पर बातचीत की जा रही है।

सरकारी सीलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीपीसी) ने सरकार से कीमतों में बढ़ोतरी की मांग की थी। हालांकि, सरकार ने उन्हें अक्टूबर के बाद से अब तक ईंधन की कीमतें बढ़ाने की अनुमति नहीं दी थी। ताजा फैसले में सीपीसी ने पेट्रोल की कीमत में 20 रुपये और डीजल की कीमत में 10 रुपये की बढ़ोतरी की है। अब वहां पेट्रोल 177 रुपये और डीजल 121 रुपये प्रति लीटर के भाव पर बिक रहा है। श्रीलंका इस समय एक गंभीर विदेशी मुद्रा संकट का सामना कर रहा है।

निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में दी जानकारी

विजय माल्या और नीरव मोदी की संपत्ति बेचकर जुटाए गए 13,109 करोड़ रुपये

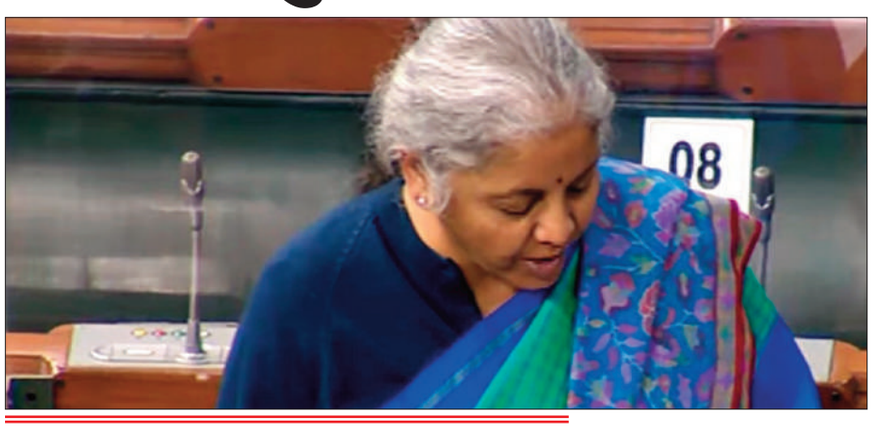

लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जानकारी देते हुए बताया कि इन तीनों भगोड़े कारोबारियों से अब तक बैंकों ने 13109 करोड़ रुपये रिकवर किए हैं। निर्मला सीतारमण ने बताया कि, इन डिफॉल्टरों की संपत्तियां बेचकर बैंकों ने यह रकम वसूल की है।

एजेंसी

नई दिल्ली। देश को हजारों करोड़ का चूना लगाकर विदेश भागने वाले कारोबारी विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चौकसी को वापस लाने के लिए तो भारत सरकार प्रयासरत है ही। इसके अलावा देश में इनकी संपत्तियों को बेचकर बैंक अपना पैसा भी रिकवर कर रहे हैं। विजय माल्या, नीरव मोदी, और मेहुल चौकसी से अब तक बैंकों ने 13109 करोड़ रुपये रिकवर किए हैं। इस बात की जानकारी संसद में दी गई। लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जानकारी देते हुए बताया कि इन तीनों भगोड़े कारोबारियों से अब तक बैंकों ने 13109 करोड़ रुपये रिकवर किए हैं। निर्मला सीतारमण ने बताया कि, इन डिफॉल्टरों की संपत्तियां बेचकर बैंकों ने यह रकम वसूल की है। प्रवर्तन निदेशालय ने एंटी मनी लांड्रिंग एक्ट(PMLA) के तहत कार्यवाही करते हुए संपत्ति जब्ती है।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि, इस साल जुलाई में भारतीय स्टेट बैंक के नेतृत्व में बैंकों के संघ ने विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चौकसी जैसे डिफॉल्टरों से 792.11 करोड़ रूपये वसूल किए थे। वित्त मंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि, पिछले साल में कुल 5.49 लाख करोड़ रुपये के फंसे कर्ज का समाधान कर लिया गया है।

यूके में है विजय माल्या

विजय माल्या किंगफिशर एयरलाइंस से जुड़े 9 हज़ार करोड़ से अधिक के बैंक लोन का डिफॉल्टर है। विजय माल्या ब्रिटेन में है और भारत सरकार उसे वापस लाने की कोशिश कर रही है। आपको बता दें कि इसी साल ब्रिटेन की एक अदालत ने जुलाई में विजय माल्या को दिवालिया घोषित किया था। जिसके बाद भारतीय स्टेट बैंक की अगुवाई में उसकी बंद पड़ी एयरलाइंस किंगफिशर से वसूली को लेकर उसकी संपत्तियां जब्त करने का रास्ता साफ हो गया था।

लंदन में है नीरो मोदी

भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी पर पंजाब नेशनल बैंक का 2 अरब डॉलर का बकाया है। नीरव मोदी मार्च 2019 में गिरफ्तारी के बाद से दक्षिण पश्चिम लंदन की एक जेल में बंद है,और भारत में होने वाले प्रत्यर्पण का मुकदमा लड़ रहा है। नीरव मोदी को दिसंबर 2019 में भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया था। मुंबई की एक विशेष अदालत ने इस साल अगस्त में नीरव मोदी के कंपनियों से जब्त की गई 500 करोड़ की संपत्ति का हक पंजाब नेशनल बैंक को देने की अनुमति दी थी।

मेहुल चौकसी पर भी हैं आरोप

नीरव मोदी के रिश्तेदार मेहुल चौकसी पर भी पंजाब नेशनल बैंक के साथ 14 हज़ार करोड़ रुपए की बैंक लोन धोखाधड़ी का आरोप है। आपको बता दें कि जुलाई 2021 में उसे डोमिनिका में एक अदालत ने जमानत दे दी थी। चौकसी भारत से फरार होने के बाद 2018 से एंटीगा में रह रहा है बीच में वह वहां से लापता हो गया था बाद में उसे अवैध एंट्री के चलते इस साल पड़ोसी देश डेमिनिका में मई में गिरफ्तार किया गया था।

अमेजन ने ईडी जांच के दायरे पर दिल्ली उच्च न्यायालय से स्पष्टीकरण का आग्रह किया

एजेंसी

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर कर विदेशी मुद्रा विनिमय उल्लंघन के कथित आरोप में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के दायरे में स्पष्टीकरण का आग्रह किया। अमेजन ने पिछले महीने कहा था कि उसे फ्यूचर ग्रुप के साथ हुए सौदे के संबंध में ईडी से समन मिला है।

सूत्रों के मुताबिक, अमेजन ने अपनी याचिका में कहा है कि ईडी कारोबार की सामान्य प्रक्रिया में विशिष्ट एवं गोपनीय विधिक सलाह मांगकर अपनी जांच का दायरा बढ़ा रही है। कंपनी का कहना है कि भारत में ई-कॉमर्स कारोबार शुरू करने के बाद की गतिविधियां भी जांच के दायरे में लाई गई हैं। मेरिकी ई-कॉमर्स कंपनी ने कहा कि ईडी का उससे ऐसी सूचनाएं मांगना स्वीकृत न्यायिक मानकों के खिलाफ है। हालांकि उसने कहा है कि उसका यह अनुरोध फ्यूचर एवं अमेजन बीच हुए सौदे में प्रवर्तन निदेशालय की जांच से संबंधित नहीं है। इस बारे में संपर्क किए जाने पर अमेजन ने कोई टिप्पणी नहीं की। सूत्रों के मुताबिक, अमेजन ने उच्च न्यायालय से इस बारे में भी परामर्श मांगा है कि फ्यूचर-अमेजन सौदे से न जुड़े रहे उसके अधिकारियों को भी पूछताछ के लिए बुलाने के पीछे क्या तर्क है? अमेजन एवं फ्यूचर ग्रुप के बीच कानूनी विवाद चल रहा है। फ्यूचर ग्रुप ने गत अगस्त में रिलायंस रिटेल के साथ 24,500 करोड़ रुपये का सौदा किया था।

उस सौदे को अमेजन फ्यूचर ग्रुप के साथ 2019 में हुए अपने निवेश समझौते का उल्लंघन बताया है। हालांकि भारतीय प्रतिस्पर्द्धा आयोग ने पिछले हफ्ते फ्यूचर कूपंस प्राइवेट लिमिटेड में हिस्सेदारी खरीद के लिए अमेजन के सौदे को दी गई अपनी मंजूरी निलंबित कर दी।

अपना उपभोक्ता बैंक व्यापार बेच रहा है सिटी बैंक

खरीदारों की रेस में एक्सिस बैंक सबसे आगे

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका का सिटी बैंक भारत से अपना कारोबार समेटने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए सिटी बैंक अपने कंजूमर बैंकिंग बिजनेस को बेचेगा, सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, निजी क्षेत्र के एक्सिस बैंक ने सिटी बैंक के उपभोक्ता कारोबार को खरीदने के लिए सबसे बड़ी बोली लगाई है।

आपको बता दें कि, अमेरिका के सिटी बैंक ने अप्रैल में वैश्विक रणनीति के तहत भारत में अपने उपभोक्ता बैंक कारोबार से अलग होने के लिए अपने योजना की घोषणा की थी। पिछले कई सालों से अमेरिका का सिटी बैंक भारत में अपने रिटेल व्यापार को बेचने के लिए खरीदार ढूंढ रही थी। सिटी बैंक देश में क्रेडिट कार्ड, खुदरा बैंकिंग, और धन प्रबंधन जैसी सर्विस उपलब्ध कराता है। सिटी बैंक की देश में कुल 35 शाखाएं हैं और इस उपभोक्ता बैंक व्यवसाय से तकरीबन चार हज़ार लोग जुड़े हैं। सूत्रों के मुताबिक सिटी बैंक के इस व्यापार को खरीदने के लिए अभी तक एक्सिस बैंक ने सबसे बड़ी बोली लगाई है। एक्सिस बैंक की बोली में सिटी बैंक के बैंकिंग व्यापार की कीमत मूल्यांकन करके 2 बिलियन डॉलर यानी तेरा हजार करोड़ रुपए लगाई गई है। सूत्रों के मुताबिक यह सौदा 13000 करोड़ रुपए में हो सकता है। सूत्रों ने बताया कि, एक्सिस बैंक की इस बोली को जीतने के बाद से उसके बैलेंस शीट के आकार का विस्तार होगा और खुदरा क्षेत्र में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी।

सूत्रों ने बताया कि, एक्सिस बैंक की इस बोली को जीतने के बाद से उसके बैलेंस शीट के आकार का विस्तार होगा और खुदरा क्षेत्र में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। सिटी इंडिया का खुदरा कारोबार खरीदने की तैयारियों में एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक भी शामिल थे। इस रेस में सिंगापुर का डीबीएस बैंक भी शामिल था।

सिटी इंडिया का खुदरा कारोबार खरीदने की तैयारियों में एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक भी शामिल थे। इस रेस में सिंगापुर का डीबीएस बैंक भी शामिल था। आपको बता दें कि सिटी बैंक का भारत में खुदरा कारोबार 2 अरब का है। सिटी इंडिया ने क्रेडिट कार्ड, मॉर्गेज, वेल्थ मैनेजमेंट और डिपाजिट आदि के जरिये भारत में 2 अरब डॉलर से अधीक का खुदरा कारोबार स्थापित किया है। आपको बताते चलें कि, सिटी बैंक भारत में 1902 से मौजूद हैं, और 1985 से यह कंजूमर बैंकिंग बिजनेस में काम कर रहा है। अभी भारत में सिटी बैंक के 35 ब्रांच है। और कंजूमर बैंकिंग बिजनेस में करीब चार हज़ार कर्मचारी काम कर रहे हैं। अगर सौदा तय हो जाता है तो यह सभी एक्सिस बैंक का हिस्सा हो जाएंगे।

Zee-Sony मर्जर को मंजूरी, देश का होगा सबसे बड़ा Entertainment नेटवर्क

सौदे की शर्तों के अनुसार, सोनी ZEEL में 1.575 बिलियन डॉलर (लगभग 11,627 करोड़ रुपये) का निवेश करेगी, जिससे विलय की गई संपत्ति में अपनी हिस्सेदारी 52.93 प्रतिशत हो जाएगी। शेष 47.07 प्रतिशत हिस्सेदारी ZEEL के शेयरधारकों के पास होगी।

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रमुख मीडिया फर्म सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया प्रालि (एसपीएनआई) और जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेस लिमिटेड (जील) ने बुधवार को कहा कि उनके बीच विलय के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं। दोनों कंपनियों ने अपने संयुक्त बयान में कहा कि ''जील और एसपीएनआई के बीच विलय संबंधी समझौता हुआ है जिसके तहत उनके लाइनर नेटवर्क, डिजिटल संपत्तियों, निर्माण परिचालन और कार्यक्रम लाइब्रेरी को साथ लाया जाएगा।'' सितंबर में जब विलय की घोषणा हुई थी तब दोनों नेटवर्क ने कहा था कि सोनी 1.575 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगी और विलय करके बनाई गई नई इकाई में 52.93 प्रतिशत हिस्सेदारी रखेगी और इसमें जील की हिस्सेदारी 47.07 प्रतिशत रहेगी। बयान में कहा गया कि इस समझौते के तहत एसपीएनआई के पास लगभग 1.5 अरब अमेरिकी डॉलर का नकद अधिशेष उपलब्ध होगा। इसमें कहा गया कि जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेस लिमिटेड के पुनीत गोयनका विलय के बाद बनी इकाई के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी होंगे।

इन शर्तों पर हुआ सौदा

सौदे की शर्तों के अनुसार, सोनी ZEEL में 1.575 बिलियन डॉलर (लगभग 11,627 करोड़ रुपये) का निवेश करेगी, जिससे विलय की गई संपत्ति में अपनी हिस्सेदारी 52.93 प्रतिशत हो जाएगी। शेष 47.07 प्रतिशत हिस्सेदारी ZEEL के शेयरधारकों के पास होगी। बता दें कि, ZEEL की 96.01 प्रतिशत हिस्सेदारी सार्वजनिक है, जिसमें प्रमोटरों के पास 3.99 प्रतिशत है। नई यूनिट के नौ सदस्यीय बोर्ड में अब सोनी के पांच अधिकारी मौजूद रहेंगे, जबकि Zee देश में अपनी स्टॉक मार्केट लिस्टिंग को बरकरार रखेगा। आपको बता दें कि, इस विलय से भारत में सबसे बड़ा मनोरंजन नेटवर्क बनने की उम्मीद है जो कि स्टार और डिजनी से भी आगे निकलेगी। मर्ज किए गए नेटवर्क में 70 टीवी चैनल, दो वीडियो स्ट्रीमिंग सेवाएं (ZEE5 और Sony LIV) और दो फिल्म स्टूडियो (Zee Studios और Sony Pictures Films India) एक साथ जुड़ेंगे। TOI की एक रिपोर्ट के अनुसार, जील की मौजुदगी 173 से अधिक देशों में है, जो हर हफ्ते भारत में 600 मिलियन से अधिक लोगों तक पहुंचती है, जबकि सोनी 167 देशों में उपस्थिति के साथ भारत में 700 मिलियन दर्शकों तक पहुंचती है। जानकारी के लिए बता दें कि, जील के पास सोनी के तुलना में एक बड़ा नेटवर्क व्यूअरशिप शेयर है। ZEEL के जुड़ने के साथ, SPNI ने अब लगभग 260,000 घंटे की टीवी सामग्री, दुनिया की सबसे बड़ी हिंदी फिल्म लाइब्रेरी और विभिन्न भाषाओं में 4,800 से अधिक मूवी टाइटल को भी जोड़ा लिया है।

कानून | **हफ्ते में 4 दिन करना होगा काम पर कम होगी सैलरी**

नए श्रम कानूनों को लागू करने की तैयारी में है सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार चारों श्रम कानूनों को लागू करने जा रही है, संभावना है कि अगले वित्त वर्ष में यह कानून लागू हो जाएंगे। कानून के लागू होते ही टेक होम सैलेरी और पीएफ स्ट्रक्चर में बदलाव आएगा। काम हफ्ते में 4 दिन हो जाएगा, सैलरी पहले से कम मिलेगी। मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, इंडस्ट्रियल रिलेशन, बिजनेस सिक्योरिटी, स्वास्थ्य और काम करने की स्थिति पर ही ये चारों कानून है। इन चार श्रम कानूनों को अगले वित्त वर्ष में लागू किया जा सकता है।

श्रम मंत्री ने कानून के बारे में क्या कहा

केंद्रीय श्रम मंत्री भूपेंद्र यादव ने इस हफ्ते की शुरुआत में राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में जानकारी दी थी कि, बिजनेस सिक्योरिटी, स्वास्थ्य और काम करने की स्थिति पर श्रम कानून के मसौदा नियमों को कम से कम तेरा राज्य तैयार कर चुके हैं। इसके अलावा 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने मजदूरी पर श्रम कानून के मसौदा नियमों को तैयार किया है। औद्योगिक संबंध संहिता के मसौदा नियमों को 20 राज्यों ने और सामाजिक सुरक्षा संहिता के मसौदा नियमों को 18 राज्यों ने तैयार कर लिया है।

केंद्रीय श्रम मंत्री भूपेंद्र यादव ने इस हफ्ते की शुरुआत में राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में जानकारी दी थी कि, बिजनेस सिक्योरिटी, स्वास्थ्य और काम करने की स्थिति पर श्रम कानून के मसौदा नियमों को कम से कम तेरा राज्य तैयार कर चुके हैं।

सभी राज्य लागू कर सकते हैं कानून

श्रम कानूनों के अगले वित्त वर्ष 2022-23 में देश में लागू होने की उम्मीद है। बड़ी संख्या में राज्यों ने इनके मसौदा नियमों को अंतिम रूप दे दिया है। केंद्र सरकार की ओर से फरवरी 2021 में इन कानूनों के मसौदा नियमों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई थी। क्योंकि श्रम संविधान की समवर्ती सूची में है, मतलब यह केंद्र और राज्य दोनों का विषय है। और केंद्र और राज्य दोनों इन विषयों पर कानून बना सकते हैं। इसलिए केंद्र चाहता है कि राज्य भी इस नियम को लागू करें।

4 दिन का हफ्ते में 3 दिन छुट्टी मिलेगी

बता दें कि, नए वेज कोड में छुट्टी को लेकर भी प्रावधान है। इसका असर सैलरी पाने वाले और फैक्ट्रियों और मजदूर जो मिल में काम करते हैं उन पर पड़ेगा। काम करने के घंटों में तब्दीली की गई है।

नए कोड के मुताबिक, दिन में अब 12 घंटे काम करना होगा और हफ्ते में 48 घंटे। इस तरह काम करने वाले लोगों को हफ्ते में 3 दिन की छुट्टी भी मिलेगी। काम करने के घंटों को लेकर लेबर यूनियन ने सवाल उठाए हैं, इस पर सरकार ने कहा कि काम तो 48 घंटे ही करना होगा अगर कोई दिन में कोई 8 घंटे काम करता है तो उसे हफ्ते में 6 घंटे काम करना होगा और हफ्ते में एक दिन की छुट्टी मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में कोविड-19 रोधी दवा को मंजूरी दी गई, बाइडन ने बताया "महत्वपूर्ण कदम"

वाशिंगटन। अमेरिकी स्वास्थ्य नियामकों ने बुधवार को एक कोविड-19 रोधी दवा को मंजूरी दी, जिसे राष्ट्रपति जो बाइडन ने वैश्विक महामारी से निपटने की दिशा में एक ''महत्वपूर्ण कदम'' बताया है। यह दवा 'फाइज़र' की एक गोली है, जिसे अमेरिका के लोग संक्रमण के खतरनाक असर से बचने के लिए घर पर ही ले पाएंगे। बाइडन ने कहा कि उनका प्रशासन दवा का सामान वितरण सुनिश्चित करने के लिए भी कदम उठाएगा। यह 'पैक्सलोविड' दवा संक्रमण की चपेट में आते ही उससे निपटने का एक बेहतर तरीका है, हालांकि इसकी प्रारंभिक आपूर्ति बेहद सीमित होगी। संक्रमण से निपटने के लिए अब तक जिन दवाओं को अधिकृत किया गया है, उन सभी के लिए आईवी या इंजेक्शन की जरूरत होती है। वहीं, 'मर्क' दवा कम्पनी की भी एक संक्रमण रोधी गोली को जल्द ही अधिकृत किया जा सकता है।

ओमीक्रोन : थाईलैंड ने भारतीय यात्रियों के लिए देश में प्रवेश के नियमों में बदलाव किया

मुंबई। थाईलैंड के पर्यटन प्राधिकरण ने ओमीक्रोन के बढ़ते मामलों के मद्देनजर भारतीय यात्रियों के लिए फुकेट को छोड़ अन्य प्रवेश द्वारों से देश में दाखिल होने के नियमों में बुधवार को बदलाव किया। थाईलैंड पर्यटन प्राधिकरण ने एक बयान में बताया कि फुकेट सैंडबॉक्स योजना के तहत भारतीयों के लिए फुकेट खुला रहेगा और यात्रियों को केवल आरटीपीसीआर जांच के नतीजे आने तक होटल में इंतजार करना होगा। बयान में कहा गया कि अगर रिपोर्ट निगेटिव आती है तो वे फुकेटमें घूम सकते हैं, पांचवे और छठे दिन भी आरटी-पीसीआर जांच रिपोर्ट निगेटिव आने पर यात्री थाईलैंड के अन्य हिस्सों में भी जा सकते हैं। थाईलैंड पर्यटन प्राधिकरण के मुंबई कार्यालय में निदेशक चोलदा शिद्दिवरन ने कहा, ''हमें भारतीयों का थाईलैंड में स्वागत करके खुशी है। हालांकि, हमने फुकेट को छोड़कर अन्य रास्तों से हमारे देश में दाखिल होने के नियमों में बदलाव किया है। यह कदम वायरस के नए स्वरूप (ओमीक्रोन) से संक्रमण के मामलों में वृद्धि के मद्देनजर उठाया गया है।

US सीक्रेट सर्विस का बड़ा खुलासा, कोविड-19 राहत कोष से हुई 100 बिलियन की चोरी हुई

वाशिंगटन। अमेरिका की सीक्रेट सर्विस कोरोना महामारी राहत कार्यक्रमों के बड़े घोटाले की जांच में लगी है। एक चौंकाने वाले खुलासे में अमेरिकी गुप्त सेवा ने कथित तौर पर कहा है कि संयुक्त राज्य में कोरोना वायरस राहत कार्यक्रमों से कम से कम 100 बिलियन की चोरी हुई है। महामारी की वजह से व्यवसायों और अपनी नौकरी गंवाने वाले लोगों की मदद के लिए स्थापित कोविड -19 राहत कार्यक्रमों से ये फ्रॉड हुआ है। एजेंसी ने कथित तौर पर बेरोजगारी लाभ और ऋण धोखाधड़ी में 1.2 बिलियन डॉलर की वसूली की, जबकि धोखाधड़ी राशि में 2.3 बिलियन डॉलर लौटाए और महामारी के दौरान किए गए धोखाधड़ी से जुड़े 900 से अधिक मामलों की जांच चल रही है।

वर्जीनिया के पूर्वी जिले की अटॉर्नी जेसिका एबर ने कहा कि इस साल की शुरुआत से एजेंसी ने 30 प्रतिवादियों' पर कोविड-19 महामारी से जुड़े योजनाओं में धोखाधड़ी के आधार पर मामला दर्ज किया। एजेंसी ने कहा कि धोखाधड़ी पेचेक प्रोटेक्शन प्रोग्राम (पीपीपी), आर्थिक चोट आपदा ऋण (ईआईडीएल) कार्यक्रम और बेरोजगारी बीमा (यूआई) कार्यक्रम से संबंधित थी। पीपीपी धोखाधड़ी में एजेंसी ने पाया कि व्यक्तिगत व्यवसाय के मालिकों ने बड़े ऋण प्राप्त करने के लिए पेरोल खर्च बढ़ा दिया था और व्यावसायिक संस्थाओं और आय के बारे में झूठे दावों का उपयोग करके कई ऋणों के लिए आवेदन किया था। बेरोजगारी बीमा धोखाधड़ी घोटाले में एजेंसी ने पाया कि आपराधिक समूहों ने यूआई लाभों के लिए फाइल करने के लिए चोरी की पहचान का उपयोग करके धन को लक्षित किया था। एजेंसी ने फर्जी वेबसाइटों को भी बंद कर दिया। गौरतलब है कि अमेरिकी संसद (कांग्रेस) ने साल 2020 में 900 अरब डॉलर के कोरोना वायरस राहत पैकेज को मंजूरी दी थी। बेरोजगारों को मदद के लिए 120 अरब डॉलर, पेचेक प्रोटेक्शन प्रोग्राम, 284 अरब डॉलर, क्सीन, टेस्टिंग, हेल्थ प्रोवाइडर्स के लिए 69 अरब डॉलर, 166 अरब डॉलर की डायरेक्टर पेमेंट आदि शामिल थे। अमेरिका के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा पैकेज बताया गया।

चीन के आक्रामक रवैये ने यूरोप को किया दूर, ताइवन से बढ़ी नजदीकी

बीजिंग। शिनजियांग में मानवाधिकारों के हनन की खबर लगातार आती रहती है। यूरोप ने पहला आधिकारिक संसदीय प्रतिनिधिमंडल ताइवान भेजा है। सामान्य रूप से स्थिर यूरोपीय संघ ने दुनिया की बढ़ती महाशक्ति पर अपने रुख में बदलाव करते हुए दुनिया के बाकी हिस्सों के लिए एक उदाहरण स्थापित करने की कोशिश की है।

चीन के आक्रमक और अतिक्रमणवादी रवैये की वजह से अब यूरोप का झुकाव ताइवान की ओर बढ़ने लगा है। 4 नवंबर को यूरोपीय संसद की एक फ्रांसीसी सदस्य, राफेल ग्लुक्समैन ने ताइवान के राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन के साथ अपने प्रतिनिधिमंडल की ताइवान यात्रा का समापन यह घोषणा करते हुए किया कि यूरोप आपके साथ खड़ा है। चीन के बारे में यूरोप की सोच में बदलाव का सीधा संदेश देते हैं। शिनजियांग में मानवाधिकारों के हनन की खबर लगातार आती रहती है। यूरोप ने पहला आधिकारिक संसदीय प्रतिनिधिमंडल ताइवान भेजा है। सामान्य रूप से स्थिर यूरोपीय संघ ने दुनिया की बढ़ती महाशक्ति पर अपने रुख में बदलाव करते हुए दुनिया के बाकी हिस्सों के लिए एक उदाहरण स्थापित करने की कोशिश की है। यूरोपीय संघ चीन का दूसरा सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है बावजूद इसके हाल के दिनों में यूरोपीय महादेश में चीन के निवेश की महत्वाकांक्षाओं के साथ-साथ घरेलू मानवाधिकार के मुद्दों पर गंभीर चिंता उभर कर सामने आई हैं। दक्षिणी और पूर्वी यूरोप में चीन वन बेल्ट एंड वन रोड की पहल के जरिए निवेश बढ़ाता रहा है, जो एकीकृत यूरोप के लिए चीन के प्रति गंभीर चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। यूरोपीय संसद (एमईपी) के अधिकांश सदस्यों ने आयोग पर संयुक्त राज्य अमेरिका के विश्वास का उल्लंघन करने और मानवाधिकारों पर यूरोपीय संघ की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का आरोप लगाते हुए एक त्वरित निंदा जारी की। मार्च में, चीन के साथ यूरोपीय संघ के संबंधों ने एक मोड़ लिया जब यूरोपीय संघ ने शिनजियांग में मानवाधिकारों के हनन में शामिल चीनी सरकारी अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाने के लिए यूएस, यूके और कनाडा के साथ समन्वय किया।

अफगानिस्तान के मसले पर ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कॉरपोरेशन की बैठक फेल

बौखलाए पाकिस्तान ने भारत पर लगाए आरोप

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कॉरपोरेशन यानी ओआईसी के विदेश मंत्रियों की मीटिंग हुई। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि यह मुस्लिम देशों का एक संगठन है, ओआईसी के इस संगठन में कुल 57 मूल्क हैं जो कि इसके सदस्य हैं। अब खबर पर आते हैं, दरअसल पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में हो रही इस मीटिंग में 57 में से 16 देशों के ही विदेश मंत्री शामिल हुए थे। बाकी के जो देश हैं, उन्होंने अपने राजदूत या अफसरों को मीटिंग में भाग लेने के लिए भेज दिया था।

भारत में थे मध्य एशियाई देशों के विदेश मंत्री

सबसे दिलचस्प बात यह है कि अफगानिस्तान के पड़ोसी पांच सेंट्रल एशियाई मुल्कों कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्री ओआईसी की मीटिंग में जाने के इतर दिल्ली में अफगान समिट मीटिंग में हिस्सा लेने पहुंच गए। सोमवार को इनकी प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात भी हुई। इन सब बातों से ही बौखलाया पाकिस्तानी मीडिया का एक तबका भारत पर यह आरोप लगा रहा है कि, उसकी वजह से ओआईसी समिट फेल हो गई।

पाक मीडिया में है डर, पूरी जानकारी नहीं आ रही बाहर

पाकिस्तान की मीडिया फौज और पाकिस्तान सरकार के डर से ओआईसी बैठक की पूरी जानकारी देने से कतरा रही है। दूसरी तरफ सोशल मीडिया पर मौजूद पत्रकार इस समिट को लेकर सरकार को घेर रहे हैं। कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान यह सभी देश ओआईसी के सदस्य देश हैं। लेकिन इन सभी देशों के विदेश मंत्री ओआईसी की इस मीटिंग से गैरहाजिर रहे और नई दिल्ली की इंडिया सेंट्रल एशिया समिट को तरजीह दी।

क्यों फेल हुई ओवैसी की मीटिंग

दरअसल पाकिस्तान ने 19 दिसंबर को ओआईसी सदस्य देशों की मीटिंग रखी थी। मीटिंग का एजेंडा था अफगानिस्तान में तालिबान के शासन को मान्यता और अफगानिस्तानी लोगों की मदद। हुआ यह कि इसी दिन भारत की राजधानी दिल्ली में भी इंडिया सेंट्रल-एशिया का एक समिट हुआ। इसमें अफगानिस्तान के पड़ोसी देशों के 5 विदेश मंत्री शामिल हुए।

नई दिल्ली में हो रही इस बैठक का एजेंडा भी अफगानिस्तान था। भारत के विदेश मंत्री, एस जयशंकर ने कहा था कि, सेंट्रल एशिया के पांच देश और भारत अफगानिस्तान की मदद करना चाहते हैं, क्योंकि अफगानिस्तान से हमारे सांस्कृतिक और गहरे रिश्ते हैं। यूएन में दुनिया के कई संगठन यह कह चुके हैं कि अफगानिस्तान में भुखमरी बिल्कुल पैर पसार रही है और दुनिया ने अगर जल्दी ही अफगानिस्तान की मदद नहीं की तो हालात वहां के लोगों के लिए जानलेवा साबित हो सकते हैं।

सीनियर अफसर की गोद में बैठकर महिला पुलिसकर्मी ने दिया लैप डांस

एजेंसी

लोगों की सेवा और उनकी समस्या का समाधान करने के लिए पुलिस होते है। वह अपना आचरण लोगों के सामने काफी अच्छा रखते है। नियमों के मुताबिक, पुलिस को लोगों के सामने ऐसा व्यवहार करना होता है कि लोगों का पुलिस पर से भरोसा कम न हो लेकिन सोशल मीडिया पर एक पुलिस की डांस वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रही है जिसको देखने के बाद शायद आपको दोबारा पुलिस पर विश्वास नहीं होगा।

इस वायरल वीडियो में एक महिला पुलिस अधिकारी और एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी का शर्मनाक डांस दिखाई दे रहा है। यह वीडियो न्यूयॉर्क की एक महिला पुलिस अफसर का है। इस वीडियो में वह अपने एक सीनियर पुलिस अफसर की गोद में डांस करती नजर आ रही हैं। बता दें कि सभी, पुलिसकर्मी पार्टी करने आए थे जहां यह डांस किया जा रहा है। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, वरिष्ठ अधिकारी एक कुर्सी पर बैठे थे जब एक महिला पुलिस अधिकारी उनकी गोद में आकर बैठ गई और लैप डांस देने लगी। वीडियो में, लेफ्टिनेंट निक मैकगैरी, दक्षिण ब्रोंक्स, न्यूयॉर्क शहर में 44 परिसरों के एक वरिष्ठ अधिकारी, एक महिला पुलिस अधिकारी के साथ दिखाई दे रहे हैं। महिला पुलिस अधिकारी इसी साल बल में शामिल हुई है। अधिकारियों के साथ-साथ अन्य महिला पुलिस अधिकारियों को मिनी स्कर्ट और शॉर्ट टॉप पहने नजर आ रही है।

इस घटना के सामने आने के बाद महिला पुलिस अधिकारी के पिता का बयान सामने आया है। महिला पुलिस अधिकारी के पिता ने कहा कि वीडियो सामने आने के बाद उनकी बेटी रो पड़ी। उन्होंने कहा कि वह वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज कराएंगे। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिकारी ने अपनी बेटी पर ऐसा करने के लिए दबाव डाला होगा। महिला पुलिस अधिकारी के पिता ने कहा कि वीडियो सामने आने के बाद उनकी बेटी ने उनसे कहा, रपिताजी, मैंने कुछ गलत किया। मैंने जो किया उससे मुझे शर्म आती है। मैंने आपको और आपके परिवार को शर्मिंदा किया। पिता ने कहा कि उनकी बेटी इस घटना से निराश है।

बाइडेन ने कोविड से बचने के लिए फरमान नहीं सुनाए, आग्रह का रुख अपनाया

एजेंसी

वाशिंगटन। कोरोना वायरस के नये स्वरूप ओमीक्रोन के बहुत तेजी से फैलने के बीच इससे बचने के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन की तरफ से अमेरिकी लोगों को दिए गए संदेश में इस बार कोई फरमान नहीं सुनाया गया बल्कि वह लोगों की खुशामद करते ज्यादा नजर आए। ओमीक्रोन के मामले बढ़ने के बीच कुछ देश अपने नागरिकों के लिए हर दिन नये आदेश जारी कर रहे हैं।

टीकों और मास्क के लिए अमेरिका की विपरीत प्रतिक्रिया, और देश की सरकार की प्रणाली जिसमें राज्यों का स्वास्थ्य मामलों पर व्यापक अधिकार है, उन कुछ विकल्पों को सीमित कर देती है जिसका इस्तेमाल बाइडन कर सकते हैं– कम से कम ऐसे विकल्प जिनसे राजनीतिक घमासान न मचे और जो उनके संदेश से लोगों का ध्यान हटा दे। कैसर फ़ैमिली फ़ाउंडेशन के लिए वैश्विक स्वास्थ्य कार्य का निर्देशन करने वाली जेन केट्स ने कहा, "हमने जो सीखा है वह यह है कि राजनीति मायने रखती है।" उन्होंने कहा, "आपने हमसे उम्मीद की होगी हम कम से कम नुकसान में चीजों का प्रबंधन करें और हम ऐसा नहीं कर पाए।" केट्स ने कहा, "हमारा देश बड़ा है, जटिल है और हर मुद्दे पर लोग बंटे हुए हैं।" उन्होंने कहा, "इसके अलावा स्थानीय नियंत्रण भी है और इस वजह से हमें अलग-अलग प्रतिक्रियाएं मिलती हैं।" फ्रांस, कनाडा और जर्मनी में क्रिसमस और नये साल के मौके पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं और लोगों के लिए अलग-अलग परामर्श जारी किए गए हैं। वहीं, अमेरिका में बाइडन ने किसी तरह के नये यात्रा प्रतिबंधों की घोषणा नहीं की है न ही सार्वजनिक कार्यक्रमों को रद्द करने का आग्रह किया है। मंगलवार को व्हाइट हाउस में बोलते हुए, उनका रुख थोड़ा नरम और समान अनुभूति वाला प्रतीत हुआ। उन्होंने इस बार अपने प्रशासन के अन्य सहयोगियों की तरह टीका नहीं लगवाने वालों को निशाना नहीं बनाया बल्कि साथी अमेरिकियों की तरह उनसे अपील की।

डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने अमीर देशों में धड़ल्ले से बूस्टर खुराक दिये जाने के खिलाफ आगाह किया

एजेंसी

बर्लिन| विश्व स्वास्थ्य संगठन प्रमुख ने चेतावनी दी है कि अमीर देशों में धड़ल्ले से बूस्टर खुराक लगाये जाने से कोविड-19 महामारी के लंबे समय तक रहने की संभावना बनेगी। साथ ही, कहा कि कोई भी देश इस तरीके से महामारी की गिरफ्त से बाहर नहीं निकल पाएगा। डब्ल्यूएचओ महानिदेशक ड्रेस अदहानोम गेब्रेयेसस ने बुधवार को कहा कि इस साल टीके ने कई लोगों की जान बचाई है लेकिन उनके असमान वितरण ने कई लोगों की जान ले भी ली। ड्रोस ने इससे पहले स्वस्थ वयस्कों को इस साल के अंत तक बूस्टर खुराक देने पर रोक लगाने की अपील की थी ताकि असमान वैश्विक टीका वितरण से निपटा जा सके। उन्होंने कहा कि अभी प्रतिदिन लगाई जा रही टीके की 20 प्रतिशत खुराक बूस्टर हैं। उन्होंने कहा कि अमीर देशों में धड़ल्ले से बूस्टर खुराक लगाये जाने से कोविड-19 महामारी लंबे समय तक रहने की संभावना बनेगी, ना कि यह खत्म होगी। उन्होंने कहा कि अधिक टीकाकरण कवरेज वाले देशों को टीके की आपूर्ति बढ़ाने से वायरस को फैलने और अपना स्वरूप बदलने का कहीं अधिक अवसर मिलेगा। टेड्रोस ने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के कारण अस्पतालों में भर्ती या मरने वाले लोगों के एक बड़े हिस्से को टीका नहीं लगा है।

हांगकांग विश्वविद्यालय ने तियेन आन मेन नरसंहार की याद में बने स्तंभ को हटाया

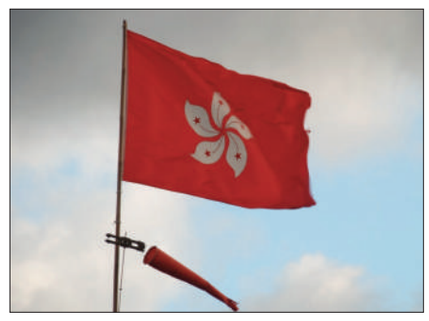

एजेंसी

हांगकांग। चीन में लोकतंत्र के समर्थन में प्रदर्शन के दौरान 1989 में तियेन आन मेन चौराहे पर हुए नरसंहार की याद में हांगकांग विश्वविद्यालय में बने एक स्मारक को बृहस्पतिवार तड़के विश्वविद्यालय के आदेश पर हटा दिया गया। इस आठ मीटर ऊंचे स्तंभ 'पिलर ऑफ शेम' में 50 लोगों के क्षत-विक्षत शवों को एक-दूसरे के ऊपर पड़ा हुआ प्रदर्शित किया गया है।

इसे डेनमार्क के मूर्तिकार जेन्स गाल्सियोट ने बीजिंग में चार जून, 1989 को तियेन आन मेन चौराहे पर लोकतंत्र के समर्थन में प्रदर्शन के दौरान हिंसक सैन्य कार्रवाई में मारे गए लोगों की याद में बनाया था। लेकिन अक्टूबर में यह स्मारक विवाद का विषय बन गया क्योंकि विश्वविद्यालय इसे हटाने की मांग करने लगा जबकि मानवाधिकार समूहों ने इस फैसले की निंदा की। वहीं, गाल्सियोट ने इसे डेनमार्क वापस ले जाने की पेशकश की लेकिन अब तक वह इसमें सफल नहीं हो पाए। बुधवार रात हांगकांग विश्वविद्यालय में स्मारक के आसपास अवरोधक लगा दिए गए और वहां से ड्रिलिंग की आवाजें सुनी जा सकती थी और सुरक्षाकर्मी गश्त कर सुरक्षा प्रदान कर रहे थे। अक्टूबर में, विश्वविद्यालय ने अब निष्क्रिय हो चुके 'हांगकांग अलायंस इन सपोर्ट ऑफ पेट्रियोटिक डेमोक्रेटिक मुवमेंट्स ऑफ चाइना' को इसकी सूचना दी थी। यह समूह तियेन आन मेन चौराहा हिंसा की घटना को लेकर कार्यक्रम आयोजित करता है। विश्वविद्यालय का कहना था कि वह इस स्मारक को 'हालिया जोखिम आकलन और कानूनी सलाह' पर हटा रहा है। इस पर भंग हो चुके समूह का जवाब था कि यह स्तंभ उनका नहीं है और इस बारे में बेहतर है कि विश्वविद्यालय इसे बनाने वाले से बात करे।

चीन ने कोरोना वायरस के मामले बढ़ने पर उत्तरी शहर शियान में लॉकडाउन लगाया

बीजिंग। चीन ने कोरोना वायरस के मामले बढ़ने पर उत्तरी शहर शियान में लॉकडाउन लगाने का बुधवार को आदेश दिया। सरकारी मीडिया की खबर के मुताबिक, शहर के अधिकारियों ने सभी निवासियों को बाहर जाने की अत्यंत आवश्यकता नहीं होने तक घर में ही रहने का आदेश दिया है और विशेष मामलों को छोड़ कर शहर आने-जाने वाले सभी परिवहन को स्थगित कर दिया है। यह आदेश मध्यरात्रि से प्रभावी होगा और अगले आदेश तक जारी रहेगा। आदेश में कहा गया है कि हर घर से एक व्यक्ति को प्रत्येक दो दिनों पर घरेलू उपयोग की वस्तुएं खरीदने के लिए बाहर जाने की अनुमति होगी। शियान में पिछले 24 घंटे में स्थानीय स्तर पर हुए कोरोना वायरस संक्रमण के 54 मामले बुधवार को सामने आए।

सुर्खियां 2021 की — 2021 से जुड़ी कुदरत के मार की 10 घटनाएं

कहीं, शहर बने समंदर का निवाला, कभी जंगलों की आग ने कहर बरपाया

एजेंसी

दुनिया में कहीं जंगलों की आग कहर बरपा रही कहीं ग्लेशियर पिघल रहे। ये सामान्य घटनाएं नहीं। ये सारी घटनाएं अप्रत्याशित हैं। ऐसी आपदाओं का अनुमान किसी ने भी नहीं किया। साल की शुरुआत में ही स्पेन की राजधानी मेड्रिड में इस साल रिकॉर्ड बर्फबारी हुई। पारा लुढ़कर माइनस 25.4 डिग्री सेल्यिस तक पहुंच गया। मेड्रिड में पिछले 50 सालों के दौरान रिकॉर्ड बर्फबारी हुई है। फरवरी का महीना वैलेंटाइन वीक 2021, शीतकालीन प्रकोप ने न केवल दक्षिणपूर्व टेक्सास में बर्फ़, ओले और बर्फ़ीली बारिश लायी, बल्कि कई दिनों तापमान को भी गिरा दिया। 2021 में जलवायु संकट से उत्तपन्न 10 भीषण त्रासदियों की कहानी आपको बताते हैं।

ग्रीनलैंड में रिकॉर्ड तोड़ बारिश

अगस्त के महीने में ग्रीनलैंड की बर्फ की चादर के सबसे ऊंचे बिंदु पर पिछले हफ्ते बर्फ गिरने के बजाय बारिश हुई और ऐसा इतिहास में पहली बार हुआ है। ग्रीनलैंड में 15 अगस्त

को बर्फ की चादर के 3,216 मीटर ऊंचे शिखर पर कई घंटों तक बारिश हुई, जहां तापमान लगभग नौ घंटे तक हिमांक बिंदु से ऊपर दर्ज किया गया था। नेशनल स्नो एंड आइस डेटा सेंटर के अनुसार, 1950 के बाद से बारिश की सबसे बड़ी मात्रा है। हाल के एक अध्ययन में पाया गया कि आर्कटिक क्षेत्र में 2060 और 2070 के बीच कभी-कभी बर्फ की तुलना में अधिक बारिश का अनुभव होने की उम्मीद है, जो कि ग्रह के गर्म होने के रूप में इसके वर्षा पैटर्न में एक प्रमुख संक्रमण को चिह्नित करता है।

टेक्सास में बर्फीला तूफान

फरवरी का महीना वैलेंटाइन वीक 2021, शीतकालीन प्रकोप ने न केवल दक्षिणपूर्व टेक्सास में बर्फ़, ओले और बर्फ़ीली बारिश लायी, बल्कि कई दिनों तापमान को भी गिरा दिया। भीषण बर्फबारी के कारण पूरे टेक्सास में लगभग 5 दिनों तक लोग बिना बिजली और पानी के घरों में कैद रहे थे। करीब 40 लाख लोगों के घर की बत्ती गुल हो गई। इस भीषण आपदा के कारण लगभग 60 लोगों की मौत हो गई थी। टेक्सास राज्य स्वास्थ्य सेवा विभाग ने बताया कि अत्यधिक सर्दी के मौसम में 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई। हालांकि, बज़फीड के एक स्वतंत्र विश्लेषण ने मौतों की संख्या 500 और 1,000 के बीच रखी।

तीन महाद्वीपों में घातक बाढ़ और सैंडस्टॉर्म

जुलाई 2021 रिकॉर्ड बारिश के कारण यूरोप की कई नदियों के किनारे टूट गए और नदियों का पानी शहरों में तेजी से बढ़ने लगा। बाढ़ ने यूरोप के कई हिस्सों को जनमग्न कर दिया। इससे यूरोप को को करीब 70 हजार करोड़ के नुकसान का अनुमान लगाया गया। बाढ़ की चपेट में आकर 200 लोगों ने अपनी जान भी गंवा दी। वहीं चीन में जुलाई के महीने में सड़कें नदी गई, कारें नावों की तरह तैरने लगी। मेट्रो डूब गई। लोग पानी के बहाव में बहने लगे। कहीं सड़कों के गड्ढे इंसानों को ही निगलने लग गए। बाढ़ से चीन के हेनान प्रांत का हाल कितना खराब हो गया था कि चलते ट्रेन में बैठे लोगों की कमर तक पानी पहुंच गया। झेंगझू शहर में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही 1 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया।

पेरिस समझौते में अमेरिका की वापसी

शपथ लेने के ठीक बाद ही अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पेरिस समझौते के रूप में ज्ञात वैश्विक जलवायु समझौते में फिर से शामिल होने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसे पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पद पर रहते इससे किनारा कर लिया था। अप्रैल में बाइडेन ने समझौते में देश की नवीनीकृत सदस्यता पर अच्छा बनाने के लिए, 2030 तक अमेरिकी ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को आधा करने का वादा किया।

यूएन रिपोर्ट: मानवता के लिये कोड रेड

हर छह से सात साल में जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र का अंतर सरकारी पैनल एक रिपोर्ट प्रकाशित करता है जो जलवायु अनुसंधान की स्थिति को सारांशित करता है। युक्त राष्ट्र (संरा) की तरफ से अगस्त के महीने में जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक पृथ्वी की जलवायु इतनी गर्म होती जा रही है कि एक दशक में तापमान संभवतः उस सीमा के पार पहुंच जाएगा जिसे दुनिया भर के नेता रोकने का आह्वान करते रहे हैं। संरा ने इसे "मानवता के लिये कोड रेड" करार दिया। अमेरिका के वायुमंडलीय अनुसंधान के लिये राष्ट्रीय केंद्र की वरिष्ठ जलवायु वैज्ञानिक और इस रिपोर्ट की सह-लेखक लिंडा मर्न्स ने कहा, "इस बात की गारंटी है कि चीजें और बिगड़ने जा रही हैं।

ग्लासगो शिखर सम्मेलन

दुनिया के तमाम देश ग्लासगो में संयुक्त राष्ट्र क्लाइमेट शिखर सम्मेलन में क्लाइमेट चेंज की चुनौती पर चर्चा के लिए जुटे जिसे COP26 नाम दिया गया। 31 अक्टूबर से शुरू हुआ सम्मेलन 12 नवंबर तक चला। ग्लोबल वार्मिंग को कैसे सीमित किया जाए, इस पर लगभग दो सप्ताह की बातचीत के बाद लगभग 200 देशों ने ग्लासगो क्लाइमेट पैक्ट पर हस्ताक्षर किए, जिसमें जलवायु संकट को बनाए रखने में जीवाश्म ईंधन को जलाने की भूमिका की पहली स्वीकृति शामिल थी।

संक्षिप्त समाचार

हरभजन सिंह ने क्रिकेट से लिया संन्यास, 23 साल की लंबी यात्रा को बताया सुंदर और यादगार

नई दिल्ली। हरभजन सिंह के इस ऐलान के साथ ही उनका 23 साल का क्रिकेटिंग करियर समाप्त हो गया है। अपने ट्वीट में हरभजन सिंह ने लिखा कि सभी अच्छी चीज से खत्म होती है और आज मैं उस खेल से विदा ले रहा हूं जिसने मुझे जीवन में सब कुछ दिया। भारत के स्टार ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। सोशल मीडिया ट्विटर के जरिए हरभजन सिंह ने अपने संन्यास का ऐलान किया। हरभजन सिंह के इस ऐलान के साथ ही उनका 23 साल का क्रिकेटिंग करियर समाप्त हो गया है। अपने ट्वीट में हरभजन सिंह ने लिखा कि सभी अच्छी चीज से खत्म होती है और आज मैं उस खेल से विदा ले रहा हूं जिसने मुझे जीवन में सब कुछ दिया। इसके साथ ही हरभजन सिंह ने लिखा कि मैं उन सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने इस 23 साल की लंबी यात्रा को सुंदर और यादगार बनाया। आप सभी का तहे दिल से शुक्रिया, आभार। भले ही हरभजन सिंह अब क्रिकेटर के तौर पर मैदान पर खेलते हुए दिखाई ना दे। लेकिन जानकारी के मुताबिक आईपीएल में किसी टीम के साथ बतौर कोच या फिर मेंटर के तौर पर वह जुड़ सकते हैं। हरभजन सिंह ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला साल 2016 में खेला था। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स जुड़े थे लेकिन इस सीजन में उन्हें तीन ही मुकाबले खेलने को मिले थे। हरभजन सिंह भारत के सबसे सफलतम गेंदबाजों में से एक रहे हैं। हरभजन सिंह ने 103 टेस्ट मुकाबलों में 417 विकेट चटकाए हैं जबकि 236 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में 269 विकेट लिए हैं। हरभजन सिंह 2007 और 2011 के विश्व कप विजेता टीम के भी हिस्सा रहे हैं। हरभजन सिंह ने 28 टी20 मुकाबले खेले हैं जिसमें उन्होंने 25 विकेट चटकाए। महान लेग स्पिनर अनिल कुंबले के साथ उनकी जोड़ी ने टीम इंडिया को कई ऐतिहासिक मुकाबलों में जीत दिलाई है। 2001 में कोलकाता के ईडन गार्डंस में खेले गए ऐतिहासिक टेस्ट मुकाबले में हरभजन सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हैट्रिक झटके थे।

राहुल द्रविड़ करते हैं खिलाड़ियों से इस संबंध पर बात, मयंक अग्रवाल ने बताया

सेंचुरियन। भारतीय सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल ने कहा कि टीम से दूर रहने के दौरान उन्होंने अपने खेल के मानसिक पहलू को समझने पर काम किया जिस पर कोच राहुल द्रविड़ हमेशा जोर देते हैं और इससे उन्हें वापसी में काफी मदद मिली। कर्नाटक के 30 वर्षीय अग्रवाल कनकशन (सिर में चोट) के कारण इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट से बाहर हो गए थे और उसके बाद टीम में जगह गंवा दी थी। उन्होंने हाल ही में विश्व टेस्ट चैम्पियन न्यूज़ीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 150 और 62 रन बनाकर वापसी की। उन्होंने सलामी बल्लेबाज और भारत के उपकप्तान के एल राहुल से बातचीत के दौरान कहा ,'' यह नयी शुरूआत नहीं है। पिछले एक साल मैं खुद को समझने की कोशिश करता रहा और यह जानने की भी कि मेरी ताकत और कमजोरियां क्या है।''

बीसीसीआई टीवी पर डाले गए इस वीडियो में उन्होंने कहा ,'' मुझे वापसी करके अच्छा प्रदर्शन कर पाने की खुशी है और आगे भी इस लय को कायम रखूंगा।'' खुद को समझने की प्रक्रिया में द्रविड़ के योगदान के बारे में पूछने पर अग्रवाल ने कहा ,'' वह हमेशा खुद को समझने और मानसिक पहलू पर काम करने की बात करते हैं। उस पर काम करने से सफलता हासिल करने के मौके बढ जाते हैं।'' उन्होंने कहा ,'' वह अच्छी तैयारी पर बल देते हैं।हमने यहां अच्छा अभ्यास किया है और टेस्ट मैच का इंतजार है।'' अग्रवाल और राहुल कर्नाटक के लिये साथ खेलने के बाद आईपीएल में पिछले चार साल से पंजाब किंग्स के लिये पारी की शुरूआत कर रहे हैं। दोनों को 26 दिसंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरु हो रहे पहले टेस्ट में भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। राहुल ने कहा ,'' मेरा सफर खूबसूरत रहा है। मैं ऐसा ही चाहता था। तुम मेरे सफर का और मैं तुम्हारे सफर का हिस्सा रहा हूं। हम दोनों ने इसके लिये काफी मेहनत की है। हमें यकीन नहीं था कि हम भारत के लिये खेलेंगे लेकिन हमने सपने पूरे करने के लिये काफी मेहनत की। अब पीछे मुड़कर देखने पर अच्छा लगता है कि कहां से शुरू किया था और आज कहां है। यह करिश्मे जैसा है।'' उन्होंने कहा ,'' हमारे लिये यह शुरूआत है। अभी लंबा सफर तय करना है। हमारी दोस्ती और आपसी तालमेल से भारत के लिये कई मैच जीतने हैं।

एशेज सीरीज में मिल रही हार के बाद बोले इंग्लैंड कोच सिल्वरवुड

मैं मानता हूं कि इंग्लैंड के कोच के लिए सही व्यक्ति हूं: सिल्वरवुड

एजेंसी

मेलबर्न। एशेज श्रृंखला में पहले दो टेस्ट में इंग्लैंड को करारी शिकस्त मिलने के बावजूद उसके आलोचनाओं में घिरे मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड ने अपनी टीम के चयन का बचाव किया और जोर दिया कि वह अब भी इस पद के लिये सही व्यक्ति हैं। इंग्लैंड को ब्रिसबेन में नौ विकेट और एडीलेड में 275 रन से हार का सामना करना पड़ा जिससे टीम चयन की कड़ी आलोचना हुई। मेहमान टीम ने ब्रिसबेन की हरी पिच पर जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड की अनुभवी जोड़ी को नहीं खिलाने का फैसला किया जबकि स्पिनर जैक लीच को शामिल किया। बायें हाथ के स्पिनर का प्रदर्शन खराब रहा जिसमें उन्होंने 13 ओवर में 102 रन देकर एक विकेट झटका और दूसरे टेस्ट में उन्हें बाहर कर दिया गया। इससे इंग्लैंड को स्पिन के लिये एडीलेड ओवल में रूट, डेविड मलान और ओली रॉबिन्सन पर निर्भर रहना पड़ा। सिल्वरवुड इंग्लैंड के मुख्य चयनकर्ता भी हैं। उनसे जब 'बीबीसी' ने पूछा कि क्या वह यही टीम चुनेंगे? तो उन्होंने जवाब दिया, ''ईमानदारी से कहूं, तो मैं ऐसा करूंगा।'' उन्होंने कहा, ''इसमें हमेशा विभाजित राय होंगी। आप एक टीम को चुनते हो और जरूरी नहीं है कि आपसे सभी सहमत हो जायें लेकिन मैं गुलाबी गेंद के टेस्ट में हमारे कौशल से खुश हूं इसलिये मैं फिर से इसी टीम को चुनूंगा।'' तीसरा टेस्ट मेलबर्न में 'बॉक्सिंग डे' को शुरू होगा और टीम की रवानगी से पहले सिल्वरवुड ने मंगलवार को अपना रूख दोहराया। उन्होंने कहा, ''हमने उन परिस्थितियों के लिये सर्वश्रेष्ठ आक्रमण चुना और आप हमारे आक्रमण को देख सकते हो कि इसमें काफी अनुभव था। मैं इस मैच में उस आक्रमण से खुश था और मैं पिछले मैच में भी अपने आक्रमण से खुश था।'' सिल्वरवुड के मार्गदर्शन में इंग्लैंड ने पिछले 11 टेस्ट में नौ मैच गंवाये हैं और केवल एक ही जीता है। कई पूर्व खिलाड़ियों का मानना हे कि उन्हें दो हार की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टेस्ट श्रृंखला दर्शकों के बिना : सीएसए

एजेंसी

जोहानिसबर्ग। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने सोमवार को कहा कि देश में कोविड-19 की खराब होती स्थिति के कारण 26 दिसंबर से भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच सेंचुरियन में शुरू हो रही तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला खाली स्टेडियम में खेली जाएगी। दक्षिण अफ्रीका में पिछले हफ्ते चौथी लहर के कारण कोविड-19 के रिकॉर्ड दैनिक मामले सामने आए। माना जा रहा है कि चौथी लहर का कारण ओमिक्रोन स्वरूप है।

सीएसए ने बयान में कहा, ''सीएसए को क्रिकेट के सबसे उत्साही दर्शकों और खेल प्रेमियों को यह सूचित करते हुए खेद है कि दुनिया भर में कोविड के बढ़ते मामलों और देश में चौथी लहर के कारण दोनों क्रिकेट संस्थाओं ने खिलाड़ियों और दौरे की सुरक्षा के लिए संयुक्त रूप से फैसला किया है कि भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका मुकाबले के लिए टिकट उपलब्ध नहीं होंगे।'' बयान में कहा गया, ''कोविड के जोखिम के नजरिए से दौरे को किसी भी नुकसान से बचाने और जोखिम मुक्त जैविक रूप से सुरक्षित माहौल को बनाए रखने के लिए यह फैसला किया गया है।''सीएसए दर्शकों के मुकाबले देखने के लिए विभिन्न विकल्पों पर गौर कर रहा है। श्रृंखला का आयोजन पिछले महीने ओमिक्रोन प्रारूप के प्रसार के बाद कोविड-19 के बढ़ते मामलों के खतरे के बीच किया जा रहा है। देश में पिछले कुछ हफ्तों में कोविड मामलों में इजाफा हुआ है।

आर्चर की कोहनी का दूसरा ऑपरेशन, वेस्टइंडीज के खिलाफ नहीं खेलेंगे

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा कि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने अपनी चोटिल दाहिनी कोहनी का दूसरा ऑपरेशन करवाया है और वह अगली गर्मियों तक क्रिकेट से दूर रहेंगे।

इंग्लैंड के इस तेज गेंदबाज की अनुपस्थिति वर्तमान की एशेज श्रृंखला के दौरान भी खल रही है। उनका 11 दिसंबर को लंदन में ऑपरेशन किया गया। ईसीबी ने बयान में कहा, ''यह ऑपरेशन उनकी दाहिनी कोहनी में लंबे समय से चले आ रहे दर्द को समाप्त करने के लिये किया गया।'' यह 26 वर्षीय तेज गेंदबाज पिछले नौ महीनों से शीर्ष स्तर की क्रिकेट में नहीं खेला है। वह मार्च में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में भी नहीं खेल पाएंगे। आर्चर की कोहनी का मई में इंडियन प्रीमियर लीग से हटने के बाद ऑपरेशन किया गया था। उन्हेंइंग्लिश काउंटी चैंपियनशिप मैच में ससेक्स के लिए गेंदबाजी करते समय उसी हिस्से में फिर से दर्द महसूस हुआ था।

भारत के खिलाफ 'परफेक्ट 10' हासिल करने वाले अजाज पटेल न्यूजीलैंड की टीम से बाहर

एजेंसी

क्राइस्टचर्च। भारत और न्यूजीलैंड के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज में न्यूजीलैंड के गेंदबाज अजाज पटेल ने दूसरे टेस्ट के दौरान मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में जादू बिखेरा, एक पारी में सभी दस विकेट चटकाए, जिससे न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट की पहली पारी में भारत को 325 रनों पर आउट कर दिया था। भारत की पिच पर न्यूजीलैंड के शानदार गेंदबाज अजाज पटेल रिकॉर्ड कायम किया। एजाज पटेल ने दूसरे टेस्ट के दौरान मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में जादू बिखेरा, एक पारी में सभी दस विकेट चटकाए, जिससे न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट की पहली पारी में भारत को 325 रनों पर आउट कर दिया। जिम लेकर (10/53), अनिल कुंबले (10/74) के बाद अजाज यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे गेंदबाज बने। भारत के खिलाफ मुंबई में दूसरे टेस्ट मैच में एक पारी में सभी 10 विकेट लेकर 'परफेक्ट 10' का अद्भुत कारनामा करने वाले स्पिनर अजाज पटेल को बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिये न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम में नहीं चुना गया है। पटेल ने भारत की पहली पारी में 119 रन देकर 10 विकेट लिये थे और इस तरह से जिम लेकर और अनिल कुंबले की श्रेणी में शामिल हुए थे। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के बावजूद पटेल बांग्लादेश के खिलाफ एक जनवरी से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिये न्यूजीलैंड की 13 सदस्यीय टीम में जगह नहीं बना पाये। टेस्ट मैच माउंट मौनगानुई के बे ओवल और क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में खेले जाएंगे जहां की पिच तेज गेंदबाजों के अनुकूल मानी जाती है। घरेलू परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए न्यूजीलैंड ने तेज गेंदबाजों ट्रेंट बोल्ट, टिम साउदी, काइल जैमीसन, नील वैगनर और मैट हेनरी के अलावा तेज गेंदबाजी आलराउंडर डेरिल मिचेल को टीम में लिया है। स्पिन विभाग की जिम्मेदारी आलराउंडर रचिन रविंद्र संभालेंगे। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने कहा, ''अजाज के भारत में रिकार्ड प्रदर्शन के बाद उनके लिये बुरा लग रहा है लेकिन हम चयन में हमेशा परिस्थितियों का ध्यान रखते हैं।

पाकिस्तानी क्रिकेटर यासिर शाह ने बच्ची से किया रेप?

बलात्कार मामले की शिकायत में आया नाम

एजेंसी

पाकिस्तान टेस्ट क्रिकेटर यासिर शाह को 14 साल की बच्ची से कथित बलात्कार के मामले में नामजद किया गया है। पाकिस्तान की न्यूज वेबसाइट डॉन ने इस खबर के बारे में सोमवार को जानकारी दी। प्राथमिकी की एक कॉपी जो डॉन डॉट कॉम के पास उपलब्ध है।

इस्लामाबाद। पाकिस्तान टेस्ट क्रिकेटर यासिर शाह को 14 साल की बच्ची से कथित बलात्कार के मामले में नामजद किया गया है। पाकिस्तान की न्यूज वेबसाइट डॉन ने इस खबर के बारे में सोमवार को जानकारी दी। प्राथमिकी की एक कॉपी जो डॉन डॉट कॉम के पास उपलब्ध है, उसके अनुसार 19 दिसंबर को इस्लामाबाद के शालीमार पुलिस स्टेशन में एक महिला की शिकायत पर दर्ज की गई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, यासिर और क्रिकेटर के दोस्त फरहान के खिलाफ पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 292-बी और 292-सी (चाइल्ड पोर्नोग्राफी) के साथ-साथ 376 (बलात्कार के लिए सजा) के तहत मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने पूरी वारदात के बारे में बात करते हुए प्राथमिकी में महिला ने कहा कि वह अपनी 14 वर्षीय भतीजी, जो मैट्रिक की छात्रा है, को लाहौर में एक सभा में ले गई। इस सभा की मेजबानी यासिर शाह ने की थी। यासिर ने लड़की से कहा था कि वह उसके जान-पहचान का है और उससे नजदिकियां बढ़ाई। महिला ने अपनी भतीजी के बारे में बात करते हुए कहा कि उसे इस बारे में तब पता चला जब भतीजी वापस लौटने के बाद दो से तीन महीने अस्वस्थ और परेशान लग रही थी। शिकायतकर्ता ने कहा, लगातार उससे इसके बारे में पूछने के बाद, लड़की ने कहा कि यासिर दोस्ती फोन पर बात कर रहे था। बच्ची की चाची ने कहा, ₹मेरी भतीजी ने मुझे बताया कि 14 अगस्त को जब वह ट्यूशन से लौट रही थी तो फरहान ने उसे टैक्सी में बैठाया और एफ-11 के एक फ्लैट में ले गया। प्राथमिकी के अनुसार, फ्लैट में फरहान ने बंदूक की नोक पर उसका यौन उत्पीड़न किया और एक वीडियो भी बनाया। उसने उससे कहा कि अगर उसने किसी को बताया कि क्या हुआ था, तो वह वीडियो वायरल कर देगा और उसे मार डालेगा, शिकायतकर्ता ने कहा, फरहान ने यासिर को किशोरी को धमकी देने के लिए भी कहा। पाकिस्तान के टेस्ट लेग स्पिनर यासिर शाह और उनके दोस्त के खिलाफ एक लड़की के अपहरण, छेड़छाड़ और धमकाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। लड़की की शिकायत पर लाहौर के शालीमार पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। इस मुद्दे पर अभी तक पाकिस्तानी क्रिकेटर ने कोई टिप्पणी नहीं की है। प्राथमिकी में लड़की ने आरोप लगाया है कि यासिर के दोस्त फरहान ने बंदूक की नोक पर उसका अपहरण किया, उसके साथ बलात्कार किया, उसका वीडियो बनाया और बाद में उसे धमकी दी।

यासिर शाह ने अपने दोस्त की मदद की और बाद में फरहान ने उसे धमकी दी कि यदि उसने पुलिस में शिकायत दर्ज की वह उसके वीडियो सार्वजनिक कर देगा। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, लड़की का कहना है कि जब उसने यासिर से व्हाट्सएप पर मदद की गुहार लगायी तो वह हंसने लगा और उसने उसे चुप रहने को कहा। लड़की का यह भी दावा है कि जब वह पुलिस के पास गयी तो यासिर ने उसे चुप्पी बनाये रखने के लिये एक फ्लैट और 18 साल तक मासिक खर्च देने की पेशकश की।

पाकिस्तान के क्रिकेटर आबिद अली सीने में दर्द के बाद अस्पताल में भर्ती

एजेंसी

कराची। पाकिस्तान के टेस्ट सलामी बल्लेबाज आबिद अली को प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट कायदे आजम ट्रॉफी के मुकाबले के दौरान सीने में दर्द की शिकायत के बाद निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

टूर्नामेंट में मध्य पंजाब की ओर खेल रहे आबिद ने दो बार सीने में दर्द की शिकायत की जिसके बाद उनकी टीम के मैनेजर अशरफ अली ने उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराने और जांच कराने का फैसला किया। पूर्व टेस्ट विकेटकीपर बल्लेबाज अशरफ ने कहा, ''वह आज सुबह 61 रन बनाकर खेल रहा था जब उसने दो बार सीने में दर्द की शिकायत की और हमने महसूस किया कि उसे अस्पताल भेजना सर्वश्रेष्ठ रहेगा जहां उसकी जांच की जा रही है और उसके कुछ और परीक्षण होंगे।'' यूबीएल परिसर में खैबर पखतूनख्वा टीम के खिलाफ खेलते हुए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 9000 रन पूरे करने वाले आबिद हाल में बांग्लादेश के सफल टेस्ट दौरे के बाद मध्य पंजाब टीम से जुड़े हैं।

शख्सियत

राहुल को क्रिकेट की दुनिया में उनके शांत स्वभाव के लिए जाना जाता है

शांत स्वभाव के राहुल द्रविड़ का भी रहा है विवादों से नाता, शोएब अख्तर पर उतारा था अपना गुस्सा

ग्रेग चैपल के कोच रहने के दौरान सौरव गांगुली लगातार हाशिए पर चले जा रहे थे। सौरव गांगुली को इस बात की उम्मीद थी कि उनके साथ वाले खिलाड़ी उनका साथ देंगे।

एजेंसी

नई दिल्ली। क्रिकेट को जेंटलमैन का खेल कहा जाता है। जब-जब जेंटलमैन खिलाड़ियों की बात आएगी उसमें राहुल द्रविड़ का जिक्र जरूर आएगा। राहुल द्रविड़ को क्रिकेट का दिवार भी कहा जाता है। इसके साथ ही वह कई सालों तक टीम इंडिया के संकट मोचक भी रहे। राहुल को क्रिकेट की दुनिया में उनके शांत स्वभाव के लिए जाना जाता है। हालांकि ऐसा भी नहीं है कि उनके क्रिकेट करियर में कोई विवाद नहीं हुआ है। चलिए राहुल से जुड़े कुछ विवादों के बारे में आपको बताते हैं।

सौरव गांगुली से हुआ था तकरार

ग्रेग चैपल के कोच रहने के दौरान सौरव गांगुली लगातार हाशिए पर चले जा रहे थे। सौरव गांगुली को इस बात की उम्मीद थी कि उनके साथ वाले खिलाड़ी उनका साथ देंगे। लेकिन राहुल द्रविड़ चैपल के फैसलों पर हां में हां मिलाए जा रहे थे। जिसकी वजह से राहुल और सौरभ के रिश्तो में टकराव भी देखने को मिला।

दोहरा शतक नहीं बना सके थे सचिन

बात 2004 की है जब लंबे अंतराल के बाद टीम इंडिया पाकिस्तान दौरे पर गई थी। मुल्तान में भारत अपना पहला टेस्ट खेल रहा था और सौरव गांगुली के चोटिल होने के बाद राहुल द्रविड़ इस मैच में कप्तानी कर रहे थे। सचिन तेंदुलकर उस वक्त 194 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे लेकिन राहुल द्रविड़ ने अचानक ही पारी घोषित करने का फैसला कर दिया। द्रविड़ के इस फैसले पर खुद सचिन भी हैरान हो गए थे। उस वक्त राहुल द्रविड़ के इस फैसले की आलोचना भी खूब हुई थी।

राजस्थान रॉयल्स और स्पॉट फिक्सिंग

जब राजस्थान रॉयल्स पर स्पॉट फिक्सिंग के आरोप लगे थे उस वक्त उस टीम के कप्तान राहुल द्रविड़ थे। 2013 में एस श्रीसंत, अजीत चंदीला और अंकित चौहान स्पॉट फिक्सिंग में लिप्त पाए गए थे। जब यह मामला सुर्खियों में था तब राहुल द्रविड़ का नाम भी इस विवाद में घसीटा जा रहा था।

बॉल टेंपरिंग का लगा था आरोप

वैसे तो राहुल द्रविड़ क्रिकेट के लिए जेंटलमैन है। लेकिन एक बार उनके ऊपर भी बॉल टेंपरिंग जैसे आरोप लग चुका है। 2004 में ऑस्ट्रेलिया की में ट्राई सीरीज के दौरान जिंबाब्वे के खिलाफ वनडे मैच में राहुल द्रविड़ पर बॉल टेंपरिंग का आरोप लगा था। आरोप में कहा जा रहा था कि द्रविड़ ने बॉल पर किसी जेली का उपयोग किया है। इस मैच के बाद मैच रेफरी क्लाइव लॉयड ने उन पर जुर्माना भी लगाया था।

शोएब अख्तर से हुआ था झगड़ा

राहुल द्रविड़ अपने शांत स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। हालांकि 2004 के चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ हुए मैच में वह अपना आपा खो बैठे थे जब रन लेने के दौरान वह शोएब अख्तर से टकरा गए थे। जिसके बाद पलटवार में अख्तर कुछ बोलने लगे। ऐसे में राहुल द्रविड़ ने अपना गुस्सा दिखाया और शोएब अख्तर से बहस बाजी हो गई। हालांकि अंपायर और बाकी खिलाड़ियों के बीच बचाव के बाद मामले को शांत किया गया।

'निक जोनस की पत्नी' कहलाने पर भड़की प्रियंका चोपड़ा, शेयर किया लंबा नोट

भारत का नाम विश्वभर में मशहूर करने वाली प्रियंका चोपड़ा को किसी भी परिचय की आवश्यकता नहीं है और बहुत से लोग इससे असहमत नहीं होंगे। प्रियंका चोपड़ा ने अपने दम पर एक छोटे से शहर से निकल कर विश्वभर में पहचान बनायी है। विश्वभर में अपनी पहचान बनाने वाली प्रियंका ने तलाक की अफवाहों को तब खारिज कर दिया जब उन्होंने उसी दौरान पति निक जोनास की तस्वीर पर कमेंट करके कहा कि वह निक की बाहों में आखिरी सांस लेना चाहती हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने आखिर अपने नाम के साथ लगे निक जोनास के नाम को क्यों हटाया इसकी वजह तो साफ नहीं है लेकिन हाल ही में एक पोस्ट के माध्यम से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि प्रियंका चोपड़ा को अपनी पहचान अपने पति के दम पर नहीं बल्कि अपने दम पर चाहिए इसी लिए जब उन्हें निक की पत्नी कहकर पुकारा गया तो वह भड़की हुई दिखाई पड़ी। दिसंबर 2018 में गायक-अभिनेता निक जोनास से शादी करने वाली प्रियंका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर डेली मेल द्वारा गुरुवार को प्रकाशित एक लेख के स्क्रीनशॉट साझा किए - लेख में वैश्विक आइकन का उल्लेख किया गया है, जो न्यूयॉर्क में द मैट्रिक्स रिसरेक्शन्स को निक जोनास की ₹पत्नी₹ के रूप में प्रचारित कर रहा था। इस लेख पर प्रियंका ने मीडिया ग्रुप को महिला की पहचान को लिखने की हिदायत दी न कि पति के नाम से उसे पुकारने की।

शुक्रवार उन्होंने लिखा विवादास्पद पैराग्राफ का एक स्क्रीनशॉट साझा किया और उसके बगल में अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट लिखा। उसने कहा, ₹बहुत दिलचस्प है कि मैं अब तक की सबसे प्रतिष्ठित फिल्म फ्रेंचाइजी में से एक का प्रचार कर रही हूं, और मुझे अभी भी ' निक... की पत्नी' के रूप में संदर्भित किया जाता है। कृपया बताएं कि यह अभी भी महिलाओं के साथ कैसे होता है? क्या मुझे जोड़ना चाहिए मेरे बायो से मेरा आईडीएमबी लिंक?

हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट ने अपने नाम के साथ लगा पति का नाम 'जोनास' हटा दिया। दो साल पहले हुई निक के साथ प्रियंका चोपड़ा की शादी में अनबन की खबरें आने लगी। सोशल मीडिया पर प्रियंका ट्रेंड होने लगी।

उर्फी जावेद ने किए कई चौका देने वाले खुलासे

ना इस्लाम में यकीन, ना ही मुस्लिम से करना चाहती हूँ शादी

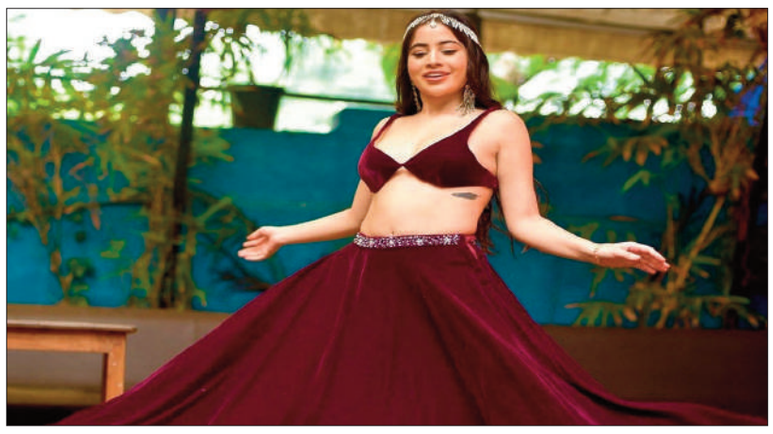

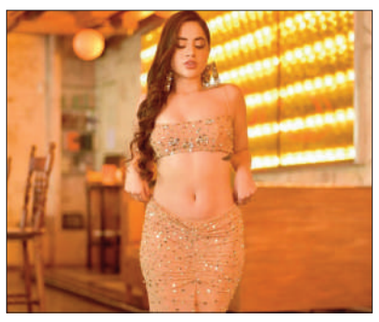

इंटरव्यू में उर्फी जावेद ने साफ़ तौर पर कहा कि वह किसी धर्म में यकीन नहीं रखती और ना ही किसी मुस्लिम लड़के से शादी करना चाहती हैं। आपको बता दें कि उर्फी जावेद एक कंजरवेटिव मुस्लिम परिवार से ताल्लुक रखती हैं। इंटरव्यू में उर्फी जावेद ने साफ़ तौर पर कहा कि वह किसी धर्म में यकीन नहीं रखती और ना ही किसी मुस्लिम लड़के से शादी करना चाहती हैं। आपको बता दें कि उर्फी जावेद एक कंजरवेटिव मुस्लिम परिवार से ताल्लुक रखती हैं।बिग बॉस ओटीटी फेम अभिनेत्री उर्फी जावेद अपने अतरंगी फैशन को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। अपने फैंस को खुश करने के लिए आये दिन उर्फी सोशल मीडिया पर कुछ ना कुछ शेयर करती रहती हैं। एक इंटरव्यू दिया जिसमें उन्होंने अपनी बढ़ती लोकप्रियता, ट्रोलिंग और अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़े मुद्दों पर बात की।

इंटरव्यू में उर्फी जावेद ने साफ़ तौर पर कहा कि वह किसी धर्म में यकीन नहीं रखती और ना ही किसी मुस्लिम लड़के से शादी करना चाहती हैं। आपको बता दें कि उर्फी जावेद एक कंजरवेटिव मुस्लिम परिवार से ताल्लुक रखती हैं।

अपने इंटरव्यू में उर्फी ने कहा कि मैं इस्लाम में यकीन नहीं रखती हूँ और ना ही कोई धर्म फॉलो करती हूँ। मैं किसी मुस्लिम लड़के से शादी नहीं करना चाहती क्योंकि मुस्लिम लड़के अपनी बीवियों को कण्ट्रोल में रखना चाहते हैं। मेरा मनना है कि हमें उसी से शादी करनी चाहिए जो हमें पसंद हो या हम जिससे प्यार करते हैं। ट्रोलिंग पर बात करते हुए उर्फी ने कहा कि मेरा इस इंडस्ट्री में कोई गॉडफादर नहीं है इसलिए लोग मुझे मेरे लुक्स को लेकर ट्रोल करते हैं। मेरा मुस्लिम होना भी ट्रोलिंग का एक मुख्य कारण है। मुस्लिम लोग मुझपर गंदे गंदे कमेंट करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि मैं इस्लाम धर्म का नाम बदनाम कर रही हूँ। अपने परिवार के बारे में बात करते हुए उर्फी बताती है कि मेरे पिता बहुत ज्यादा कंजरवेटिव थे। उन्होंने मेरी माँ को और हमें अकेला छोड़ दिया था उस समय मैं 17 साल की थी। मेरी माँ इस्लाम पर यकीन करती हैं पर उन्होंने कभी भी हमें धर्म को मानने के लिए मजबूर नहीं किया।

40 की उम्र में एफआईआर की शेरनी कविता कौशिक ने पहनी एनिमल प्रिंट BR, बोल्डनेस देख पागल हुए फैंस

सोनी सब के सुपर हिट शो एफ.आई.आर. में चंद्रमुखी चौटाला की भूमिका निभाकर घर-घर पहचान बनाने वाली अभिनेत्री कविता कौशिक इन दिनों काफी चर्चा में हैं। चर्चा का कारण हाल ही में उनके द्वारा इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की गई एक सेल्फी है। कविता कौशिक समुद्र किनारे स्विमसूट पहने धुप का लुफ्त उठाती दिख रही हैं। उनकी यह सेल्फी सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। लोग उनके सेक्सी लुक पर से नजरें नहीं हटा पा रहे हैं। कविता कौशिक ने एनिमल प्रिंट बिकिनी पहने हुए एक सेल्फी शेयर की। वाइट हैट के साथ उन्होंने अपने सेल्फी लुक को कम्पलीट किया हुआ है।

सेल्फी पोस्ट करते हुए उन्होंने साथ में कैप्शन में लिखा कि मैं दुनिया की परवाह नहीं करती, क्या आप अंदाजा लगा सकते है कि मैं अपना अगला टैटू कहाँ बनवाने वाली हूँ। सेल्फी में वह अपना बोल्ड फिगर फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। 40 साल की उम्र में भी उन्होंने अपने आप को काफी फिट रखा हुआ है। इस उम्र में उनकी ऐसी फिटनेस देखकर लोग पागल हुए जा रहे हैं। फैंस और फॉलोवर्स ने फोटो के कमेंट सेक्शन को आग वाले इमोजी से भर दिया है। एक सोशल मीडिया यूजर ने तस्वीर पर कमेंट करते हुए लिखा, मुझे गिरफ्तार कर लो चंद्रमुखी चौटाला जी। एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, अरे मैडम (आग वाले इमोजी के साथ)। इससे पहले भी कविता कौशिक ने बहुत बार अपनी बिकिनी में तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। काम की बात करें तो अक्टूबर 2020 में कौशिक ने रियलिटी शो बिग बॉस 14 के घर में वाइल्ड कार्ड प्रतियोगी के रूप में एंट्री की थी।

जैकलीन फर्नांडीज ने पूरी की रोहित शेट्टी की फिल्म सर्कस की शूटिंग, अटैक के लिए तैयारी

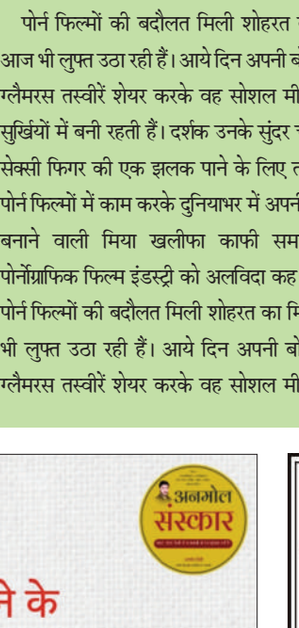

जैकलीन फर्नांडीज के लिए फिल्मों की बारिश हो रही है! अभिनेत्री बैक-टू-बैक परियोजनाओं की शूटिंग कर रही है जो उनके लिए तैयार हैं। वह वर्तमान में रोहित शेट्टी-निर्देशन और रणवीर सिंह-स्टारर सर्कस की शूटिंग खत्म कर रही हैं। उसके तुरंत बाद वह जॉन अब्राहम की फिल्म अटैक की शूटिंग शुरू कर देंगी। जैकलीन फर्नांडीज की कई फिल्में 2022 में रिलीज होने वाली हैं। वह वर्तमान में सर्कस की शूटिंग में व्यस्त है। इसके बाद वह अटैक की शूटिंग शुरू करेंगी। अपने व्यस्त कार्यक्रम के बारे में बात करते हुए, जैकलीन ने साझा किया, "मैं सर्कस की शूटिंग कर रही हूं और हम बस इस शेड्यूल को पूरा करने वाले हैं। इसके बाद, मैं अटैक के सेट पर जा रहा हूं और हम तुरंत एक रोमांटिक गाने की शूटिंग कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, 'जॉन के साथ इसे फिल्माना बेहद मजेदार होने वाला है। चूंकि मैं सर्कस की शूटिंग कर रहा हूं, मेरे पास वास्तव में पूर्वाभ्यास के लिए समय नहीं है इसलिए शूटिंग से पहले हमारे पास कुछ समय होगा, लेकिन यह कमोबेश सीधे सेट पर होगा।

फ्रेंच फिल्म अकादमी हॉलीवुड अभिनेत्री केट ब्लैंचेट को करेगी सम्मानित

पेरिस। ऑस्कर पुरस्कार विजेता अभिनेत्री केट ब्लैंचेट को फ्रांसीसी सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान सीजर डी होनूर पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। प्रतिष्ठित पत्रिका द हॉलीवुड रिपोर्टर के अनुसार फ्रेंच फिल्म अकादमी ने शुक्रवार को अपनी आधिकारिक वेबसाइट परसाझा किए गए एक बयान में यह घोषणा की। फ्रांस की राजधानी पेरिस में 25 फरवरी, 2022 को आयोजित होने वाले 47वें सीज़र समारोहमेंकेट ब्लैंचेट को सीज़र डी होनूरसे सम्मानित किया जाएगा। फ्रांसीसी फिल्म अकादमी ने 52 वर्षीय ऑस्ट्रेलियाई अभिनेत्री की उनके उल्लेखनीय करियर और शानदार व्यक्तित्व के लिए सराहना की। केट ब्लैंचेट ने 1997 में ऑस्ट्रेलियाई फिल्म पैराडाइज से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी, लेकिन फिल्म निर्माता शेखर कपूर की 1998 में आई फिल्म एलिजाबेथ से उन्हें वैश्विक प्रसिद्धि मिली।

भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव ने किया जबरदस्त रोमांस

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में अपना लोहा मनवा चुके खेसारी लाल यादव आये दिन सुर₹खियों में छाए रहते हैं। बीते दिनों खेसारी लाल यादव और भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के लोकप्रिय स्टार पवन सिंह के बीच जुबानी जंग छिड़ी हुई थी। दोनों सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करके एक दूसरे पर आरोप लगाने में लगे हुए थे। अब खेसारी लाल का एक गाना इंटरनेट पर ट्रेंड कर रहा है। खेसारी लाल और एक्ट्रेस स्मृति सिन्हा के बीच का जबरदस्त रोमांस लोगों को खूब पसंद आ रहा हैं। 'जवनिया लव के डोज खोजता' को Wave Music पर रिलीज किया गया है और यह भोजपुरी फिल्म 'बंधन' का गाना है, इसमें खेसारी लाल और स्मृति के बीच रोमांटिक केमिस्ट्री को दिखाया गया है। दोनों की रोमांटिक केमिस्ट्री के साथ साथ उनके डांस मूव्स को देखकर लोगों के दिलों में आग लग गई है। गाने के बोल लोगों की जुबान पर चढ़ गए हैं। गाने 'जवनिया लव के डोज खोजता' को खेसारी लाल यादव के साथ भोजपुरी सिंगर कल्पना ने अपनी दी है। यूट्यूब पर इस गाने की वीडियो को अबतक 25 लाख से ज्यादा लोग देख चुके हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, ₹बड़ा प्यारा गाना है यार₹। वहीं एक अन्य ने लिखा, ₹खेसारी लाल भाई आप अच्छे सिंगर हैं₹। बिहार के छपरा में जन्मे खेसारी ने अपने करियर की शुरुआत साल 2000 में एक गायक के रूप में की थी उस समय वह रामायण और महाभारत में गाते थे। लम्बे समय तक संघर्ष करने के बाद उन्हें लोकप्रियता हासिल हुई। अपने हिट एल्बमों से लोकप्रिय होने के बाद, साल 2011 में रिलीज हुई फिल्म साजन चले ससुराल से उन्हें एक अभिनेता के रूप में उन्हें सफलता मिली। साल 2019 में उन्होंने कलर टीवी के रियलिटी शो बिग बॉस 13 में भाग लिया। इस साल उन्होंने पंजाबी रैपर बादशाह के साथ मिलकर पानी पानी गाने को भोजपुरी भाषा में रीक्रिएट किया था।

मिया खलीफा ने बताया कि उनके ब्रेस्ट हैं नकली, हैरान फैंस

पोर्न फिल्मों की बदौलत मिली शोहरत का मिया आज भी लुफ्त उठा रही हैं। आये दिन अपनी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करके वह सोशल मीडिया पर सुर्खियों में बनी रहती हैं। दर्शक उनके सुंदर चेहरे और सेक्सी फिगर की एक झलक पाने के लिए तरसते हैं। पोर्न फिल्मों में काम करके दुनियाभर में अपनी पहचान बनाने वाली मिया खलीफा काफी समय पहले पोर्नोग्राफिक फिल्म इंडस्ट्री को अलविदा कह चुकी है। पोर्न फिल्मों की बदौलत मिली शोहरत का मिया आज भी लुफ्त उठा रही हैं। आये दिन अपनी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करके वह सोशल मीडिया पर सुर्खियों में बनी रहती हैं। दर्शक उनके सुंदर चेहरे और सेक्सी फिगर की एक झलक पाने के लिए तरसते हैं। पर हाल ही में मिया खलीफा से जुड़ा एक वीडियो इंटरनेट पर काफी वायरल हो रहा है। जिसमें मिया खलीफा अपनी काल्पनिक बेटी से बात करती हुई दिखाई दे रही हैं। वीडियो में उन्होंने काफी चौकाने वाला खुलासा किया है। वीडियो में मिया ने खुद ही दोनों किरदार निभाए हैं और अपनी फ्यूचर ₹बेटी₹ की कल्पना करते हुए एक बातचीत का हिस्सा शेयर किया हैं। मिया की फ्यूचर ₹बेटी₹ उनसे कहती है कि मम्मी मैं बड़े हो जाने पर आपके जैसा बनने के लिए इंतजार नहीं कर सकती। इसी के जवाब में मिया कहती है कि मम्मी ने अपने ब्रेस्ट पर $13,000 और अपनी नाक पर $15,000 खर्च किए हैं इसलिए बेहतर होगा कि बचत करना शुरू कर दो। वीडियो में मिया ने अपनी ब्रैस्ट के बारे में खुलासा किया जो लोगों के लिए हैरान करने वाला था।

सिंघम के विलेन प्रकाश राज ने 56 साल की उम्र में की दोबारा शादी

फिल्मों में खलनायक की भूमिका के लिए मशहूर अभिनेता प्रकाश राज एक बार फिर सुर्खियों में बने हुए है। फिल्म वांटेड और सिंघम जैसी फिल्मों में अपनी एक्टिंग से सबका दिल जीतने वाले प्रकाश राज इस बार किसी विवादित बयान नहीं बल्कि 56 साल की उम्र में अपनी पत्नी पोनी वर्मा से दोबारा शादी करने के लिए चर्चा में बने हुए हैं। बता दें कि उन्होंने 24 अगस्त को अपनी सालगिरह के दिन बेटे वेदांत के लिए दोबारा शादी रचाई थी। प्रकाश और पोनी की शादी को 11 साल हो चुके हैं और उनकी तस्वीरें भी काफी तेजी से वायरल हुए है। यह तस्वीरें खुद प्रकाश राज ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया था। प्रकाश ने लिखा कि, उनका बेटा वेदांत उनकी दोबारा से शादी देखना चाहता था जिसके कारण उन्होंने एक बार फिर अपनी पत्नी के साथ शादी की। प्रकाश की एक तस्वीर में वह अपनी पत्नी को लिप किस करते हुए भी नजर आ रहे है। बता दें कि, प्रकाश और पोनी की पहली मुलाकात एक गाने की शूट के दौरान हुई थी। पोनी इस गाने की कोरियोग्राफी कर रही थी। इसके बाद दोनों ने एक-दूसरे को बहुत लंबे समय तक डेट किया। इस दौरान प्रकाश राज शादीशुदा थे और साल 2009 में उन्होंने अपनी पहली पत्नी ललिता कुमारी से तलाक ले लिया था। पहली पत्नी से प्रकाश राज को दो बेटियां हैं जिनका नाम मेघना और पूजा है। साल 2010 में प्रकाश ने दूसरी शादी पोनी से की। 50 साल की उम्र में प्रकाश के घर बेटे ने जन्म दिया जिसका नाम वेदांत रखा गया।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक एवं RNI No. DELHIHIN/2010/37009 संपादक मो हनीफ द्वारा अरावली प्रिंटर्स -WA30, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली से मुद्रित करवाकर, जी-12/276 , संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोन:8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा।